

हिंदी भाषाकेव्याकरण के रचना पक्ष का ज्ञान, संप्रेषण कौशल, सामाजिकसंदेश एवं भाषायी दक्षता की दृष्टि तथा नई शिक्षा नीति के उद्देश्य को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

बी.ए./ बी.एस-सी./ बी.कॉम./ बी.एच.एस.सी. भाग- दो

(आधार पाठ्यक्रम)

प्रथम प्रश्नपत्र

हिंदी भाषा

कोड.....

पूर्णांक 75

क्रेडिट 05

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

- (1) गद्य विधाओंसे अवगत कराना एवं निबंध कौशल सिखाना।
- (2) कार्यालयीन हिंदी का ज्ञान प्रदान करना।
- (3) हिंदी व्याकरण का समग्र ज्ञान प्रदान करना।
- (4) हिंदी भाषा में प्रचलित विभिन्न शब्द रूपों से परिचित कराना।

पाठ्य विषय:-

इकाई 1. (क) नाखून क्यों बढ़ते हैं? : हजारी प्रसाद द्विवेदी (ख) कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, मशीनी भाषा	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 2. (क) युवकों का समाज में स्थान : आचार्य नरेंद्र देव (ख) हिंदी के तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द-परिचय,	अंक 15 18 कालखंड

2/2

23/2/23

23/2/2023

23/2/23

23/2/23

संज्ञा, सर्वनाम,	
इकाई 3 (क) डॉ. खूबचंद बघेल : हरि ठाकुर (ख) कारक, विशेषण, क्रिया विशेषण	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 4 (क) एक पहाड़ीमैना की मौत : डॉ. कांति कुमार जैन (ख) समास, संधि	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 5 (क) मातृभूमि : वासुदेव शरण अग्रवाल (ख) अनुवाद - परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद	अंक 15 18 कालखंड

मूल्यांकन योजना:-

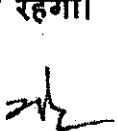
प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक क्रमशः 08 एवं 07 होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 75 निर्धारित है। प्रश्नपत्रके पूर्णांकका दस प्रतिशत अंक आंतरिक मूल्यांकनके लिए निर्धारित है।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:-

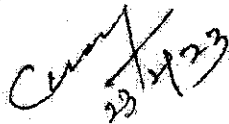
1. गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित हो सकेंगे एवं उनमें साहित्यिक रुझान पैदा होगा।
2. हिंदी के आधारभूत व्याकरणिक अवधारणाओं से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। उनमें रचनात्मकता एवं भाषाकौशल का विकास होगा।
3. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में यह पाठ्यक्रम सहायक होगा।

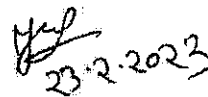
पाठ्यक्रम निर्माण का औचित्य :-

सुप्रसिद्ध विद्वानों के लेख/निबंध/संस्मरण के माध्यम से विद्यार्थियों के चिंतनपरक दृष्टिकोण एवं व्यक्तित्व का विकास करते हुए उन्हें व्याकरणिक एवं भाषा-प्रयोग विषयक पक्ष से परिचित कराते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से तैयार करने की दिशा में यह पाठ्यक्रम उपयोगी रहेगा।






23/4/23


23.2.2023


23/4/23

Meeting -II

Today on 27th May 2022, a meeting of central Board of studies for Foundation course English Language was held for the formulation of Syllabus at School of Studies Literature and Languages, Pt. RSU, Raipur from 11am onwards.

Minutes of the Meeting -

- 1) The meeting was presided by Prof . G. A. Ghanshyam, o.S.D. Higher Education, Govt. C.G., who alongwith The Chairperson and other members of Central Board of Studies for Foundation Course English Language finalised the Textbooks to be implemented for undergraduation classes from the new academic session.
- 2) The Memebers chalked down the Programme outcomes, Learning outcomes, and programme Specific Outcomes for the UG classes for English Language.
- 3) Marks distribution was done as per credit system.

Hence the final syllabus was laid down after discussion by all the members & Chairperson for foundation course English Language.

Following members were present in the meeting:

Prof. P C Choudhury chairman central Board of studies in English Literature.

Dr. G.A Ghanshyam. O.S.D. Higher Education. Nava Raipur.

Dr. Qamar Talat HoD English, Govt V. Y.T . PG Autonomous college Durg.

Dr. shukla Banerjee. HoD English Govt. N .P. G . college of Science , Raipur.

Dr. Merily Roy, HoD English, rndira Govt P.G. college, vaishali Nagar, Durg.

Dr. shrabani chakravorty Subject Expert Govt. Bilasa Girls pG college,

Dr. Rakesh Tiwari, HOD, K.M.T. Govt Girls College, Raigarh.

Prof. Sunil Sahu, HoD, Govtl. K. Girls College, Kanker

Dr. sushama Mishra, HoD, Govt. pt. shyamacharan shukra coilege, Dharsiwa - 2-6-2023

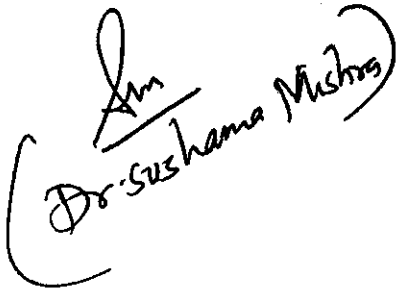
2/6/23
(P.C. Choudhury)

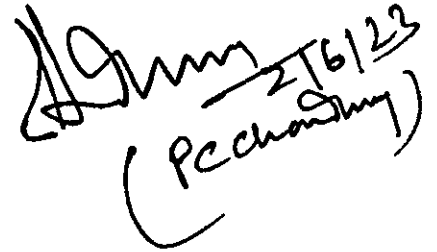
Central Board of Studies Foundation Course Paper-II English Language for Under Graduate Students

Programme Outcomes for English Language B.A/B.Sc/B.Com I, II, III ✓

The programme enables a student to get acquainted

- With the rich cultural heritage and develops patriotic feelings through the works of Indian authors & poets.
- To get exposure of the usage of grammar according to contemporary times.
- To have an exposure about the literary genre with the help of the authors & poets across the globe.
- To develop an appreciation for English Language & Communication Skills.


(Dr. Sushama Mishra)


2/6/23
(P. Chandra)

Learning Outcomes (English Language) B.A/B.Sc/B.Com - I, II, III

The learning outcomes are as follows:

1. To strengthen the linguistic skills -Listening, Speaking, Reading and Writing.
2. To refine the way of thinking and speaking which would lead them to have mighty ideas in day to day life.
3. To improve students speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility.
4. To enhance practical use of English in day-to-day life.
5. To enrich the vocabulary of the students.

Sushama
12.6.2023
Dr. Sushama Mishra

Dr. Sushama
2/6/23
(Sushama)

Programme Specific Outcomes FC_ Paper-II
(English Language) B.A/B.Sc/B.Com - I, II, III

The Programme Specific outcomes are as follows:

1. To develop abilities of the students as a critical reader and writer.
2. To develop the ability of public interaction and speaking.
3. To develop self awareness about English language.
4. To develop critical thinking .

To give a practice in writing, drafting of English assignments.

Sushama
(Dr. Sushama Mishra)

[Signature]
2/6/23
(P. Choudhary)

BA/B.Sc./B.Com/B.Sc. Home.Sc. (Part-II) ✓
Foundation Course Paper-II English Language

Max. Marks:75
Total credits: 05

Qualifying Marks:26

Paper-II	Mark's	Period's	Credit
Unit-I English in Use: A Textbook for College Students (Semester III), Macmillan Publishers India Pvt Ltd	3x5=15	18	01
Unit -II Business Reports & Media Reports Writing Notices, Blog Writing	1x10=10	18	01
Unit -III Reading Comprehension (a) Unseen Passage (MCQ -based) (b) Vocabulary (Text-based)	1x5=05 1x10=10	18	01
Unit -IV Essay Writing: Discursive Essay, Argumentative Essay	1x10=10	09	0.5
Unit-V Grammar : • Ordering of words • Voice • Conditional sentences • Use of some, any, enough, too, otherwise, few, many, such, very • Prepositions • Question tags • Transformation of sentences(like-Simple to Compound to Complex, Exclamatory to Assertive) • Transformation of sentences with positive, Comparative and superlative degrees • Grammatical items given in the textbook 'English in Use'	1x25=25	27	1.5
Total	75	90	05
Recommended Books- 1. Essential English Grammar, 2nd Edition by Raymond Murphy, Cambridge Publication 2. English Grammar in use 5th edition by Raymond Murphy, Cambridge Publication. 3. Advanced English Grammar by Martin Hewings Cambridge University Press.			

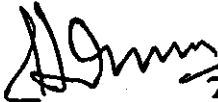
Ans
(Dr. Sushama Mishra)

(Dr. Anam)
2/6/23
(P. Chandra)

Minutes of Meeting

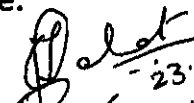
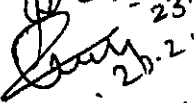



Today on 23rd Feb 2023, a meeting of Central Board of Studies for Foundation course English Language was held for the formulation of Syllabus at School of Studies Anthropology, Pt. RSU, Raipur from 12 noon onwards.

Minutes of the Meeting -


23/2/2023

- 1) The meeting was presided by Prof. P C Choudhury, Chairman Central Board of Studies in English Literature.
- 2) Syllabus for annual pattern has been separated from Semester pattern and syllabus for Foundation course English has been prepared which is to be included either in Semester I.
- 3) The syllabus of semester-I would carry 50 marks, 02 credits and 75 periods.

Following members were present in the meeting:

1. Prof. P. C. Choudhury Chairman Central Board of studies in English Literature.
2. Dr. Qamar Talat, HoD English, Govt V.Y.T. PG Autonomous college, Durg. 
23.2.2023
3. Dr. Merily Roy, HoD English, Indira Govt P.G. College, Vaishali Nagar, Durg. 
23.2.23
4. Dr. Rakesh Tiwari, HOD, Govt. Mahatma Gandhi P.G. College Kharsia. 
23/2/23
5. Prof. Sunil Sahu, HoD, Govt. I. K. Girls College, Kanker. 
6. Dr. Sushama Mishra, HoD, Govt. Pt. Shyamacharan Shukla College, Dharsiwa. 
23.2.2023

दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम
(सत्र-2022-23)

बी.ए. भाग-2
(हिंदी साहित्य) प्रथम प्रश्नपत्र
अर्वाचीन हिंदी काव्य

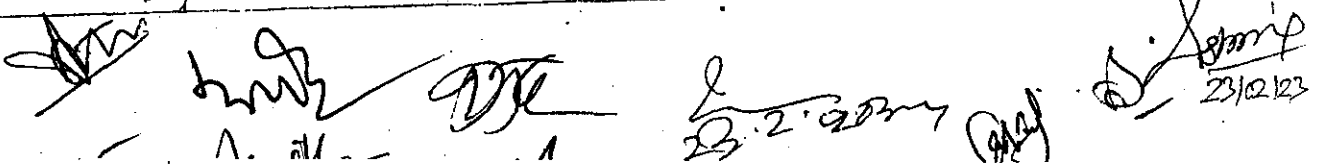
पूर्णांक: 75
क्रेडिट - 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य : आधुनिक काव्य आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की भाव-भाषा, शिल्प, अंतर्वस्तु संबंधी समस्त विकास धारा यहां सजीव रूप में देखी जा सकती हैं। इसे अनदेखा करना मनुष्य की विकास यात्रा को नजर अंदाज करना है। इस यात्रा के साक्षात्कार के लिए आधुनिक काव्य का अध्ययन अपेक्षित ही नहीं अपितु अनिवार्य है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य - हिन्दी की आधुनिक कविता की स्वरूप तथा उसकी मूल संवेदना के विषय में जानकारी प्रदान करना साथ ही छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दिशा में प्रेरित करना। छायावादोत्तर काव्य और प्रयोगवादी कविता को समझने की दृष्टि विकसित करना।

पाठ्य विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग) तीन पद - 1 मुझे फूल मत मारो... 2 आई हूँ सशोक मैं अशोक... 3 दोनों ओर प्रेम पलता है।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -1. सखि बसंत आया
2. वर दे, वीणा वादिनी
3. हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र
4. तोड़ती पत्थर
5. कुकुरमुत्ता (अबे. सुनबे गुलाब... एक की दी तीन मैंने गुन सुनाकर)
3. सुमित्रानन्दन पंत -1 सुख-दुख
2. परिवर्तन-2 पद-(1. खोलता इधर जन्मलोचन
2. आज का दुख कल का आल्हाद)
3. ताज।
4. झंझा में नीम
4. माखन लाल चतुर्वेदी -1 बलि पंथी से
2. सांझ और ढोलक की थापें
3. मैं बेच रही हूँ दही
4. उलाहना
5. निःशस्त्र सेनानी
5. स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय -1. सवेरे उठा तो धूप खिली थी
2. साम्राज्य का नैवेद्य दान
3. घर
4. चांदनी जी लो
5. दूर्वाचल

द्रुतपाठ हेतु निम्न कवियों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे
1. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2. सुभद्रा कुमारी चौहान 3. श्रीकांत वर्मा 4. मुकुटधर पाण्डेय



अंक विभाजन :

3 व्याख्या .	21 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न :	24 अंक
3 लघु उत्तरीय प्रश्न :	15 अंक
15 अति लघुउत्तरीय प्रश्न :	15 अंक

कुल-75 अंक

इकाई विभाजन :

इकाई एक - व्याख्या	18 कालखण्ड
इकाई दो- गुप्त और निराला	18 कालखण्ड
इकाई तीन - पंत, चतुर्वेदी और अज्ञेय	18 कालखण्ड
इकाई चार - द्रुत पाठ के कवि एवं आधुनिक काव्यधारा का इतिहास (राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)	18 कालखण्ड
इकाई पाँच - वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठयक्रम से)	18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियाँ (CLO)

1. आधुनिक काव्य की युगीन प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं से विद्यार्थियों का परिचय कराना।
2. आधुनिक साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता, सहिष्णुता, सद्भावना एवं मानवीय मूल्यों को जागृत करना।
3. विविध आधुनिक विचार धाराओं में प्रवहमान हिंदी काव्य और कविता के समीक्षात्मक विवेचन से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. युगीन भाषा, संस्कृति और समय की समझ विकसित करना।
5. आधुनिक काव्य, स्वतंत्रता के पूर्व और पश्चात की भाषा शैली एवं वैचारिक यात्रा का बोध कराना है इस वैचारिक यात्रा से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

[Handwritten signatures and dates]
23/02/23

बी.ए. भाग-2
(हिंदी साहित्य) द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी नाटक, निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

पूर्णांक : 75
क्रेडिट - 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य - हिन्दी गद्य के विकास ने हिन्दी साहित्येतिहास में वैचारिकता और आधुनिकता का मार्ग प्रशस्त किया। नवजागरण की रश्मि और स्वाधीनता की चेतना नाटकों निबंधों एवं अन्य गद्य विधाओं से ही प्रस्फुटित हुई। विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे। हिन्दी नाटक के आरंभिक दौर में उसके स्वरूप संवेदनात्मक बुनावट तथा प्रगतिवादी स्वभाव से अवगत कराना तथा हिन्दी एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्रदान करना। हिन्दी निबंध के स्वरूप से भी विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।

पाठ्य विषय- व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए दो नाटक, पांच प्रतिनिधि निबंध और चार एकांकी का निर्धारण किया गया है।

नाटक- 1. अंधेर नगरी -भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. ध्रुवस्वामिनी -जयशंकर प्रसाद

निबंध- 1. क्रोध -आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. बसंत आ गया है। -डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. मजदूरी और प्रेम - सरदार पूर्ण सिंह
4. काव्येषु नाटकम् रम्यम् -बाबू गुलाब राय
5. बेईमानी की परत -हरिश्चंकर परसाई

एकांकी- 1. दीपदान -रामकुमार वर्मा
2. तांबे के कीड़े -भुवनेश्वर
3. एक दिन -लक्ष्मीनारायण मिश्र
4. दस हजार -उदयशंकर भट्ट

द्वुतपाठ के लिए निम्नलिखित तीन गद्यकारों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे :

1. राहुल सांकृत्यायन
2. महादेवी वर्मा
3. हबीब तनवीर
4. शंकर शेष

अंक विभाजन-

3 व्याख्याएं	21 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	24 अंक
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
15 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

कुल - 75 अंक

23/02/23

इकाई विभाजन :

इकाई एक	-व्याख्या	18 कालखण्ड
इकाई दो	-अंधेर नगरी, धुवस्वामिनी, क्रोध, बसंत आ गया है, मजदूरी और प्रेम	18 कालखण्ड
इकाई तीन	-काव्येषु नाटकम् रम्यम्, बेईमानी की परत, दीपदान, तांबे के कीड़े, एक दिन, दस हजार	18 कालखण्ड
इकाई चार	-दुतपाठ के गद्यकार-राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा, हबीब तनवीर, शंकर शेष	18 कालखण्ड
इकाई पाँच	-वस्तुनिष्ठ प्रश्न (समग्र पाठ्यक्रम से)	18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियाँ (CLO) :

1. गद्य साहित्य आधुनिक काल की प्रवृत्तियों एवं विचारधाराओं का जीवंत दस्तावेज है। हिंदी नाटक, एकांकी एवं निबंध हिन्दी गद्य साहित्य की महत्वपूर्ण सतत प्रवाहमान विधाएँ हैं। इन विधाओं के विकासक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. हिंदी गद्य साहित्य आधुनिक जीवनानुभूतियों, संवेदनाओं और परिस्थितियों का परिचायक है। विद्यार्थियों को इन विधाओं के विकास क्रम, भाषायी एवं शिल्पगत सूक्ष्मताओं एवं विविधताओं से परिचित कराना।
3. गद्य साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्रीयता की भावना जागृत कराना।

[Handwritten signatures and dates]

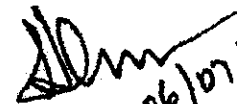
23/02/21

Central Board of Studies (CBoS) Meeting
English Literature
Minutes of the Meeting

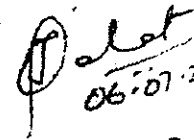
The meeting of the Central Board of Studies in English Literature was held at 11.00 A.M. in the Department of Literature and Languages, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur on 06.07.2022. Syllabus for English Literature for B.A. Part I, II III & IV were corrected and submitted to the Academic Section, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). The contents in the systems are deleted and the rough work papers were destroyed

The following members were present in the meeting :

1. Shri P.C. Choudhury, Chairman, BoS, English, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.

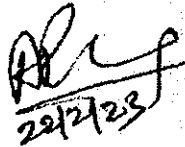

06/07/2022

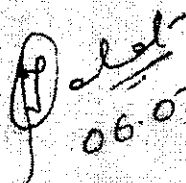
2. Dr. Qamar Talat, Chairman, BoS, English, Hemchand Yadav University, Durg, (C.G.)

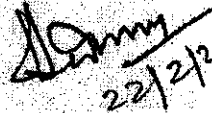

06/07/2022

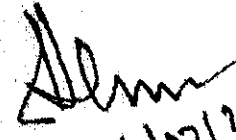
3. Dr. Rita Soni, Subject Expert, Govt. Nagarjuna Science College, Raipur (C.G.)

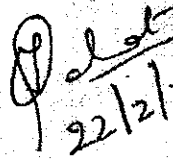

6/7/2022

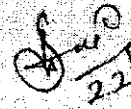

22/2/23

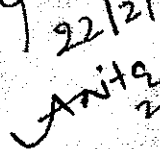

06.07.2022

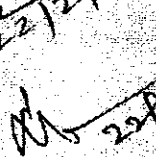

22/2/2023

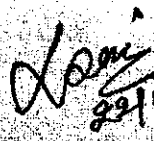

06/07/2022


22/2/2023


22/2/2023


22/2/2023


22/2/2023


22/02/2023

B.A. PART II
ENGLISH LITERATURE
PAPER I
MODERN ENGLISH LITERATURE

Total Credit : 5

Maximum Marks : 75

Note :

1. Unit I is compulsory. Annotations of passages. Six passages are to be set (at least one from unit II to unit V) from the text prescribed out of which three are to be attempted. (3x5=15).
2. Objective type questions / Multiple choice questions to be set from Unit VII, fifteen to be set and ten to be attempted. (10x1=10).
3. Long answer questions from Unit II to VI. Questions from each unit with an internal choice are to be set. Candidate has to attempt one question from each unit. Word limit for each answer is 350-400 words.(5x10=50).

UNIT - I Annotations from Unit II - V

UNIT - II Poetry :	Periods	Credits
1. W.B. Yeats- <i>A Prayer for my Daughter</i> <i>The Second Coming.</i>	15	01
2. T.S. Eliot - <i>Love Song of J. Alfred Prufrock</i>		

UNIT - III Poetry :	Periods	Credits
1. Dylan Thomas- <i>Lament.</i> <i>A Refusal to Mourn the Death</i>	07	0.5
2. Philip Larkin - <i>Toads</i> <i>At Grass</i>		

UNIT - IV. Prose :	Periods	Credits
1. Bertrand Russell - <i>On the Value of Scepticism.</i>	15	01
2. E.V. Lucas - <i>On Finding Things.</i>		

UNIT - V Drama :	Periods	Credits
1. G.B. Shaw. - <i>Pygmalion</i>	15	01

Handwritten signatures and dates:
 22/2/23
 22/2/2023
 06/07/2022
 29/07/2023
 6/7/2022
 22/2/2023
 22/2/2022
 06/07/2022
 22/2/23

UNIT - VI. Fiction :

- 1. Rudyard Kipling - *Kim*. 15 01
- Short Story :
- 1. Katherine Mansfield - *A Cup of Tea*

UNIT - VII. Historical and Literary Topics :

08 0.5

- 1. Transitional Poets of 20th Century
- 2. Drama in the 20th century
- 3. The Irish Literary Renaissance
- 4. Short Story
- 5. One Act Play
- 6. The Problem Play
- 7. Aestheticism
- 8. Byzantine Art
- 9. Epilogue
- 10. Prologue

Books recommended :

- 1. Edward Albert : *A History of English Literature*
- 2. W.H. Hudson : *An Outline History of English Literature*
- 3. B. Prasad : *A Background to the Study of English Literature.*
- 4. Jacob Abraham - *A Handbook of Literary Terms.*
- 5. *The Faber Book of Modern Verse* Edited by Roberts Michael
- 6. R.J.Rees : *English Literature : An Introduction for Foreign Readers*

[Handwritten signatures and dates]

22/2/2023 06/07/2022 06/07/2022

22/2/2023 22/2/2023 22/2/23

22/02/2023 22/2/23 22/2/23

06/07/2022

B.A. PART II
ENGLISH LITERATURE
PAPER II
MODERN ENGLISH LITERATURE

Total Credit : 5

Maximum Marks : 75

Note :

1. Unit I is compulsory. Annotations of passages. Six passages are to be set (at least one from unit II to unit V) from the text prescribed out of which three are to be attempted. (3x5=15).
2. Objective type questions / Multiple choice questions to be set from Unit VII, fifteen to be set and ten to be attempted. (10x1=10).
3. Long answer questions from Unit II to VI. Questions from each unit with an internal choice are to be set. Candidate has to attempt one question from each unit. Word limit for each answer is 350-400 words.(5x10=50).

UNIT - I Annotations from Unit II - V

UNIT - II Poetry :

1. Siegfried Sassoon. - *At the Grave of Henry Vaughan*
2. Wilfred Owen - *Strange Meeting*.

Periods Credits

07 0.5

UNIT -III Poetry :

1. W.H. Auden - *In Memory of W.B. Yeats*.
2. Sylvia Plath - *Daddy*.

15 01

UNIT - IV. Prose :

1. Robert Lynd. - *Forgetting*.
2. A.G. Gardiner - *On the Rule of the Road*

15 01

UNIT - V Drama :

1. John Galsworthy - *Justice*
2. J.N. Synge. - *Riders to the Sea*.

15 01

UNIT - VI Fiction :

15 01

[Handwritten signatures and dates are present below the text, including: "22/2/2023", "06/07/2022", "22/2/2023", "22/2/2023", "06/07/2022", "22/2/2023", "22/2/2023", "22/2/2023", "06/07/2022", "22/2/2023"]

1. William Golding. - *Lord of the Flies*.
Short Story

1. Oscar Wilde. - *The Happy Prince*.

UNIT - VII Historical and Literary Topics :

08

0.5

1. Poetic trends between 1930s and 1940s
2. Development of Modern Novel in 20th century
3. Development of Essay in the 20th century
4. The War/Soldier Poets
5. Stream Of Consciousness
6. Imagism
7. Oedipus Complex
8. Structuralism
9. Allegory
10. Irony

Books Recommended :

1. The Faber Book of Modern Verse Edited by Roberts Michael
2. B. Prasad : A Background to the Study of English Literature.
3. W.H. Hudson : An Outline History of English Literature
4. Lord of the Flies - Mass Market Paperback- Books- Amazon.in
5. Jacob Abraham - A Handbook of Literary Terms
6. R.J.Rees : English Literature : An Introduction for Foreign Readers

[Handwritten signatures and dates]

Palat 06.07.2022

Sun 6/7/2022

22/4/2023

Palat 22/2/2023

Sun 22/2/2023

ANITA 22/2/23

22.7.23

06/07/2022

22/02/2023

22/2/23

B.A. PART II

ENGLISH LITERATURE

The duration of the B.A. Second year Literature course will be of one academic year

Course Title : B.A. Part II, English Literature

Title of the Paper : Modern English Literature, Paper I and Paper II

S.No	Paper	Paper Name	Maximum	Minimum	Total passing
1	I	Modern English Literature	75	—	
2	II	Modern English Literature	75	—	Paper I Paper II Total obtained marks =50

[Signature]
29/4/2023

[Signature]
06/07/2022

[Signature]
6/7/2022

[Signature]
06/07/2022

[Signature]
22/2/23

[Signature]
22/2/2023

[Signature]
22/2/2023

[Signature]
22/02/2023

[Signature]
22/2/23

[Signature]
22.2.23

B.A. PART II

ENGLISH LITERATURE

Course Outcomes for B.A. Part II, English Literature, Paper I

The student will understand :

- CO 1. Modern English Poets and their representative works.
- CO 2. Irish Renaissance, dramatists and their representative works.
- CO 3. Historical facts and Figures of Speech.
- CO 4. The four genres of English Literature
- CO 5. A critical bent of mind to read literature as a socio-cultural document
- CO6. Human values and Gender Issues.

Course Outcomes for B.A. Part II, English Literature, Paper II

The student will understand :

- CO 1. War poets and their representative works.
- CO 2. Historical facts and the tendencies of the age.
- CO 3. The four genres of the age.
- CO 4. Human values and Gender Issues.
- CO 5. Compare and contrast different literary qualities of the writers
- CO 6. J.M.Synge's 'Riders to the Sea' as a strong feminist drama.

[Handwritten signatures and dates]

22/2/2023
06/07/2022
6/7/2022
06/07/2022
22/02/2023
22/12/23
22/2/2023
22.2.23

Specific Program Outcome
B. A. (I, II, III) Year 2023-2026

- The UG programme in Linguistics aims at skill enhancement of enrolled students in field of language study and linguistic - analysis, so that they can develop awareness of the nature of language and its role in human society.
- The UG programme is designed to work for the holistic development of each student, concentrating on developing their depth of knowledge.
- The programme teaches the students to think in multiple directions with its interdisciplinary understanding and engagement with subjects like sociology, psychology, anthropology, history etc. while creating a first hand knowledge in core areas of Linguistics and paving the way for excellence in its specific areas and some of the significant applied areas of Linguistics.
- Derive basic linguistic knowledge, to identify, analyse and document specific linguistic characteristics of a chosen language.
- Enable the taking to delve into scientific study of linguistic field of their choice.
- Provide opportunities in a meaningful learning experiences that prepare the student to meet his/her goals after earning a linguistics degree.
- Help identify one's own analyses for understanding of language, people or society as a whole.
- The UG course in Linguistics equips the students with the aptitude to undertake PG course of Linguistics.



Shail Sherrma



बी. ए. द्वितीय वर्ष- 2024-2025

B.A. Part II Year -2024-2025

भाषाविज्ञान

Linguistics

प्रथम प्रश्न पत्र

Paper -I



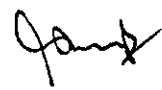
रूप प्रक्रिया एवं वाक्य प्रक्रिया

Morphology and Syntax

Max. Marks -75

Qualifying Marks -26

Paper I	Marks	Periods	Credit
Unit -I	3x5 = 15	10	1
Unit-II	5x2 = 10	10	1
Unit-III	5x2 = 10	15	1
Unit-IV	10x2 = 20	20	1
Unit-V	10x2 = 20	20	1
Total	75	75	5

 Shree Sharma  

बी. ए. द्वितीय वर्ष- 2024-2025

B.A. Part II Year -2024-2025

भाषाविज्ञान.

Linguistics

प्रथम प्रश्न पत्र

Paper -I

रूप-प्रक्रिया एवं वाक्य-प्रक्रिया

Morphology and Syntax

पूर्णांक - 75

Max. Marks- 75

क्रेडिट - 5

Credit - 05

कालखण्ड - 75

Periods - 75

इकाई विभाजन

1. शब्द प्रकार: मूल, मिश्र एवं सामासिक, संकर शब्द

Word Types - Root, Complex and (compound) hybrid words,

2. हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ-I शब्दवर्ग-पुरुष, लिंग, वचन, कारक।

Grammatical categories of Hindi-I - word classes, person, gender, number, case.

3. हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ-II-काल, वाच्य, प्रयोग वृत्ति, परिभाषा तथा सोदाहरण विवेचना।

Grammatical categories of Hindi-II- Tense, Voice, Prayog (application) mood, Definition and discussion with examples.

4. पदबंध, उपवाक्य तथा वाक्य-पदबंध का वर्गीकरण। संज्ञा-पदबंध, सर्वनाम-पदबंध,

विशेषण-पदबंध, क्रिया-पदबंध, क्रियाविशेषण-पदबंध आदि।

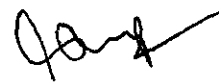
Phrase, clause and Sentence - classification of phrase, Noun Phrase, Pronoun phrase, Adjective phrase, verbphrase, Adverb phrase etc.

5. उपवाक्य का वर्गीकरण - संज्ञा उपवाक्य: विशेषण-उपवाक्य, क्रियाविशेषण-उपवाक्य आदि। वाक्यों का वर्गीकरण रचना एवं अर्थ के आधार पर, पदक्रम।

Classification of Clause - Noun clause, Adjective clause, Adverb clause etc. Classification of sentences on the basis of structure and meaning, order of phrase.



Shail Sherrma



निर्धारित पुस्तकें—

1. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
3. भाषाविज्ञान सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेवनंदन प्रसाद
5. अच्छी हिंदी – रामचंद्र वर्मा

Course Outcome

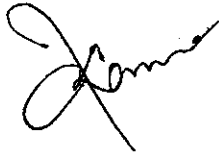
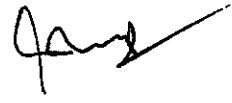
B. A. Part - II

Paper - I

- This paper would enhance the learning derived in B.A. I by providing information on Morphology, Syntactical components and Word-classes, to better the understanding of the study and application of language at large.
- With exercises in phrases, clauses and sentence-forms, the takers of Linguistics would strengthen their language ability with good performativity.



Shailsharma



बी. ए. द्वितीय वर्ष-2024-2025

B.A. Part II Year-2024-2025

भाषाविज्ञान

Linguistics

द्वितीय प्रश्न पत्र

Paper -II

कोशविज्ञान एवं अर्थविज्ञान

Lexicography and Semantics

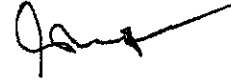
Max. Marks -75

Qualifying Marks -26

Paper II	Marks	Periods	Credit
Unit -I	3x5 = 15	15	1
Unit-II	5x2 = 10	10	1
Unit-III	5x2 = 10	10	1
Unit-IV	10x2 = 20	20	1
Unit-V	10x2 = 20	20	1
Total	75	75	5



Shashi Sharma



बी. ए. द्वितीय वर्ष-2024-2025

B.A. Part II Year-2024-2025

भाषाविज्ञान

Linguistics

द्वितीय प्रश्न पत्र

Paper -II

कोशविज्ञान एवं अर्थविज्ञान

Lexicography and Semantics

पूर्णांक - 75

क्रेडिट - 5

कालखण्ड - 75

Max. Marks- 75

Credit - 05

Periods - 75

इकाई विभाजन

1. कोशविज्ञान- परिभाषा, उद्देश्य, विषय-क्षेत्र, विज्ञान है या कला, कोशविज्ञान का अन्य विषयों से संबंध, कोशों के अध्ययन के आधार-ऐतिहासिक, तुलनात्मक आदि।

Lexicography - Definition, Purpose Aim, Subject area science or Arts, Relation of Lexicology with other disciplines, Basis of study of Dictionaries - Historical, Comparative etc.

2. कोश-निर्माण-कोश-निर्माण की विधियाँ, शब्द-संकलन के आधार, प्रविष्टियों का चयन, क्रम-विन्यास, कोश-निर्माण में होने वाली समस्याएँ।

Lexicography - Methods of Dictionary making, Basis of word collection, selection of entries, Sequencing, Problems in making of Dictionaries.

3. शब्दकोश के प्रकार-भाषा के आधार पर-एकभाषिक, द्विभाषिक, त्रिभाषिक, बहुभाषिक आदि; काल के आधार पर-समकालिक, ऐतिहासिक आदि, कोशीय अर्थ का निर्धारण-पर्यायवाची, अनेकार्थी, अभिधार्थ, लक्षणार्थ, समध्वनि, विलोमार्थ, संदर्भपरक, अर्थ आदि। शब्दकोश की विशेषताएँ।

Types of Dictionaries - on the basis of language-monolingualbilingual, trilingual etc. on the basis of Periods-Contemporary, Historical etc. Fixation of lexical meaning - Synonymy, Polysemy, literal meaning, metaphorical, Homophone, Antonymy, referential meaning etc. Features of a Dictionary

4. अर्थीय संबंध -शब्द और अर्थ के बीच संबंध, अर्थ के प्रकार, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ-अर्थ-विस्तार, अर्थसंकोच, अर्थादेश आदि। अर्थ - परिवर्तन के विभिन्न कारण।

Semantic Relation - Relationship between word and meaning, Types of meanings, Directions of Semantic change - semantic extension, prosemie, Suppletion etc. Reasons for semantic changes.

Shail Sherrma

5. हिंदी शब्दों का प्रयोग और अर्थ – ऊनार्थक (लघुतावाची) शब्द, पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, समूहवाची शब्द, ध्वनिमूलक शब्द (सजीव तथा निर्जीव से संबंधित) समध्वनि मूलकशब्द, मुहावरों तथा लोकोक्तियों का अर्थ और प्रयोग ।

Use and meaning of Hindi words- Diminutive Synonyms, Antonyms, Collective word and Acoustic (Sound) related (Animate and inanimate related) Meanings and uses of Idioms and Proverbs.

निर्धारित पुस्तकें—

1. कोशविज्ञान— भोलानाथ तिवारी
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेवनंदन प्रसाद
3. अच्छी हिंदी – रामचंद्र वर्मा
4. शुद्ध हिंदी – हरदेव बाहरी
5. हिंदी भाब्दकोभा – हरदेव बाहरी
6. हिंदी मुहावरे और लोकोक्ति कोभा –बदरीनाथ कपूर

Course Outcome

B. A. Part - II

Paper - II


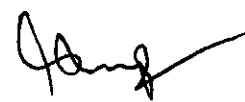

- This paper would further the assimilation of linguistic features by probe into Semantics, Lexicology and Exploration into the making and shaping of Dictionary since its evolution.

Learning Objective

B. A. Part-II

This programme would help the takers-

- To understand the form and patterns of words.
- To gain language skills through the correct usage of grammatical/inflexional features.
- To derive training in grammatically correct sentence structures.
- To enhance the expanse of assimilated word power and habitually adopt the rightful use of Dictionary usage.


 Sheel Sharma 
13. 

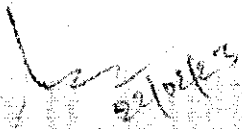
संशोधित पाठ्यक्रम
Reviews Syllabus

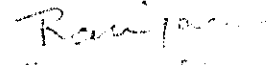
दर्शन शास्त्र
Philosophy

बी.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष सेमेस्टर प्रणाली
B.A. Part I, II, III & IV Year Semester System

सत्र : 2023-24
Session 2023-24


(श्री जगदीशल गहरे)
अध्यक्ष, अध्ययन मंडल
सुलनात्मक धर्म, दर्शन एवं योग अध्ययनशाला
प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर


(डॉ. लक्ष्मीकांत साहू)
सदस्य


(डॉ. रजना शर्मा)
निर्माणाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग
दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर

बैठक का कार्य विवरण

दिनांक 22 फरवरी 2023 को स्वामी विवेकानन्द स्मृति तुलनात्मक धर्म, दर्शन एवं योग अध्ययनशाला, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में दर्शन शास्त्र विषय केन्द्रीय अध्ययन मंडल की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में निम्नानुसार सदस्य उपस्थित थे-

1. श्री जगेलाल गहरे, विभागाध्यक्ष, तुलनात्मक धर्म, दर्शन एवं योग अध्ययनशाला, रायपुर
2. डॉ. लक्ष्मीकांत साहू, सदस्य, महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय, रायपुर
3. डॉ. रंजना शर्मा, विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर

विवरण, बैठक में सर्व सम्मति से दर्शन शास्त्र, समाज, धर्म दर्शन, नीति शास्त्र, तर्कशास्त्र, समकालीन भारतीय दर्शन, पाश्चात्य दर्शन का इतिहास, समकालीन पाश्चात्य दर्शन, तत्वमीमांसा एवं ज्ञान मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य) आदि को केन्द्र में रखते हुए क्षेत्रीय दर्शन का समावेश कर त्रि-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम एवं चतुर्थ वर्षीय सेमेस्टर प्रणाली के विस्तृत पाठ्यक्रम विवरण एवं आउटकम के साथ पाठ्यक्रम निर्माण किया गया है।

22-02-2023

24/02/23
Ranjana
22-2-23

पाठ्यक्रम
दर्शन शास्त्र
बी.ए. द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र

धर्म दर्शन अंक - 75

इकाई	विषय वस्तु	प्रस्तावित व्याख्यान-75
1	<ol style="list-style-type: none"> 1. धर्म : धर्म एवं रिलीजन में अन्तर 2. धर्म दर्शन : अर्थ, स्वरूप 3. धर्म एवं धर्म दर्शन में अन्तर 4. धर्म : उत्पत्ति के सिद्धांत 	16
2	<ol style="list-style-type: none"> 1. धार्मिक अनुभव : ब्रह्मानुभाव तथा रहस्यवाद 2. धार्मिक विश्वास व अन्य विश्वास 3. बुद्धि, अंतः प्रज्ञा 4. प्रार्थना व भक्ति 	14
3	<ol style="list-style-type: none"> 1. ईश्वर : ईश्वर के गुण 2. ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण : भारतीय एवं पाश्चात्य 3. अनीश्वरवाद 4. ईश्वर के बिना धर्म, धर्म निरपेक्षता 	16
4	<ol style="list-style-type: none"> 1. अशुभ की समस्या 2. स्वागी विवेकानन्द - सार्वभौमिक धर्म 3. महात्मा गांधी - सर्वधर्म समभाव 	15
5	<ol style="list-style-type: none"> 1. गुरु घासीदास - सप्त सिद्धांत 2. वल्लभाचार्य - पुष्टि मार्गी भक्ति 3. महर्षि योगी - भावातीत ध्यान 	14

कोर्स आउटकम : धर्म-दर्शन धार्मिक परंपराओं, मान्यताओं व धर्म की वास्तविक अवधारणाओं से विद्यार्थी को परिचित करता है।

6-7-22

06/07/22

06.7.22

Unit	Subject Matter	Proposed Lectures
1	1 Religion: Difference between Dharma and Religion. 2 Philosophy of Religion: Meaning, Nature. 3 Difference between Dharma and Philosophy of Religion. 4 Religion: Theories of Origin.	16
2	1 Religious experience: Brahmanubhava and Rahasyavada (Mysticism). 2 Religious belief & other believes 3 Reason , Intuition 4 Prayer and Devoutness.	14
3	1 Attribute of God. 2 Proofs for the existence of the God: Indian and Western. 3 Atheism. 4 Religion without God, Secularism.	16
4	1. Problem of Evil 2. Swami Vivekananda - Universal Religion. 3. Mahatma Gandhi - Sarva Dharma Sambhav	15
5	1 Guru Ghasidas- Sapt Siddhanta 2 Vallabhacharya - Pusti Marg Bhakti 3 Maharshi Yogi - Transcendental Meditation	14

Course Outcome: Philosophy of Religion acquaints the student with the real concepts of religious traditions, beliefs and religion.

6-7-22

06/07/22

06-7-2022

पाठ्यक्रम
दर्शन शास्त्र
बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र
पाश्चात्य दर्शन अंक - 75

इकाई	विषय वस्तु	प्रस्तावित व्याख्यान 75
1	पारम्भिक युग 1. ग्रीक दर्शन परिचय एवं विशेषताएं 2. सुकरात - सुकरातीय पद्धति 3. प्लेटो - विज्ञानवाद 4. अरस्तू - कारणता	15
2	मध्य युग 1. जॉन स्काट ऐरिजोना 2. एनसेला 3. एक्वीनस 4. फॉसिसा बेकन	14
3	आधुनिक युग 1. आधुनिक दर्शन की विशेषताएं 2. देकार्त - अ. संदेहवादी पद्धति ब. "मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ" स. द्वैतवाद 3. स्पिनोजा - द्रव्य	16
4	1. लाइबनिट्ज का चिदबिन्दुवाद 2. जॉन लॉक अ. जन्मजात प्रत्ययों का खंडन ब. लाक की ज्ञानगीमांसा 3. बर्कले का प्रत्ययवाद	14
5	1. ह्यूम - तत्त्वगीमांसा का खंडन, संदेहवाद 2. कांट - समीक्षावाद अ. बुद्धिवाद की समीक्षा ब. अनुभववाद की समीक्षा	16

कोर्स आउटकम : पाश्चात्य दर्शन पाश्चात्य दार्शनिक, तार्किक चिंतन से विद्यार्थी को अवगत कराता है।

6-7-22

06/07/22

06-7-2022

Unit	Subject Matter	Proposed Lectures
1	Early Period 1- Greek Philosophy - Introduction & Characteristics 2- Socrates – Socrates Method 1. Plato- Theory of Idea 2. Aristotle – Causality	15
2	Medial Period 1. John Scott Arizona 2. Anselm 3. Aquinas 4. Francis Bacon	14
3	Modern Period 1 Characteristics of Modern Philosophy 2 Descartes method of doubt " I think therefore I am " 3 Spinoza - Substance	16
4	1 Leibniz - Monadology 2 John Locke - (A) Refutation of innate ideas (B) Epistemology 3 Berkely - Idealism	14
5	Hume – Refutation of Metaphysics Skepticism 1. Kant - Criticism (A) Criticism of Rationalism (B) Criticism of Empiricism.	16

Course Outcome: Western Philosophy makes the student aware of western philosophical and logical thinking.

[Signature]
06-7-22

[Signature]
06/07/22

[Signature]
06-7-2022

बी.ए.द्वितीय वर्ष
प्रश्न-पत्र प्रथम-सैद्धांतिक

कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष :	सत्र :
विशय - नृत्य (भरत नाट्यम्)				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	नृत्य का इतिहास एवं सामान्य जानकारी		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक / इलेक्टिव / वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षितियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	निम्न बिन्दुओं के माध्यम से पाठ्यक्रम का ज्ञान होगा। <ul style="list-style-type: none"> • प्राचीन भारतीय संस्कृति से अलग होना। • अभिनय की जानकारी। • शास्त्रीय एवं क्षेत्रीय नृत्यों का अध्ययन 		
6	क्रेडिट अंक	03		
7	कुल अंक	50 (न्यूनतम-17)		
8	पाठ्यक्रम संख्या	45 व्याख्यान (15 कालखण्ड = 01 क्रेडिट अंक)		
पाठ्यक्रम		विषय		
1	नृत्य का मध्यकालीन इतिहास	(पाणिनी काल से गुप्त काल तक नृत्य का इतिहास) 1. पूर्व मध्यकाल 2. गुप्तकाल		
2	अभिनयभेद	आंगिक, वाचिक, आहार्य एवं सात्विक		
3	विभिन्न शास्त्रीय नृत्य प्रणालियाँ (संक्षिप्त परिचय)	1. कथक 2. कथकली 3. ओडिसी 4. कुचिपुडी		
4	नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध	संगीत, साहित्य, चित्रकला एवं मूर्तिकला से संबंध		
5	लोकधर्मी नाट्य परंपरा	लोकनाट्य- जात्रा, तमाशा, माच छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य -रहस, नाचा लोकनृत्य- गरबा, बीहू		

P. S.

बी.ए.द्वितीय वर्ष
प्रश्न-पत्र : द्वितीय-सैद्धांतिक

कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष :	सत्र:
विषय - नृत्य (मरत नाट्यम)				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	शास्त्रीय नृत्य सिद्धान्त		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक / इलेक्टिव / वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षितियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	निम्न बिन्दुओं के माध्यम से पाठ्यक्रम का ज्ञान होगा। <ul style="list-style-type: none"> • दक्षिण ताल पद्धति का सामान्य परिचय। • नृत्य कलाकार के गुण-अवगुण की जानकारी। • तकनीकी शब्दों का ज्ञान 		
6	क्रेडिट अंक	03		
7	कुल अंक	50 (न्यूनतम-17)		
8	पाठ्यक्रम संख्या	45 व्याख्यान (15 कालखण्ड = 01 क्रेडिट अंक)		
पाठ्यक्रम	विषय			
1	दक्षिण भारतीय ताल पद्धति			
2	संक्षिप्त टिप्पणियाँ	1. भगलाचरण 2. पुष्पाजलि 3. नाट्य 4. नृत्त 5. नृत्य		
3	नृत्य कलाकार के आवश्यक गुण एवं दोष			
4	मरतनाट्यम पद्धति के क्रमों (मार्गम) का संक्षिप्त विवरण	1.अलारिपु 2. जतिस्वरम् 3.शब्दम् 4. अष्टपदी 5. पदम्		
5	वरिष्ठ नृत्य कलाकार की संक्षिप्त जीवनी	1. श्रीमती गौरी अम्मा 2. श्री मीनाक्षी सुन्दरम पिल्लई छत्तीसगढ़ी लोककलाकार 1. दाऊ रामचंद्र देशमुख 2. श्रीमती तीजन बाई		

P. S.

**बी.ए. द्वितीय वर्ष
प्रश्न-पत्र : प्रायोगिक**

कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष	सत्र
विशय - नृत्य (भारत नाट्यम)				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रायोगिक		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक / इलेक्टिव / वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	निम्न बिन्दुओं के माध्यम से पाठ्यक्रम का ज्ञान होगा। • शरीर के विभिन्न अवयवों का ताल, एवं लयात्मक संचालन • अङ्गुओं का अभ्यास एवं प्रदर्शन • मार्गम का आरम्भ • हस्तमुद्राओं एवं श्लोकों को बोलने का अभ्यास..		
5	क्रेडिट अंक	04 (60 कालखण्ड)		
6	मौखिक मुद्रा	(1) असंयुक्त हस्त की प्रथम पन्द्रह मुद्राओं (पताक से पद्मकोश तक) का विनियोग (श्लोक सहित)		
7	कार्यक्रम विभाग	(1) भ्रूणारोहिक अभ्यास-अत्तारिपु जतिस्वरम् (2) दस अङ्गुओं (अंगसंयोजन चार काल में)		
8	प्रोजेक्ट कार्य	छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीज-त्यौहार		

अनुशंसित अध्ययन संसाधन	
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन	
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :-	
<ol style="list-style-type: none"> 1. वाक्स्पति मैरोला-भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण। 2. डॉ. पुरु दाधीच - नस्तनाट्यम शिक्षा भाग-1 3. पी. मेदिनी लंबल - वैश्विक नृत्य व नाट्य। 4. Understanding Bharatanatyam-Mrinalini Sarabhai 5. Bharat Natya and Other Dances of Tamil Nadu- E.Krishna Iyer 6. डॉ. पुरु दाधीच - कथक नृत्य शिक्षा भाग-1 एवं 2 7. डॉ. चेतना श्रीहार - कथक कल्प द्रुम 8. डॉ. मणयान दास कथिक - कथक मध्यम। 9. डॉ. ज्योति बबरी- कथक अक्षरों के आरसी। 10. बाबूलाल शास्त्री- नाट्य शास्त्र 11. The Dances of India - Enakshi Bhavanani 12. Classical Dances- Sonal Mansingh 13. Invitation to Indian Dances- Susheela Mishra 	

अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ	
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ: अधिकतम अंक : 50 (प्रति प्रश्नपत्र)	
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)अंक : 5 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE)अंक : 45	
आंतरिक मूल्यांकन	क्लास टेस्ट
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	5
विश्वविद्यालयीन परीक्षा :	45

बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रश्न-पत्र : प्रथम-सैद्धांतिक

कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष :	सत्र :
विषय- कथक नृत्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक		नृत्य का इतिहास एवं सामान्य जानकारी	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक / इलेक्टिव / वोकेशनल)		कोर कोर्स	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)		निम्न बिंदुओं के माध्यम से पाठ्यक्रम का ज्ञान होगा। <ul style="list-style-type: none"> • प्राचीन भारतीय परंपरा से अवगत होना। • अभिनय की जानकारी। • शास्त्रीय एवं क्षेत्रीय नृत्यों का अध्ययन। 	
6	क्रेडिट अंक		03	
7	कुल अंक		50 (न्यूनतम - 17)	
8	पाठ्यक्रम संख्या		45 व्याख्यान (15 कालखण्ड=01 क्रेडिट अंक)	
पाठ्यक्रम	विषय			
1	नृत्य का मध्यकालीन इतिहास	—	पाणिनी काल से गुप्त काल तक नृत्य का इतिहास	
2	अभिनय	—	अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का ज्ञान।	
3	विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियाँ	—	1. कथक 2. भरतनाट्यम 3. कथकली 4. मणिपुरी	
4	असंयुक्त हस्तमुद्रा एवं शिरोभेद	—	अभिनय दर्पण में वर्णित असंयुक्त हस्तमुद्राओं के लक्षण एवं विनियोग। अभिनय दर्पण में वर्णित शिरोभेद के लक्षण एवं विनियोग।	
5	लोकघर्मी नाट्य परंपरा	—	छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य - रहस छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य - पंथी, राउतनाचा	



बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रश्न-पत्र : द्वितीय-सैद्धांतिक

कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष :	सत्र :
विषय- कथक नृत्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	शास्त्रीय नृत्य सिद्धांत		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक / इलेक्टिव / वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियों (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	निम्न बिंदुओं के माध्यम से पाठ्यक्रम का ज्ञान होगा। <ul style="list-style-type: none"> • तकनीकी शब्दों का ज्ञान • कथक के प्रमुख गुरुओं का योगदान • बंदिशो को लिपिबद्ध करना 		
5	क्रेडिट अंक	03		
6	कुल अंक	50 (न्यूनतम - 17)		
7	पाठ्यक्रम संख्या	45 व्याख्यान (15 कालखण्ड=01 क्रेडिट अंक)		
पाठ्यक्रम	विषय			
1	पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान	-	परन, टुकड़ा, गतिनिकास, गतभाव, तांडव एवं लास्य	
2	नृत्य एवं ललित कलाओं का पारस्परिक सम्बन्ध। नृत्य में साहित्य का स्थान।			
3	संक्षिप्त जीवन परिचय एवं योगदान	-	<ul style="list-style-type: none"> • अछन महाराज • लच्छू महाराज • शम्भू महाराज • कार्तिक राम जी • कल्याण दास जी 	
4	ताल लिपिबद्ध करना	-	<ul style="list-style-type: none"> • एकताल के ठेके का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करना • चौताल के ठेके का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करना • प्रायोगिक पाठ्यक्रम में सीखे गये बोलों को लिपिबद्ध करना। 	
5	कथक नृत्य प्रस्तुति के अनिवार्य तत्वों का अध्ययन।			



W

बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रश्न-पत्र : प्रयोगिक

कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष :	सत्र :
विषय - कथक नृत्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रायोगिक		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक/इलेक्टिव/वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	निम्न बिंदुओं के माध्यम से पाठ्यक्रम का ज्ञान होगा। <ul style="list-style-type: none"> • हस्तमुद्राओं एवं श्लोकों को बोलने का अभ्यास • शरीर के विभिन्न अवयवों का ताल एवं लयात्मक संचालन • एकताल एवं चीताल में आरंभिक बंदिशों का अभ्यास 		
5	क्रेडिट अंक	04 (60 कालखण्ड)		
6	कुल अंक	50 (न्यूनतम - 17)		
पाठ्यक्रम		विषय		
1	कृष्ण वन्दना से संबंधित श्लोक पर भाव प्रदर्शन।			
2	तीनताल में निम्नलिखित अनुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता - पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति के साथ - एक आमद, एक परन, एक चक्करदार तोड़ा, एक चक्करदार परन, एक कवित्त, तिस्र जाति तोड़ा या परन एवं तत्कार के प्रकार।			
3	'छूट' की गत एवं 'मुरली' के गतनिकास का प्रदर्शन।			
4	एकताल या चीताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास - एक आमद, दो तोड़े/दुकड़े, एक सादा परन एवं तत्कार का प्रारंभिक अभ्यास।			
5	एकताल एवं चीताल के ठेके का ठाह एवं दुगुन में पदन्त करने का अभ्यास।			
6	अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन।			
7	ठुमरी या भजन में भावप्रदर्शन की क्षमता।			
8	प्रोजेक्ट कार्य - छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीज त्यौहार।			
अनुशासित अध्ययन संसाधन				
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन				
<ol style="list-style-type: none"> 1. नाट्य शास्त्र - बाबूलाल शास्त्री 2. Abhinay Darpan - Dr Manmohan Ghosh 3. Classical Dances - Sonal Mansingh 4. भारतीय संस्कृति में कथक परम्परा - डॉ० माण्डवी सिंह 5. कथक अक्षरों की आरसी - डॉ० ज्योति बख्शी 6. कथक नर्तन भाग 1 - डॉ० विधि नागर 7. कथक नर्तन भाग 2 - डॉ० विधि नागर 8. Understanding Bharatnatyam - Mrinalini Sarabhai 				
अनुशासित मूल्यांकन विधियाँ				
अनुशासित सतत मूल्यांकन विधियाँ: अधिकतम अंक : 50 (प्रति प्रश्नपत्र) सतत व्यापक मूल्यांकन (CCB) अंक : 5 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 45				
आंतरिक मूल्यांकन		क्लास टेस्ट	5	
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCB):				
विश्वविद्यालयीन परीक्षा :			45	
कुल अंक			50	





त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
बी. ए. - प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष
विषय - संगीत (गायन/बादन-तार वाद्य)
सत्र : 2023-24

बी.ए. द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र – प्रथम-सैद्धांतिक

भाग-अ परिचय

पाठ्यक्रम : उपाधि		कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष : 2023	सत्र: 2023-24
विषय – संगीत (गायन/वादन –तारवाद्य)				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक		भारतीय संगीत का इतिहास	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक / वोकेशनल)		कोर कोर्स	
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)		<ol style="list-style-type: none"> 1. इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति की एवं संगीत के इतिहास की जानकारी उपलब्ध कराना है। 2. संगीत के पारिभाषिक शब्दों और स्पष्टीकरणों से अवगत करना। 3. संगीतज्ञों एवं ग्रंथकारों के जीवन परिचय व उनके सांगीतिक योगदान से अवगत कराना। 4. हिन्दुस्तानी संगीत शैलियों का परिचय। 5. संवाद तत्व की जानकारी। 6. वाद्यों के प्रकारों की जानकारी। 	
5	क्रेडिट अंक		03	
6	कुल अंक		50 (न्यूनतम – 17)	
7	पाठ्यक्रम संख्या		45 व्याख्यान (15 कालखण्ड = 01 क्रेडिट अंक)	
8				

भाग – ब
पाठ्यक्रम की सामग्री
विषय

अध्याय सं०	अध्याय का नाम	अध्याय की सामग्री
1	पारिभाषिक शब्द एवं स्पष्टीकरण	1) ग्रह स्वर 2) अंश स्वर 3) पर्याय अंश स्वर 4) न्यास स्वर 5) अल्पत्व-बहुत्व 6) अविर्भाव-तिरोभाव 7) जमजमा 8) निबद्ध –अनिबद्ध गान 9) घसीट 10) कृत्तन 11) शुद्ध – छायालग – संकीर्ण राग।
2	संवादत्व	संवादत्व की परिभाषा, स्वर-संवाद के प्रकार – षड्ज-मध्यम संवाद, षड्ज-पंचम संवाद, षड्ज-षड्ज संवाद।
3	संगीत शैलियों का सामान्य अध्ययन	1) ध्रुपद 2) धमार 3) खयाल 4) तराना 5) तुमरी 6) दादरा 7) टप्पा 8) चतुरंग 9) गीत 10) भजन 11) गजल शैलियों का अध्ययन।
4	भारतीय संगीत का इतिहास	अ) संगीत की उत्पत्ति विषयक कथाएँ। ब) वैदिककाल, पौराणिक काल एवं गुप्त काल के संगीत का संक्षिप्त परिचय।

5	वाद्य वर्गीकरण	1) तत् वाद्य 2) अवनद्ध वाद्य (वितत् वाद्य) 3) घन वाद्य 4) सुषिर वाद्य।
6	संगीतकारों एवं ग्रंथकारों का संक्षिप्त जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान	1) आचार्य भरत 2) पं० शारंगदेव 3) पं० अहोबल 4) उस्ताद फैयाज खॉं 5) उस्ताद अलाउद्दीन खॉं 6) पं० रविशंकर 7) अदारंग-सदारंग 8) पं० व्यंकटमखि।

भाग - स

अनुशंसित अध्ययन सामग्री/संसाधन
पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/अनुशंसित सहायक
पुस्तकें/पाठ्य सामग्री

1. हिन्दुस्तानी संगीत क्रमिक पुस्तक-मालिका (भाग 1, 2, 3, 4, 5, 6) ले० -पं० वि० ना० भातखण्डे, (हाथरस)
2. संगीत विशारद - वसंत, (हाथरस)
3. संगीत शास्त्र दर्पण (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - शांति गोवर्धन
4. राग परिचय (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - हरिशचन्द्र श्रीवास्तव
5. अभिनवगीतांजली (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - पं० रामाश्रय झा
6. संगीतमणी (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - महारानी शर्मा
7. रागबोध (भाग 1, 2, 3 एवं 4) ले० - बी० आर० देवघर
8. भारतीय संगीत का इतिहास ले० - उमेश जोशी - डॉ० एस० एस० परांजपे
9. संगीत शास्त्र (भाग 1, 2, 3 एवं 4) ले० - महेश नारायण शर्मा
10. सितार मालिका ले० - भगवतशरण शर्मा
11. ताल प्रकाश ले० - भगवतशरण शर्मा
12. हमारे संगीत रत्न - संपादक - लक्ष्मीनारायण गर्ग

Suggested Links :-

1. Arambhika on Facebook live
2. Swaranjali Kala Sadhak, Gwalior
3. Swar Sanskar live on Facebook

भाग - द

अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ

अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियाँ		
अधिकतम अंक : 50		
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 05 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 45		
आंतरिक मूल्यांकन	क्लास टेस्ट	5
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)		45
कुल अंक		50
समय - 3:00 घण्टे		

बी.ए. द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र : द्वितीय-सैद्धांतिक

भाग- अ परिचय

पाठ्यक्रम - उपाधि	कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष : 2023	सत्र: 2023-24
विषय : संगीत (गायन/वादन-तारवाद्य)			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत के सिद्धान्त	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक / वोकेशनल)	कोर कोर्स	
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को निम्न बिन्दुओं के अनुसार जानकारियाँ प्राप्त होंगी एवं ज्ञान में वृद्धि होगी - 1. विद्यार्थियों को ध्वनि और संगीत के सह-संबंध का ज्ञान होगा। 2. थाट -रचना सिद्धांत की जानकारी प्राप्त होगी। 3. कर्नाटक ताल पद्धति की जानकारी प्राप्त होगी। 4. बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का ज्ञान प्राप्त होगा। 5. कर्नाटक ताल पद्धति का ज्ञान। 6. दुगुन लयकारी का ज्ञान।	
5	क्रेडिट अंक	03	
6	कुल अंक	50 (न्यूनतम-17)	
7	पाठ्यक्रम संख्या	45 व्याख्यान (15 कालखण्ड = 01 क्रेडिट अंक)	

भाग - ब
पाठ्यक्रम की सामग्री
विषय

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	अध्याय की सामग्री
1	ध्वनि शास्त्र	1) ध्वनि की परिभाषा, व्याख्या 2) सांगीतिक-असांगीतिक ध्वनि 3) ध्वनि तरंग के प्रकार 4) ध्वनि तरंग का आंदोलन एवं आंदोलन संख्या 5) पीच 6) आवृत्ति 7) मेग्निट्यूड 8) टिम्बर 9) मेजर टोन 10) माइनर टोन 11) सेमीटोन।
2	थाट रचना सिद्धांत	1) पं० व्यंकटमखि का थाट रचना सिद्धांत -व्याख्या, रचना विधि (72 थाट) 2) पं० विष्णु नारायण भातखण्डे का थाट रचना सिद्धांत- व्याख्या, रचना विधि (32 थाट)।

3	कर्नाटक ताल पद्धति का अध्ययन		1) कर्नाटक ताल पद्धति -परिचय व्याख्या। 2) कर्नाटक पद्धति के ताल निर्माण की विधि। 3) कर्नाटक पद्धति के तालों को हिन्दुस्तानी पद्धति में लिखने की विधि। 4) कर्नाटक ताल पद्धति एवं हिन्दुस्तानी ताल पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।
4	पाठ्यक्रम के तालों का ताललिपि में दुगुन लयकारी सहित लेखन।		1) ताल-तीव्रा 2) ताल-सूलताल 3) ताल - एकताल 4) ताल - चौताल 5) ताल- धमार 6) ताल - तिलवाड़ा।
5	अ) पाठ्यक्रम के रागों का संपूर्ण शास्त्रीय परिचय		1) राग - केदार 2) राग - बिहाग 3) राग - देस 4) राग - बागेश्री 5) राग - मालकौंस 6) राग - जौनपुरी 7) राग - वृन्दावनी सारंग 8) राग-भैरवी।
	ब) पाठ्यक्रम के रागों की गत/बंदिशों का स्वरलिपि सहित लेखन		1) सरगम गीत 2) लक्षणगीत 3) छोटख्याल /रजाखानी गत।
6	अ) विभिन्न लोकगीत शैलियों का सामान्य अध्ययन		1) कजरी 2) चैती 3) रविन्द्र संगीत 4) लावनी 5) गरबा 6) बाऊल 7) भटियाली
	ब) छत्तीसगढ़ के लोकगीत शैली का सामान्य परिचय		1) करमा गीत 2) पंथी गीत

भाग - स

अनुशासित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/अनुशासित सहायक पुस्तकें/पाठ्य सामग्री

1. हिन्दुस्तानी संगीत क्रमिक पुस्तक मालिका (भाग -1 2, 3, 4, 5, 6) ले० -पं० वि० ना० भातखण्डे, (हाथरस)
2. संगीत विशारद - वसंत, (हाथरस)
3. संगीत शास्त्र दर्पण (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - शांति गोवर्धन
4. राग परिचय (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
5. अभिनवगीतांजली (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - पं० रामाश्रय झा
6. संगीत शास्त्र दर्पण (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - शांति गोवर्धन
7. संगीतमणी (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - महारानी शर्मा
8. रागबोध (भाग -1 2, 3 एवं 4) ले० - बी० आर० देवधर
9. भारतीय संगीत का इतिहास ले० - उमेश जोशी - डॉ० एस० एस० परांजपे
10. संगीत शास्त्र (भाग -1 2, 3 एवं 4) ले० - महेश नारायण शर्मा
11. सितार मालिका ले० - भगवतशरण शर्मा
12. ताल प्रकाश ले० - भगवतशरण शर्मा
13. हमारे संगीत रत्न - संपादक - लक्ष्मीनारायण गर्ग
14. ध्वनि और संगीत - लेखक - ललित किशोर सिंह

भाग - द
अनुशासित मूल्यांकन विधियाँ

अनुशासित सतत् मूल्यांकन विधियाँ		
अधिकतम अंक : 50		
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 05 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 45		
आंतरिक मूल्यांकन	क्लास टेस्ट	5
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)		45
कुल अंक		50
समय - 3:00 घण्टे		

बी.ए. द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र : प्रायोगिक

भाग— अ परिचय			
पाठ्यक्रम : उपाधि	कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष : 2023	सत्र: 2023-24
विषय – संगीत (गायन/वादन-तारवाद्य)			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक		क्रियात्मक संगीत
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक / इलेक्टिव / वोकेशनल)		कोर कोर्स
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)		1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों एवं तालों का परिचय। 2. अपेक्षाकृत विलम्ब अलंकारों व शुद्ध-विकृत स्वरों का परिचय। 3. आलाप-तानों के अपेक्षाकृत उच्चतर मानकों से परिचय। 4. दुगुन लयकारी का परिचय एवं ज्ञान। 5. वाद्ययंत्र बजाने की तकनीक का ज्ञान।
5	क्रेडिट अंक		04 (60 कालखण्ड)
6	कुल अंक	50	न्यूनतम अंक : 17

भाग - ब - पाठ्यक्रम की सामग्री

क्रम संख्या	विषय
1	पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का अध्ययन - 1) राग - केदार 2) राग - बिहाग 3) राग - देस 4) राग - बागेश्री 5) राग- मालकौंस 6) राग- जौनपुरी 7) राग - वृन्दावनी सारंग 8) राग - भैरवी
2	पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों का अध्ययन - 1) ताल - तीव्रा 2) ताल - सूलताल 3) ताल-एकताल 4) ताल - चौताल 5) ताल - धमार 6) ताल - तिलवाड़ा।
3	निर्धारित रागों में सरगम एवं लक्षणगीतों का गायन/वादन अभ्यास।
4	निर्धारित रागों में मध्यलय/रजाखानी गत का 3 आलाप व 5-5 तानों/तोड़ों सहित गायन/वादन।
5	निर्धारित रागों में किसी एक राग में विलम्बित खयाल/मसीतखानी गत का 3 आलाप व 3-3 तानों सहित गायन/वादन।
6	निर्धारित रागों में से किसी एक राग में तराना/द्रुतलय का गायन/वादन दुगुनलयकारी सहित।
7	निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ध्रुपद का गायन दुगुनलयकारी सहित।
8	अपने क्षेत्र में गाए जाने वाले लोकगीतों में से किसी एक लोकगीत का गायन/वादन।
9	राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान एवं एक भजन/धुन का गायन/वादन।
10	छत्तीसगढ़ के राज्य गीत "अरपा पैरी के धार....." का गायन/वादन।
11	पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों का दुगुनलयकारी सहित अभ्यास।

भाग - स
अनुशासित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ पुस्तकें/अन्य संसाधन

1. भातखण्डे संगीत शास्त्र, ले० -वि० ना० भातखण्डे, संगीत कार्यालय, हाथरस (उ०प्र०)
2. तान- मालिका, ले० -राजाभैय्या पूछवाले। (भाग -1, 2, 3 एवं 4)
3. हिन्दुस्तानी संगीत क्रमिक पुस्तक-मालिका (भाग -1, 2, 3, 4, 5, 6) ले० -पं० वि० ना० भातखण्डे, (हाथरस)
4. संगीत विशारद - वसंत, (हाथरस)
5. संगीत शास्त्र दर्पण (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - शांति गोवर्धन
6. राग परिचय (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - हरिशचन्द्र श्रीवास्तव
7. अभिनवगीतांजली (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - पं० रामाश्रय झा
8. संगीतमणी (भाग 1, 2 एवं 3) ले० - महारानी शर्मा
9. रागबोध (भाग -1, 2, 3 एवं 4) ले० - बी० आर० देवधर
10. भारतीय संगीत का इतिहास ले० - उमेश जोशी - डॉ० एस० एस० परांजपे
11. संगीत शास्त्र (भाग -1, 2, 3 एवं 4) ले० - महेश नारायण शर्मा
12. सितार मालिका ले० - भगवतशरण शर्मा
13. ताल प्रकाश ले० - भगवतशरण शर्मा
14. हमारे संगीत रत्न - संपादक - लक्ष्मीनारायण गर्ग

Suggested Links :-

1. Arambhika on Facebook live
2. Swaranjali Kala Sadhak, Gwalior
3. Swar Sanskar live on Facebook

भाग - द अनुशासित मूल्यांकन विधियाँ			
अनुशासित सतत् मूल्यांकन विधियाँ			
अधिकतम अंक : 50 न्यूनतम : 17			
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 05 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 45			
आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	
क्लास टेस्ट एवं मौखिकी / प्रदर्शन	05	प्रायोगिक मौखिकी, प्रदर्शन (गायन / वादन)	40
उपस्थिति / प्रोजेक्ट वर्क / असाईनमेंट	05		
कुल अंक	10	कुल अंक (10 +40)	50



पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

दूरभाष : 0771-2262802 (अकादमिक), 0771-2262540 (कुलसचिव), फ़ैक्स-0771-2262818, 2262607, ई-मेल: academicprsu2@gmail.com

क्रमांक 711 / अका. / पाठ्यक्रम / 2023

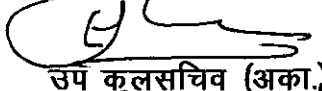
रायपुर, दिनांक: 15/09/2023

// अधिसूचना //

वि.वि. के पत्र क्रमांक 148/अका./2023 दिनांक 18.07.2023 के द्वारा प्रकाशित स्नातक स्तर बी.ए. भाग भागए-एक अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रम के पूर्णांक 100 के संबंध में अपर संचालक, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 4199/237/आउशि/समन्वय/2023 दिनांक 29.08.2023 के अनुक्रम में सूचित किया जाता है कि बी.ए. भाग-एक, दो एवं तीन अर्थशास्त्र के प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न-पत्र में 75-75 अंक पढ़ा जाए।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार

आदेशानुसार,

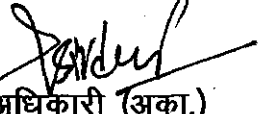

उप कुलसचिव (अका.)

पृ. क्रमांक 712 / अका. / पाठ्यक्रम / 2023

रायपुर, दिनांक 15/09/2023

प्रतिलिपि :-

1. अपर संचालक, उच्च शिक्षा संचालनालय, नवा रायपुर को आपके पत्र क्रमांक 4199/237/आउशि/समन्वय/2023 दिनांक 29.08.2023 के अनुक्रम में सादर सूचनार्थ।
2. प्राचार्य, संबद्ध समस्त महाविद्यालयों को इस निर्देश के साथ अग्रेषित कि इस अधिसूचना से समस्त शिक्षकों एवं छात्रों को अवगत करावें।
3. उप-कुलसचिव परीक्षा/सहायक कुलसचिव, गोपनीय विभाग
4. प्रो. आर.के. प्रसाद, अध्यक्ष-अर्थशास्त्र अध्ययन मंडल एवं आचार्य, अर्थशास्त्र अध्ययनशाला, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
5. कुलपति जी के सचिव/कुलसचिव के निज सहायक, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ।


कक्ष अधिकारी (अका.)

LIST OF ALL PAPERS IN ALL THREE YEARS OF B.A. ECONOMICS

(3 Year Annual System)

Year-wise titles of the papers in B.A. Economics

<u>Year</u>	<u>Course Code</u>	<u>Paper Title</u>	<u>Theory / Practical</u>
X B.A. I	A1-ECO-CER-DSC-1	Principles of Micro Economics	Theory
	A1-ECO-CER-DSC-2	Indian Economy	Theory
✓ B.A. II	A2-ECO-DIP-DSC-1	Principles of Macro Economics	Theory
	A2-ECO-DIP-DSC-2	Money, Banking & Public Finance	Theory
X B.A. III	A3-ECO-DEG-DSE-1/1 (OR)	Development & Environmental Economics (OR)	Theory
	A3-ECO-DEG-DSE-1/2	Agricultural Economics	
	A3-ECO-DEG-DSE-2/1 (OR) A3-ECO-DEG-DSE-2/2	Statistical Methods (OR) Demography	Theory

(Dr. Venu Gopal)

(Dr. S. K. G. G. G. G.)
(Dr. V. Venkatesh)

(Dr. M. M. J. J.)

(Dr. S. K. G. G. G.)
Pr. CRESENCIO TOPPO

(Dr. L. R. S. S.)

(Dr. S. S. S.)

(Dr. R. S. S.)

(Dr. S. S. S.)


(Dr. S. S. S.)


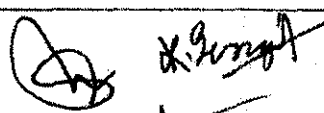
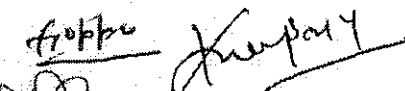
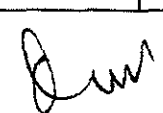
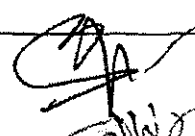
(Dr. D. P. K. K.)

(Dr. A. R. S. S.)

SYLLABUS: ECONOMICS

PART-A, INTRODUCTION			
PROGRAM: Diploma	CLASS: B.A. II nd year	YEAR:2025	SESSION:2024-25
SUBJECT: ECONOMICS			
1	PROGRAM CODE:	A2-ECO-DIP	
2	COURSE CODE:	A2-ECO-DIP-DSC-1	
3	COURSE TITLE:	Principles of Macro Economics (Core Course)	
4	COURSE LEARNING OUTCOME:	Students after studying this paper are aware of the National income component. They have good knowledge of the consumption and investment pattern, which helps them in balancing their income in a proper manner. They get information regarding markets and its fluctuations. Students get knowledge of various tariffs and quotas being imposed on goods. Students get an idea about international financial institutions.	
5	TOTAL MARKS: =100	MAX MARKS:100	MIN PASS MARKS:34

PART-B, CONTENT OF THE COURSE		
UNIT	TOPICS	
UNIT I- National Income	<ol style="list-style-type: none"> 1. Meaning of National Income 2. Components of National Income 3. Measurement of National Income 4. Economic welfare & National Income 5. National Income Accounting 6. Circular flow in Income 7. Leakage in circular flow 	
UNIT II- Employment & Consumption Function	<ol style="list-style-type: none"> 1. Classical theory of employment 2. Say's law of market 3. Keynesian theory of employment 4. Consumption function 5. APC, MPC 6. Keynes's psychological law of consumption 7. Multiplier & Accelerator 8. Investment function 9. Marginal Efficiency of Capital 	
UNIT III- Trade Cycle	<ol style="list-style-type: none"> 1. Meaning of trade cycle 2. Nature and characteristics of trade cycle 3. Theories of trade cycle- Hawtrey's monetary theory 4. Hayek's over investment theory 5. Schumpeter's theory of innovation 6. Control of trade cycles 	
UNIT IV- International Trade	<ol style="list-style-type: none"> 1. Concept of international trade 2. Inter-regional & International trade 3. Ricardo's comparative advantage cost theory 4. Heckscher-Ohlin theory 5. Tariff 6. Balance of Payment 7. Disequilibrium in BoP 	

	8. India's BOP 9. Devaluation & Over-valuation	
UNIT V- Financial Institutions & Foreign Trade	1. IMF 2. Functions and objectives of IMF 3. World Bank 4. World Trade Organization 5. IMF & India 6. Foreign trade trends in India post 2001 7. Foreign exchange reserves in India	

PART-C, LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Paul Krugman and Robin Wells	Macroeconomics	Macmillan
Campbell McConnell, Stanley Brue & Sean Flynn	Macroeconomics: Principles, Problems & Policies	McGraHill/Irwin
Ahuja, H.L.	Macro Economic theory and policy	S Chand
Seth, M.L.	Macro Economics (Hindi & English)	L.N. Agrawal
Jhingan, M.L.	Macro Economics (Hindi & English)	Vrinda
Ojha, B.L.	Macro Economics (Hindi & English)	SBPD
Mishra, J.P.	Introductory Macro Economics (Hindi)	Sahitya Bhawan
Pant and Mishra	Economics-Macro and Micro	Sahitya Bhawan

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

1	https://www.swayamprabha.gov.in/index.php
2	https://vidyamidra.inflibnet.ac.in/index.php
3	https://eggp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject

PART-D ASSESSMENT & EVALUATION

Recommended Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 0 Marks, University Exam (UE):100 marks		
Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):0	Class Test Assignment/Presentation	0 Marks 0 Marks
External Assessment: University Exam Section:100 Time: 3 hrs.	10 questions (02) from each unit). Attempt one question from each unit.	20 marks each

Handwritten signatures and initials are present below the table, including:

- A circled signature at the top left.
- A signature with a large 'A' at the top center.
- A signature with 'fotbo' written above it at the top right.
- A signature with 'd.g.m.' written above it in the middle.
- A signature with 'Krupay' written below it at the bottom center.
- A signature with 'Qum' written below it at the bottom right.

SYLLABUS: ECONOMICS

PART-A INTRODUCTION		
PROGRAM:DIPLOMA	CLASS: B.A. II nd year	YEAR: 2025
SESSION: 2024-25		
SUBJECT: ECONOMICS		
1	PROGRAM CODE	A2-ECO-DIP
2	COURSE CODE	A2-ECO-DIP-DSC-2
3	COURSE TITLE	MONEY, BANKING AND PUBLIC FINANCE (Core Course)
4	COURSE LEARNING OUTCOME	<ul style="list-style-type: none"> The students will learn the evolution of money. They will also learn the value of money and inflation and other related issues of monetary economics. The students will get knowledge about banking and its functions, various deposit accounts which will be helpful for them in real life also. The students will get complete information about RBI, its main functions and the measures to control credit creation. The students learn the whole process of preparation and passing of govt. budget. They also get information about various aspects of budget which will make them aware about the whole government mechanism. The students get knowledge about various taxes and their role & importance in the economy which will make them responsible citizen of India. The students also learn about the state budget, its expenditure pattern and budget management of the state government. They will be able to learn about the financial condition of the state govt. of Chhattisgarh. The students will get knowledge about various aspects of macroeconomics by the whole syllabus resulting in increased knowledge of theoretical as well as practical aspects of macroeconomics.
5	TOTAL MARKS: 100	MAXIMUM MARKS:100
		MINIMUM PASSING MARKS:34

PART B- CONTENT OF COURSE

UNIT	TOPICS
UNIT-I MONEY	MONEY- MEANING, FUNCTION, LAW OF GRESHAM
	QUANTITY THEORY OF MONEY: CASH TRANSACTION & CASH BALANCE THEORY
	VALUE OF MONEY: INFLATION, DEFLATION, REFLATION, STAGFLATION- TYPES, CAUSES AND EFFECT
	DEMAND PULL AND COST PULL INFLATION, MEASURES TO CONTROL INFLATION
	PHILIPS CURVE
	CONCEPT OF DEMONETIZATION
UNIT-II BANKING	COMMERCIAL BANK: MEANING, TYPES, FUNCTIONS
	PROCESS OF CREDIT CREATION: OBJECTIVES AND LIMITATIONS

	EVOLUTION OF COMMERCIAL BANKS IN INDIA AFTER INDEPENDENCE	
	CRITICAL EVALUATION OF COMMERCIAL BANKS AFTER NATIONALIZATION	
	CENTRAL BANK: FUNCTION, QUANTITATIVE AND QUALITATIVE MEASURES OF CREDIT CONTROL	
	RESERVE BANK OF INDIA: ROLE , FUNCTION	
	OBJECTIVES & LIMITATIONS OF MONETARY POLICY WITH SPECIAL REFERENCE TO INDIA	
UNIT-III PUBLIC FINANCE	PUBLIC FINANCE: MEANING AND SCOPE	
	PRINCIPLE OF MAXIMUM SOCIAL ADVANTAGE	
	ROLE OF GOVERNMENT IN ECONOMIC ACTIVITIES	
	PUBLIC BUDGET: MEANING, TYPES, PREPARATION & PASSING OF BUDGET IN INDIA	
	PUBLIC EXPENDITURE: MEANING, CLASSIFICATION & PRINCIPLES OF PUBLIC EXPENDITURE	
	TRENDS & GROWTH OF PUBLIC EXPENDITURE IN INDIA	
	EFFECTS OF PUBLIC EXPENDITURE	
UNIT-IV PUBLIC INCOME AND DEBT	TAXATION: MEANING OF TAX, CHARACTERISTICS, CANONS & CLASSIFICATION OF TAX	
	IMPACT OF TAX, INCIDENCE OF TAX & SHIFTING OF TAX	
	TAXABLE CAPACITY	
	EFFECTS OF TAXATION	
	PUBLIC DEBT: MEANING, SOURCE OF PUBLIC DEBT	
	EFFECTS OF PUBLIC DEBT	
	METHODS OF REDEMPTION OF PUBLIC DEBT	
UNIT-V PUBLIC FINANCE OF CHHATTISGARH	BUDGET OF CHHATTISGARH	
	SOURCES OF INCOME: TAX & NON-TAX REVENUE	
	IMPACT & COLLECTION OF GST	
	STATE'S SHARE IN CENTRAL GOVT. REVENUE, GRANT-IN-AID	
	STATE'S EXPENDITURE: PLAN & NON-PLAN EXPENDITURE	
	BURDEN OF PUBLIC DEBT ON THE STATE	
	STATE FINANCE COMMISSION	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Gupta, S.B.	Monetary Economics	S. Chand & Co. New Delhi
Musgrave, R.A. and P.B. Musgrave	Public Finance in Theory and Practice	McGraw Hill, Kogakusha, Tokyo

Part - II

कार्य वृत्त :-दिनांक 03/03/2023 को पूर्वाह्न 12:00 बजे केन्द्रीय अध्ययन मंडल, भूगोल की बैठक भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर में आयोजित हुई जिसमें निम्नानुसार अनुशंसा की गई :-

कार्य सूची - 1 के संदर्भ में सदस्यों द्वारा बी.ए./बी. एस. सी - प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष, 2023-24 के पाठ्यक्रम के विषय में चर्चा की गई तथा बी.ए./बी. एस. सी. - प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष, 2022-23 के पाठ्यक्रम में संशोधन कर निम्नलिखित संशोधित पाठ्यक्रम अनुशंसित किया गया -

Brief Summary

3 Year Integrated UG Courses (B.A./B. Sc.) in Geography

B.A./B.Sc. Part I

The B.A./B.Sc. Part-I Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper - I	Physical Geography
Paper - II	Human Geography
Paper - III	Practical Geography

B.A./B.Sc. Part-II

The B.A./B.Sc. Part-II Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper-I	Economic and Resources Geography
Paper-II	Regional Geography of India
Paper-III	Practical Geography

B.A./B.Sc. Part III

The B.A./B.Sc. Part III Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows

Paper - I	Remote Sensing and GIS
Paper - II	Geography of Chhattisgarh
Paper - III	Practical Geography

head
(Dr. C.P. Nand)

Dr. A. Beck
(A. BECK)

Dr. S. Ambekar
(Dr. S. Ambekar)

Dr. S. Ambekar
(Dr. S. Ambekar)

Dr. Sheela Shinde
(Dr. Sheela Shinde)

Program: B.A./B.Sc.		Class: II Year.	Session : 2023-24
Paper I :Economic And Resources Geography (UGeo-0201)			
Content of the Course			
Course Learning Outcome (CLO)	After the completion of course, the students will have ability to: <ol style="list-style-type: none"> 1. Understand about the Nature and Scope of Economic Geography. 2. Understand the concept and classification of resource as well as major mineral resources. 3. Identify the major crops and their production and distribution. 4. Understand the fundamental theories in economic geography. 5. Understand the types, characteristics different modes of transportation at national and international level. 6. Understand various international block and role of international trade in economic development. 7. Understand the conservation and management of resources as well as sustainable development. 		
Content of the Course			
Unit	Topic		
1.	Meaning, scope and concept of economic geography; Resource: Meaning and classification		
2.	Mineral resources: iron ore and bauxite, Power resources: coal, petroleum and hydro electricity; Resource conservation. Principal Crops: Wheat, Rice, Sugarcane, Tea, Coffee, Cotton.		
3.	Agricultural regions of the world (D. Whittlesey); Theory of agricultural location (Von Thunen); Theory of industrial location (Weber).		
4.	International trade: patterns and trends; Major trade blocks: SAARC, BRICKS, OPEC, LAFTA, EEC, ASEAN; Effect of globalization on developing countries		
5.	Meaning, scope and concept of economic geography; Resource: <i>Meaning and classification</i>		
Learning Resources: Text Books, Reference Books, Other Resources			
Suggested readings			
<ol style="list-style-type: none"> 1. Alexander, J. W. (1988): Economic Geography. Prentice-Hall, New Delhi,. 2. Bryson, J., Henry, N., Keeble, D. and Martin, R. (eds.) (1999): The Economic Geography Reader: Producing and Consuming Global Capitalism. John Wiley and Sons, Inc, New York. 3. Clark, G. L., Gertler, M. S. and Feldman, M. P. (eds.) (2000): The Oxford Handbook of Economic Geography. Oxford University Press, USA. 4. Coe, N. (2007): Economic Geography: A Contemporary Introduction. Blackwell Publishers; Inc., Massachusetts. 5. Gautam, A. (2006): <i>Aarthik Bhugol Ke Mool Tattava</i>, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad. 6. Guha, J. S. and Chatteraj, P.R. (2002): A New Approach to Economic Geography: A Study of Resources. The World Press Private Limited, Kolkata. 7. Hanink, D. M. (1997): Principles and Applications of Economic Geography: Economy, Policy, Environment. John Wiley and Sons, Inc, New York. 8. Hartshorne, T. A. and Alexander, J. W. (1988): Economic Geography (3rd revised edition) Englewood Cliff, New Jersey, Prentice Hall Hudson, R. (2005): Economic Geographies: Circuits, Flows and Spaces. Sage Publications,			
Suggested equivalent online course: 1. epgp.inflibnet.ac.in 2. virtual lectures available on YouTube			

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature
(Dr. Sheela Shinde)

Program: B.A./B.Sc.		Class: II Year.		Session : 2023-24	
Paper II : Regional Geography of India (UGeo-0202)					
Course Learning Outcome (CLO)		After the completion of course, the students will have ability to:			
		1. Understand the about the physiographic division of India and Drainage system of India. 2. Understand the seasonal variation of climate and monsoon of India. 3. Understand the various biotic, conventional and non conventional resources and their distribution in India. 4. Understand the growth, density and distribution of Indian population. 5. Identify the major crops, production and distribution, agriculture region of India 6. Understand the impact of green revolution on Indian agriculture. 7. Understand the industrial production and development in India.			
Content of the Course					
Unit		Topic			
1.		Physical Features: Structure, Relief, Drainage, Climate and Monsoon.			
2.		Natural Resources: Soils - types, their distribution and characteristics. Water Resources (major irrigation and hydro- power projects); Forests: types and distribution.			
3.		Mineral and Power resources: Iron-ore, Bauxite, Coal, Petroleum and Natural gas, Atomic energy and Non conventional sources of energy.			
4.		Cultural Features: Population - Growth, Density and Distribution. Agriculture - Major Cereals: Paddy, Wheat. Major Cash crops: Tea, Coffee, Sugarcane.. Impact of Green Revolution, Agro-climatic region.			
5.		Industries Localization, Development & Production - Iron and steel, Cotton Textile, Cement, Sugar. Transport, Industrial Region.			
Learning Resources: Text Books, Reference Books, Other Resources					
Books Recommended:					
1. Chauhan, P.R. and Prasad, M. (2003): <i>Bharat Ka Vrihad Bhugol</i> , Vasundhara Prakashan, Gorakhpur. 2. Farmer, B.H. (1983): <i>An Introduction to South Asia</i> . Methuen, London 3. Gautam, A. (2006): <i>Advanced Geography of India</i> , Sharda Pustak Bhawan, Allahabad 4. Johnson, B.L.C. (1963): <i>Development in South Asia</i> . Penguin Books, Harmondsworth 5. Krishnan, M.S. (1982): <i>Geology of India and Burma</i> , CAS Publishers and Distributors, Delhi. 6. Khullar, D.R. (2007): <i>India: A Comprehensive Geography</i> , Kalyani Publishers, New Delhi 7. Nag, P. and Gupta, S. S. (1992): <i>Geography of India</i> , Concept Publishing Company, New Delhi. 8. Rao, B.P. (2007): <i>Bharat ke Bhaugolik Sameeksha</i> , Vasundhara Prakashan, Gorakhpur. 9. Singh , J. (2003): <i>India: A Comprehensive Systematic Geography</i> . Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur 10. Singh, J. (2001): <i>Bharat: Bhaugolik Aadhar Avam Ayam</i> , Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur. 11. Singh, R.L. (ed.) (1971): <i>India: A Regional Geography</i> . National Geographical Society of India, Varanasi. 12. Spate, O.H. K., Learmonth A. T. A. and Farmer, B. H. (1996): <i>India, Pakistan and Sri Lanka</i> . Methuen, London, 7 th edition. 13. Sukhwai, B.L. (1987): <i>India: Economic Resource Base and Contemporary Political Patterns</i> . Sterling Publication, New Delhi 14. Tiwari, R.C. (2007): <i>Geography of India</i> , Prayag Pustak Bhawan, Allahabad.					
Suggested equivalent online course: 1. epgp.inflibnet.ac.in					
2. virtual lectures available on YouTube					

Real Sure Joshi

[Signature]

[Signature]
(D. S. Chakrabarti)

Program: B.A./B.Sc.		Class: II Year.	Session : 2023-24
Paper-III Practical Geography (UGeo-0203)			
Course Learning Outcome (CLO)	After the completion of course, the students will have ability to: <ol style="list-style-type: none"> 1. Understand the map design and map layout through various Cartographic symbols and techniques. 2. Understand the Meaning, concept, classification and importance of map projections. 3. To get a knowledge of Weather Maps and the use of Meteorological instrument. 4. To get knowledge about Prismatic Compass Survey and Whole Circle Bearing and Reduced Bearing. 5. Students are understood about how to represent of geographical data with different types of cartographic technique and Statistical Methods through practical workbook. 		
Content of the Course			
Unit	Topic		
Section A: Map Interpretation, Projections And Statistical Methods			MM- 25
1.	Principle of map design, elements of maps layout, Types of cartographic symbol: point, line, area and their application. Maps: definition and their application- Dot Map, Sphere map, Choropleth Map, chorochromatic and Isopleth Map.		
2.	Map Projections: Meaning, Definition, classification and importance; Cylindrical: Equidistance, Equal area and Mercator projection.		
3.	Conical: One standard and two standard parallel, Polar Zenithal: Orthographic, Stereographic, Gnomonic Projection.		
4.	Statistical Methods: Quartile: Mean Deviation, Standard Deviation and Quartile, Deviation; Relative Variability and Co-efficient of Variation.		
Section B: Surveying			MM- 15
5.	Surveying: Prismatic Compass Survey, Whole Circle Bearing and Reduced Bearing, correction of bearing. Open traverse and close traverse.		
Section C Practical Record And Viva Voce			M.M- 10
Learning Resources: Text Books, Reference Books, Other Resources			
Suggested Readings:			
<ol style="list-style-type: none"> 1. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York 2. Monkhouse, F. J. and Wilkinson, F.J. (1985): Maps and Diagrams. Methuen, London 3. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai 4. Raisz, E. (1962): General Cartography. John Wiley and Sons, New York. 5th edition. 5. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata. 6. Singh, R.L. and Singh, Rana P.B. (1993): Elements of Practical Geography. (Singh, L.R. (2006): Fundamentals of Practical Geography, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad. 7. Venkatramaiah, C. (1997): A Text Book of Surveying, Universities Press, Hyderabad. 8. षर्मा, जे.पी. (2001) : प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी पब्लिकेशन, मेदूर 9. मिश्रा, आर.एन.एवं पी.के.षर्मा (2019) : प्रायोगिक भूगोल, रावत पब्लिकेशन, जयपुर 10. तिवारी, आर.सी.एवं सुधाकर त्रिपाठी (2009) : अभिनव प्रायोगात्मक भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन 11. मॉक हाऊस तथा विल्किन्सन (अनुवाद प्रो. प्रेमचन्द्र अग्रवाल) : मानचित्र तथा आरेख, मध्यप्रदेश हिंदी इलाहाबाद ग्रंथ अकादमी भोपाल 			
Suggested equivalent online course: 1. epgp.inflibnet.ac.in 2. virtual lectures available on you tube			

Head
Sur
Sharma

Sur

Sur
(Ar. Sheela Sharma)

पुनः संशोधित पाठ्यक्रम
Re-Reviews Syllabus

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व
Ancient India History, Culture and Archaeology

बी.ए. प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय वर्ष
B.A. Part I, II & III Year

A. K. Parasai
22/2/2023
(डॉ. ए.के.परसाई)
अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मंडल

A. Khilash
22.2.23
(डॉ. अखिलेश पाण्डेय)
सदस्य

M. J. Jain
(डॉ. मोना जैन)
सदस्य

M. G. Jha
22/2/23
(डॉ. मंगलानंद झा)
सदस्य

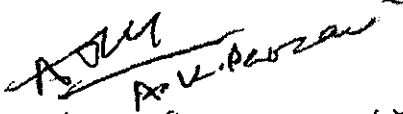
बैठक का कार्य विवरण

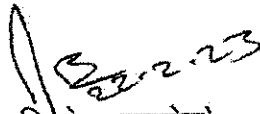
दिनांक 22.02.2023 को प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विषय केन्द्रीय अध्ययन मंडल का बैठक सम्पन्न हुआ।


बैठक में निम्नानुसार सदस्य उपस्थित थे—


1. डॉ. ए.के.परसाई, अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मंडल एवं विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग, शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर
2. डॉ. अखिलेश पाण्डेय, प्राचीन भारतीय इतिहास, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर
3. डॉ. मंगलानंद झा, भारतीय इतिहास, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
4. डॉ. मोना जैन, प्राचीन भारतीय इतिहास, शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर

विवरण, बैठक में सर्व सम्मति से राज्य शासन द्वारा प्रेषित त्रिवर्षीय एवं चतुर्थ वर्षीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम का पुनः संशोधन किया गया तथा पाठ्यक्रमों की हार्ड एवं साफ्टकापी में प्रेषित किया जा रहा है।


(डॉ. ए.के.परसाई)
अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मंडल


(डॉ. अखिलेश पाण्डेय)
सदस्य


(डॉ. मोना जैन)
सदस्य


(डॉ. मंगलानंद झा)

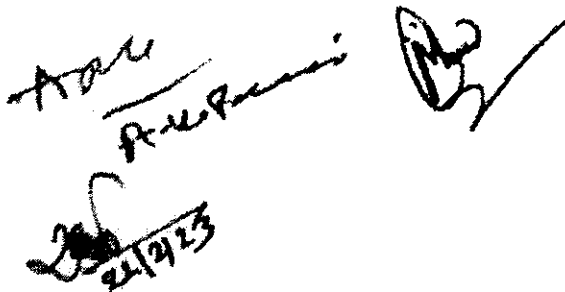
सदस्य

CENTRAL BOARD OF STUDY
ANCIENT INDIA HISTORY, CULTURE AND ARCHAEOLOGY
 New Curriculum
 (Re- Revised)

FOUR YEAR PROGRAMME BACHELOR OF ARTS

Year	Course Code	Course Title	Awards
BA	AIH-101 Mojar Core Course	History of Archaeology (5 Units)	Under Graduate
	AIH-102 Mojar Core Course	History of India (Starting to 2 nd Century B.C.) (5 Units)	certificate in Faculty + certificate
B.A. II	AIH-103 Mojar Core Course	Political History of India (From 319 A.D. to 1300 A.D.) (5 Units)	Under Graduate Diploma in Faculty + Certificate
	AIH-104 Mojar Core Course	Ancient Indian Society and Religion (5 Units)	
B.A. III	AIH-105 Mojar Core Course	Elements of Ancient Indian Architecture & Art (5 Units)	Under Graduate Degree Bachelor in Faculty + Certificate
	AIH-106 Mojar Core Course	Elements of Paleography & Numismatics (5 Units)	
	Practical Viva-voce/Tour Report		

Note Hindi and English Language were Foundation Course and it is Compulsory.


 21/9/23

सशोधित पाठ्यक्रम

Reviews Syllabus

विषय : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व
Ancient India History, Culture and Archaeology

	कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष Class : B.A. Second Year		
1	कोर्स कोड	AIH-103	
2	कोर्स शीर्षक Course Title	भारत का राजनीतिक इतिहास (319 ई.से 1300 ई. सन तक) Political History of India (From 319 A.D. to 1300 A.D.)	
3	कोर्स का प्रकार Course Type	सैद्धांतिक - प्रथम पेपर Theory Paper First	
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियां CLO	After studying this subject/paper the student will:- Learn about various periods of political history of ancient India form the Golden age to Rajput period. Learn about the Cultural and Administrative trends of various phases of time इस विषय का अध्ययन पूरा करने के बाद छात्र छात्राय इस स्थिति में होंगे कि 1. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्वर्णिम युग से राजपूत काल तक के विभिन्न कालखण्डों से परिचित होंगे। प्राचीन भारत के विभिन्न चरणों के सांस्कृतिक तथा प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में जाने पाएंगे।	
5	कुल अंक Total Marks	अधिकतम अंक - 75 Maximum marks 75	

[Handwritten signatures and dates]
22/2/23

भाग ब : पाठ्यक्रम का प्रारूप

ईकाई	विषय वस्तु
1	(1) गुप्तों की उत्पत्ति एवं प्रारंभिक इतिहास (Rise of Guptas and their early History) (2) चन्द्रगुप्त प्रथम, रामगुप्त, समुद्रगुप्त (Chandragupta – I, Ramagupta, Samudragupta) (3) कुमारगुप्त प्रथम, स्कन्दगुप्त (Kumargupta – I, Skandgupta) (4) वाकाटक राजवंश, गुप्त-वाकाटक सम्बन्ध (Vakataka Dynasty, Gupta Vakataka relation)
2	1) परवर्ती गुप्त राजवंश (Later Gupta Rulers) (2) मौखरी (Maukharis) (3) वर्धन राजवंश और हर्ष का प्रशासन (Vardhana Dynasty and Administration of Harsha)
3	(1) बादामी के चालुक्य (Chalukyas of Badami) (2) कांची के पल्लव (Pallavas of Kanchi) (3) चोल तथा उनका प्रशासन (Cholas and their administration)
4	(1) गुर्जर प्रतिहार (Gurjara Pratihara) (2) राष्ट्रकूट (Rashtrakutas) (3) पाल (Palas) (4) गाहड़वाल (Gahadwalas)
5	(1) नल वंश (Nala dynasty) (2) शरभपुरीय वंश (Sharabhpuriya dynasty) (3) पाण्डु वंश (कोसल तथा मैकल) Pandu dynasty (Kosal and Mekal) (4) रतनपुर के कलचुरि (Kalachuri of Ratanpur)

संदर्भ ग्रंथ सूची References books –

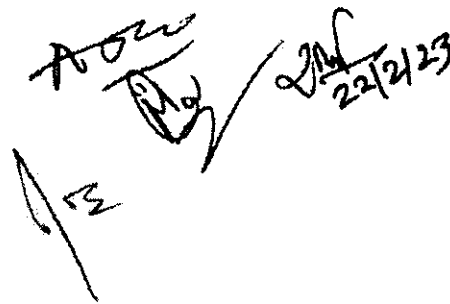
- Ray, H. C. –Dynastic History of North India. Vol.-2
Chaudhry, H.C. R. –Political History of Ancient India
Pandey ,V.C.—Pracin bharat ka Itihaas.
Gopalachari,R.S.—History of Pallavas of Kanchi.
Goyal, Shriram,—Gupta kaaleen bharat.
Upadhyaya vasudev-- Gupta Rajvans ka itihaas.

Handwritten signature and date: 22/2/23

सशोधित पाठ्यक्रम
Reviews Syllabus

विषय : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व
Ancient India History, Culture and Archaeology

	कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष Class : B.A. Second Year		
1	कोर्स कोड	AIH-104	
2	कोर्स शीर्षक Course Title	प्राचीन भारतीय समाज एवं धर्म Ancient Indian Society and Religion	
3	कोर्स का प्रकार Course Type	सैद्धांतिक – द्वितीय पेपर Theory Paper Second	
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां CLO	Learning Outcome (Subject Outcome): After studying this subject/paper the student will:- Learn about various facts of society and its structure, milestones in ancient Indian religious life and education. Learn about the fundamental concepts of religious faiths in Ancient India like Vedic, Jainism and Buddhism. इस विषय का अध्ययन पूरा करने के बाद छात्र छात्रा इस स्थिति में होंगे कि : प्राचीन भारतीय इतिहास के समाज तथा सामाजिक संरचना, सामाजिक-धार्मिक जीवन तथा शिक्षा व्यवस्था के बारे में जान पाएंगे प्राचीन भारत के विभिन्न धार्मिक आस्था जैसे वैदिक, जैन तथा बौद्ध धर्म की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित होंगे।	
5	कुल अंक Total Marks	अधिकतम अंक – 75 Maximum marks 75	


22/2/23

ईकाई	विषय वस्तु
1	(1) वर्ण व्यवस्था Ahromaticity (2) आश्रम व्यवस्था Ashram system (3) पुरुषार्थ चतुष्टय Pursharth Chatushtay (4) संस्कार Sanskara
2	(1) परिवार की उत्पत्ति व महत्व Origin and importance of family (2) विवाह तथा उसके प्रकार Marriage and its types (3) नारियों की स्थिति Position of Women
3	(1) शिक्षा : उद्देश्य तथा प्रमुख शिक्षा केन्द्र, तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला Education: Purpose and Major Education Center, Taxila, Nalanda, Vikramshila
4	(1) वैदिक, शैव, वैष्णव व शाक्त Vedic, Shaiv, Vishnav and Shakt
5	(1) जैन धर्म Jain Dharma (2) बौद्ध धर्म Bauddh Dharma

संदर्भ ग्रंथ सूची References books —

Books Recommended:-

1. Altekar, A. S. —Education in Ancient India, Position of Women in Ancient India.
2. Kane, P.V. —History of Dharmashastra. Vol-2,3
3. Majumdar, R.C.—Corporate Life of Ancient India.
4. Sarkar, D.C.—Study in the social and Economic History. Prabhu
5. P.N.—Hindu Social organization
6. Pandey R.V.—Hindu Sanskar.
7. Parhar, Dinesh Nandini—Chhattisgarh ka samajik arthik Itihaas.
8. डॉ. गोविन्द चन्द्र पाण्डेय — बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास
9. आर.सी. भण्डारकर — वैष्णव शैव एवं अन्य धार्मिक मत भागवत सम्प्रदाय
10. यदुवंशी — शैवमत
11. सुस्मिता पाण्डेय — समाज आर्थिक व्यवस्था एवं धर्म
12. बलदेव उपाध्याय — भारतीय दर्शन
13. डॉ. उमेश मिश्रा — भारतीय दर्शन

[Handwritten signatures and dates]
22/2/23

Ministry of Higher Education Department .

Chhattisgarh Government .

Central Board of Studies for Political Science

Venue : SOS Geography Pt.RSU Raipur.

Date : 23 February 2023

Minutes of Board of Studies of Political Science

The Meeting of Board of Studies of Department of Political Science was held

to prepare the syllabus of Under Graduation courses, as per order of Higher Education Department and was held on dated 23 February at SOS Geography Pt.RSU raipur. Some members participated through virtual meeting .

The following members have attended the Meeting.

Name Signature

Dr.S.S Diwan president Central Board of studies political science Government Degree College pithora Chhattisgarh .

Dr Shakil Hussain head of the department political science government VYT PG autonomous college Durg Chhattisgarh .

Head of the department political science government PG College Vaishali Nagar Durg Chhattisgarh.

B D Jangre. Head of the department of political science, Government Girls College, Takhatpur, Chhattisgarh .

Dr. H L verma Head of the department Government Degree College birgaon Chhattisgarh .

Dr Sheel Bhadra Kumar, head of the department of political science, Government PG College mahasamund .

Dr Anjali Kashyap head of the department political science Government PG College Bemetara Chhattisgarh.

diu
02/06/2023

diu

Abeda Begum, head of the department . Govt . Kamla devi rathi Girls PG College
Rajnandgaon

Head Board of Studies political science hemchand Yadav University.

Head Board of Studies political science Atal Bihari Vajpayee University Bilaspur
Chhattisgarh .

Head Board of Studies political science Shahid Mahendra Karma University
Jagdalpur Chhattisgarh .

Head Board of Studies political science Sant gahira Guru University Ambikapur
Surguja.

Chhattisgarh head of the department political science government EV PG College
Korba Chhattisgarh.

Head department political science Government Girls PG College Ambikapur.
Chhattisgarh.

Head of the department political science Government Girls College Jagdalpur
Chhattisgarh .

Head of the department of political science PG College Surajpur Chhattisgarh.

Professor Anupam Sharma head of the department political science Indira Gandhi
tribal University Amarkantak Madhya Pradesh.

Dr. Kamlesh Dube political science Government PG College ramanujganj.

Mrs Anamika Jha assistant professor political science government Kakatiya PG
College Jagdalpur Chhattisgarh.

Dr D S Jagat joint director Higher Education Department new Raipur Chhattisgarh.

Business transacted :

1. Members of the Central Board of Studies for Political Science prepared the
Syllabus of B.A. The Political Science program consists of three year annual
undergraduate program which includes.

B.A - Bachelor of arts

Syllabus is as per the notifications 969/academic/2023/ dated 11/1/23 and
971/academic/2023/ dated 11/1/23 / of the university.

2. **first year students** shall have

- Paper 1st :- Political theory राजनीतिक सिद्धान्त
- Paper 2nd - Indian government and politics भारतीय शासन एवं राजनीति

dull

Signature

3- second year students shall have

- Paper 1st :- Political thought राजनीतिक चिन्तन
- Paper 2nd - Comparative government and politics भारतीय शासन एवं राजनीति
कक्षात्मक

4- Third year students shall have

- Paper 1st :- International Politics and foreign policy of India अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत की विदेश नीति
- Paper 2nd - Public Administration लोक प्रशासन

बी. ए. प्रथम, प्रश्न पत्र प्रथम B. A. First Paper 1st पूर्णांक 75

राजनीतिक सिद्धान्त Political Theory
COURSE OUTCOMES

Theory is the starting point of any social sciences that is why political theory is almost universal in BA part one syllabus of political science. Therefore it is pertinent to make students acquainted with proposed course to the students with fundamental theories of political science. Basic Knowledge of important concepts such as Liberty, Justice, Citizenship, Representation, rule of law . Role of political theory to understand political science and political life as well.

COURSE SPECIFIC OUTCOMES	
	After completion of the course, the student shall have a fair idea about
CSO 1	The meaning of nature and scope and scientific instinct of political science .
CSO 2	The state as a core concept of political science . Its evolution theories and relation with individuals .
CSO 3	The role of liberty and the question of equality in democracy . Evolution of democracy and its theories .
CSO 4	The concept of constitution, separation of powers and theory of representation.
CSO 5	The functional machinery of electoral democracy like political party system and pressure groups. Role of State as welfare agency , and as an agency of social change .

Handwritten signature

Handwritten signature

20. Paul R. Brass (1990) Politics of India Since Independence, Cambridge University Press, Cambridge.
21. Atul Kohli (1990) Democracy and Discontent: India's Growing Crisis of Governability, Cambridge University Press, Cambridge.
22. Achin Vinayak (1990) Painful Transition: Bourgeois Democracy in India, Verso Books, London, New York.
23. Christophe Jaffrelot (2010) Religion, Caste and Politics in India, Primus Books, Delhi.
24. Pratima Asthana (1974) Women's Movement in India, Vikas Publishing House, Delhi.
25. Neera Desai (ed.), (1977) Women in India, Vora Publishers, Bombay.
26. Ghanshyam Shah (1990) Social Movements in India: A Review of Literature, Sage Publications, New Delhi.
27. D.N.Dhanagare (1983) Peasant Movement in India 1920-50, Oxford University Press, New Delhi.
28. Vipin Chandra (1992) Communalism in Modern India, Vikas Publishing House, New Delhi.
29. Lloyd I. Rudolph and Susanne Hoeber Rudolph (1987) In Pursuit of Lakshmi: Political Economy of the Indian States, Orient Longman, Bombay.
30. Zoya Hassan (2004) Parties and Party Politics in India: Themes in Politics, Oxford University Press, New Delhi.
31. Rekha Diwakar (2018) Party System in India (Oxford India Short Introduction Series), Oxford University Press, New Delhi.
32. Madhav Khosla (1981) The Indian Constitution, Oxford University Press, New Delhi.
- Note: Student may consult online Research Articles from JS
- 33- आर.सी अग्रवाल (1985) : राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास , एस चन्द एण्ड कम्पनी , नई दिल्ली ।
- 34- डीडी बसु भारत (1986) : भारतीय संविधान एक परिचय, प्रेन्टिस हल, नई दिल्ली ।
- 35- एम सत्य राय (1983) : भारत में राष्ट्रवाद, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय।
- 36- सुभाष कश्यप (1996) : हमारा संविधान, नेशनल बुक ट्रस्ट नई दिल्ली
- 37- शकील हुसैन (2021) भारतीय संविधान एक परिचय, शिक्षादूत प्रकाशन नई दिल्ली ।
- 38- राकेश ईदगवें (2018) : भारतीयशासन और राजनीति - छ.ग. राज्य हिन्दी ग्रन्थ अकादमी . रायपुर ।

B.A. SECOND PAPER 1st बी. ए. द्वितीय प्रश्न पत्र प्रथम

Political Thought राजनीतिक चिन्तन पूंठाङ्क-75

COURSE OUTCOMES

duul

Prady

Political philosophy is the base of political science . All concepts, discourse and ideologies come from the classics of political masters from Socrates to Marx and recent times . Therefore the purpose of this course is to acquaint the students with the political philosophers and their political thoughts.

COURSE SPECIFIC OUTCOMES

After completion of the course, the student shall have a fair idea about

CSO 1	The ancient political philosophy given by founding fathers of political thought the great Plato and Aristotle
CSO 2	The Emergence of nation state and sovereignty in the philosophy of machiavelli and hobbes . Emergence of individualism and liberalism in Hobbes and John Lock's philosophy . General will and Social contract theory of Rousseau
CSO 3	The emergence of utilitarianism , Idealism and Individualism Through their respective philosophers . Negative and positive liberty of Mill and Green ,idealism of Green.
CSO 4	The different ideologies of political philosophy in detail
CSO 5	The political philosophy of ancient India and modern Indian thinkers .

इकाई 1

सुकरात - सद्गुण ही ज्ञान है । प्लेटो आदर्श राज्य न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, दार्शनिक शासक।
अरस्तू परिवार एवं संपत्ति राज्य, दासप्रथा नागरिकता क्रान्ति ।

Unit 1:

Socrates - virtue is knowledge Plato: Ideal State : Justice, Education, Communism, and Philosopher King.

Aristotle: State, Family , property. Slavery, Citizenship, and Revolution.

इकाई 2

मैकियावेली युग शिशु के रूप में । धर्म व नैतिकता, राजा के कर्तव्य और आचरण ।
थामस हॉब्स : सामाजिक समझौता सिद्धान्त , सम्प्रभुता तथा हॉब्स का व्यक्तिवाद ।
जान लॉक : लॉक उदारवाद के जनक के रूप में, सामाजिक समझौता सिद्धान्त ।
जीन जैक्स रूसो : सामाजिक समझौता सिद्धान्त, सामान्य इच्छा ।
जीन बोदां : सम्प्रभुता सिद्धान्त ।

Unit 2:

duu

SeBing

Machiavelli : as Child of his times, religion and morality , the duties and conduct of the king.

Thomas Hobbes: Sovereignty, Theory of Social Contract sovereignty, and Hobbes's Individualism. . John Locke:- Locke as the father of liberalism, theory of social contract.

Jean-Jacques Rousseau: Theory of Social Contract. and General Will.

Jean Bodin: The Theory of Sovereignty

इकाई 3:

जेरेमी बेंथम : उपयोगितावाद । जान स्टुअर्ट मिल उपयोगितावाद में संशोधन, स्वतंत्रता और प्रतिनिधि शासन ।

टी एच. ग्रीन : राज्य सम्बन्धी विचार ।

कार्ल मार्क्स : राजनीतिक चिन्तन । एण्टोनियो ग्राम्शी, - प्रभुत्व , बुद्धिजीवियों की भूमिका ।

हन्नाह अरेण्ट - सर्वाधिकारवाद , बहुलवाद एवं नागरिक असहयोग ।

Unit 3:

Jeremy Bentham : Utilitarianism. J.S.Mill: Amendment in Utilitarianism, Liberty and Representative Government.

T.H.Green: idea of State.

Karl Marx: Political thought.

Antonio Gramsci- Hegemony, role of intellectuals.

Hannah arendt- Totalitarianism, Plurality and civil disobedience .

इकाई 4:

आदर्शवाद, व्यक्तिवाद, उदारवाद, समाजवाद, फासीवाद विशेषताएं और आलोचना ।

Unit 4:

Idealism, Individualism, Liberalism, Socialism, Fascism: Features and Criticism.

इकाई 5:

मनु और कौटिल्य : सप्तांग सिद्धान्त, राजा और राजपद, प्रशासकीय व्यवस्था, राज्यमण्डल ।

गांधी सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह एवं राजनीतिक विचार । अम्बेडकर राजनीतिक एवं सामाजिक विचार । दीनदयाल उपाध्याय एकात्ममानववाद ।

श्री अरविन्दो- राजनीतिक एवं आध्यात्मिक स्वतंत्रता ।

मानवेन्द्र नाथ राय - नव मानववाद एवं अंतर्राष्ट्रीयतावाद ।

Unit 5:

Manu and Kautilya: Saptanga Theory, King and Kingship, Administrative System, Rajyamandal.

02/06/2023

Gandhi: Truth, Non violence, Satyagrah and Political thoughts.
Ambedkar : Political and Social thoughts.
Deen Dayal Upadhyay: Ekatma Manav Vad.
Shri Aurobindo- Political and spiritual freedom.
M.N. Roy- New humanism and internationalism.

Suggested readings

1. Shefali Jha, Western Political Thought: from Plato to Marx, Pearson, Delhi, 2010
2. M.P. Singh and Himanshu Roy (eds), Indian Political Thought: Themes and Thinkers, Pearson, Delhi, 2011
3. J. W. Allen, A History of Political Thought in the Sixteenth Century, London, Methuen, 1967.
4. Ashcraft, Allen and Unwin, 1986. Revolutionary Politics and Locke's Two Treatises of Government, London,
5. Avineri, The Social and Political Thought of K. Marx, S. Chand and Co. New Delhi, 1979.
6. Sir E. Barker, The Political Thought of Plato and Aristotle, Dover Publications, New York, 1959.
7. R. N. Berki, The History of Political Thought: A Short Introduction, Dent, London, 1977.
8. Sir I. Berlin, The Hedgehog and the Fox, Weidenfeld and Nicolson, London, 1953.
9. W. H. Bluhm, Theories of Political System: Classics of Political Thought and Modern Political Analysis, Englewood Cliffs NJ, Prentice Hall, 1965.
10. J. Bowle, Western Political Thought: A Historical Introduction from the Origins to Rousseau, Jonathan Cape, London, 1947.
11. Brinton, English Political Thought in the Nineteenth Century, Allen Lane, London, 1933.
12. J. Bronowski and B. Mazlish, Western Intellectual Tradition, Hammondsport, Penguins, 1960.
13. G. H. Sabine, History of Political Theory, 4th edition, revised by T.L. Thorson, New Delhi, Oxford and IBH, 1973.
14. Saxon House, Women in the History of Political Thought: Ancient Greece to Machiavelli, Praegar, New York, 1985.
15. M. L. Shanley, and C. Pateman, Feminist Interpretation and Political Theory, Polity, Cambridge, 1991.
16. M. Q. Sibley, Political Ideas and Ideologies, Surjeet Publications, New Delhi, 1981.
17. T. A. Sinclair, A History of Greek Political Thought, Routledge, London, 1951.
18. Q. Skinner, The Foundations of Modern Political Thought, 2 Volumes, Cambridge University Press, Cambridge, 1990.
19. S. B. Smith, Hegel's Critique of Liberalism, University of Chicago Press, Chicago, 1989.
20. Sir L. Stephen, History of English Thought in the 18th Century, 2 Vols., London School of Economics and Political Science, London, 1902.
21. L. Strauss, The Political Philosophy of Hobbes: Its Basis and Genesis, The Clarendon Press, Oxford, 1936.
22. J. L. Talmon, The Origins of Totalitarian Democracy and Political Messianism: The Romantic Phase, Secker and Warburg, London, 1960.
23. T. L. Thorson, Plato: Totalitarian or Democrat, Prentice Hall, Englewood Cliffs NJ, 1963.

Handwritten signature

Handwritten signature

24. J. Tully, A Discourse on Property: John Locke and his Adversaries, Cambridge University Press, Cambridge, 1980.
25. E. Vaughan, Studies in the History of Political Philosophy before and after Rousseau, University of Manchester Press, Manchester UK, 1925.
26. H. Warrender, The Political Philosophy of Hobbes: His Theory of Obligation, The Clarendon Press, Oxford, 1957.
27. J. G. A Pocock, The Machiavellian Moment: Florentine Republican Thought and the Atlantic Republican Tradition, Princeton University Press, Princeton NJ, 1971.
- जार्ज एच सैबाइन (1987) राजनीतिक दर्शन का इतिहास एस चन्द एंड कंपनी नई दिल्ली
हरिदत्त विद्यालंकार (1986) आधुनिक राजनीतिक चिंतन रंजन प्रकाशन गृह नई दिल्ली ।
जेपी सूद : (1987) आधुनिक राजनीतिक विचारों का इतिहास खंड 1,2,3,4. के. नाथ एंड कंपनी मेरठ।
वी ए इनिंग (1978) : राजनीतिक सिद्धांत का इतिहास, सेंट्रल बुक डिपो इलाहाबाद उत्तर प्रदेश ।
4- वी. पी. वर्मा (1978) आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन - लक्ष्मीनारायण अग्रवाल एंड कंपनी आगरा उत्तर प्रदेश ।

B.A. SECOND PAPER 2nd बी. ए. द्वितीय प्रश्न पत्र द्वितीय

**तुलनात्मक शासन एवं राजनीति Comparative Government and
Politics पूणा-75**

COURSE OUTCOMES

This course make focus on

- 1- Emergence of scientific and empirical study in the late 19th and early 20th century in political science .
- 2- Contribution of David Easton and Almond for developing new approaches and theories like system approach .
- 3- Different types of governance and their comparative study . USA as the presidential form of government, the UK as the parliamentary form, Switzerland as the plural form and China as the totalitarian form of government.

COURSE SPECIFIC OUTCOMES

After completion of the course, the student shall have a fair idea about

CSO 1	The basic knowledge of scientific and interdisciplinary study advocated by David Easton and his colleagues. Behavioural revolution and system approach.
----------	---

duu

Signature

CSO 2	The basic theories and concepts of comparative politics
CSO 3	The comparative study of Legislature of USA Britain Switzerland and China
CSO 4	The comparative study of Executive of the USA Britain Switzerland and China
CSO 5	The comparative study of judiciary of USA Britain Switzerland and China

इकाई 1

तुलनात्मक राजनीति: अर्थ, परिभाषा प्रमुख अध्ययन पद्धतियां, राजनीतिक अर्थशास्त्रीय एवं राजनीतिक समाज शास्त्रीय दृष्टिकोण। व्यवस्था सिद्धान्त और डेविड ईस्टन का आगत- निर्गत सिद्धान्त, आमण्ड का संरचनात्मक-कार्यात्मक सिद्धान्त। राजनीतिक विकास, राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक आधुनिकीकरण राजनीतिक संस्कृति की अवधारणा।

Unit 1

Comparative Politics: Meaning, Definition Major Study Methods, Political Economics and Political Sociological Approaches. System theory and David Easton's input-output theory, Almond's structural-functional theory. Political development, political socialization, political modernization Concept of political culture.

इकाई 2 :

संविधानवाद -अवधारणा, तत्व, विशेषताएं, संविधानवाद का पश्चिमी या उदारवादी, मार्क्सवादी सिद्धान्त, समस्याएं और सीमाएं। राजनीतिक अभिजन, राजनीतिक संचार, राजनीतिक सहभागिता, सह अस्तित्व और बहुसंस्कृतिवाद।

Unit 2

Constitutionalism - Concept, Elements, Characteristics, Western or liberal Marxist theory of constitutionalism, problems and limitations. Political elite, political communication, political participation, coexistence and multiculturalism. .

इकाई 3

तुलनात्मक अध्ययन : व्यवस्थापिका - ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका स्विट्जरलैंड एवं चीन की व्यवस्थापिका एवं दल प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन।

Unit 3

duul

DeBuy'

Comparative Study: Legislature - Comparative study of the legislature and party system of Britain, USA, Switzerland and China.

इकाई 4

तुलनात्मक अध्ययन : कार्यपालिका- ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका स्विट्जरलैंड एवं चीन की कार्यपालिका एवं नौकरशाही का तुलनात्मक अध्ययन ।

Unit 4

Comparative study: Executive - Comparative study of executive and bureaucracy of Britain, USA, Switzerland and China.

इकाई 5

तुलनात्मक अध्ययन : न्यायपालिका - ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका स्विट्जरलैंड एवं चीन की न्यायपालिका ।

संयुक्त राज्य अमेरिका में शक्ति पृथक्करण एवं शक्ति संतुलन का सिद्धांत ।

ब्रिटेन के संविधान में अभिसमयों की भूमिका ।

स्विट्जरलैंड में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र और कैंटन प्रणाली । चीन की राजनीति में सेना और साम्यवादी दल की भूमिका ।

Unit 5

Comparative Study: Judiciary - Judiciary of Britain, USA, Switzerland and China.

Theory of Separation of Power and Balance of Power in the United States of America.

The role of conventions in the British Constitution.

Direct democracy and canton system in Switzerland. Role of the military and communist party in Chinese politics.

Suggested readings .

1. S.N. Ray, Modern Comparative Politics, PHI Learning Pvt. Ltd., Delhi, 2009
2. G.A. Almond and J.S. Coleman, The Politics of the Developing Areas, Princeton NJ, Princeton University Press, 1960.
3. G.A. Almond, and S. Verba, The Civic Culture: Political Attitudes and Democracy in Five Nations, Princeton NJ, Princeton University Press, 1963.
4. G.A. Almond, Comparative Politics Today: A World View, 7th edn., New York, London, Harper/Collins, 2000.

duu

Seey

5. D.E. Apter, The Politics of Modernization, Chicago, University of Chicago Press, 1965.
6. L.J.Cantori and A.H. Zeigler (ed.), Comparative Politics in the Post-Behaviorist Era, London, Lynne Rienner Publisher, 1988.
7. O. Dunleavy and B.O' Leary, Theories of Liberal Democratic State, London, Macmillan, 1987.
8. R. Hauge and M. Harrop, Comparative Government and Politics. An Introduction, 5th edn., New York, Palgrave, 2001.
9. H. Finer, Theory and Practice of Modern Government, Methuen, London, 1969.
10. J.C. Johari, Comparative Political Theory: New Dimensions, Basic Concepts and Major Trends, Sterling, New Delhi, 1987.
11. R.C. Macridis, The Study of Comparative Government, Doubleday, New York, 1955
12. R.C. Macridis and R.E. Ward, Modern Political Systems: Europe, and Asia, 2nd edn. Englewood Cliffs NJ, Prentice Hall, 1968.
13. J. Manor (ed.), Rethinking Third World Politics, Longman, London, 1991.
14. R.C. Macridis, Modern European Governments: Cases in Comparative Policy - Making, Englewood Cliffs NJ, Prentice Hall, 1968.
15. L.W. Pye (ed.), Communication and Political Development, Princeton University Press, Princeton NJ, 1963.
16. R.I. Rotberg (ed.), Politics and Political Change: A Journal of Interdisciplinary History A Reader, MIT Press, Massachusetts, 2001.
17. H.J. Wiarda (ed.), New Developments in Comparative Politics, West view Press, Boulder Colorado, 1986.
18. Daniel Caramani, Comparative Politics, Oxford University Press, Oxford, 2008
- 19- जेसी जोहरी (1986) : तुलनात्मक राजनीति , स्टर्लिंग प्रकाशन नई दिल्ली
- 20 - सी बी गेना (1996) : तुलनात्मक राजनीति, विकास प्रकाशन नई दिल्ली ।

<p>B.A. Third Paper 1st</p> <p>बी. ए. तृतीय प्रश्न पत्र प्रथम पूण्डि-75</p> <p>अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत की विदेश नीति</p> <p>International Politics and Foreign Policy of India</p> <p>COURSE OUTCOMES</p> <p>The objectives of the course are</p> <ol style="list-style-type: none"> 1- To acquaint the students with the basics of international politics . 2- To provide students the knowledge of theories of international politics 3- To provide students the knowledge of foreign policy and issues related to its execution .
<p>COURSE SPECIFIC OUTCOMES</p>

duu

Prady

प्रति,

कुलसचिव,
पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि.
रायपुर

विषय: मनोविज्ञान केंद्रीय अध्ययन मंडल की बैठक एवं पाठ्यक्रम का प्रेषण, दिनांक 26/05/2022

सन्दर्भ: आपका पत्र क्र.6340/पाठ्यक्रम/अका./2022, दिनांक 4/05/2022

महोदय,

विषयान्तर्गत वित्त लेख है कि संदर्भित पत्र अंतर्गत आपके निर्देशानुसार पाठ्यक्रम (मनोविज्ञान)
आपकी ओर प्रेषित है।


सादर धन्यवाद.

Professor
School of Studies in Psychology
Pt. Ravishanker Shukla University
RAIPUR (C.G.)

**SYLLABUS
B. A. II
PSYCHOLOGY**

Paper	Paper Title	Max. Marks	Mini. Pass Marks	Duration of Exam Time
I	Social Psychology	50	17	3Hrs
II	Psychological Assessment	50	17	3Hrs
III	Practicum	50	17	3Hrs

Paper - I: Social Psychology

Note: This Paper Consist of five units. From each unit 2 question will be asked and the examinee would be required to attempt one from each unit.

Unit – 1 Social Psychology : Nature, Goal, Scope and History of Social Psychology. **Methods of Social Psychology** : Experimental, Survey, Interview, Observation, Sociometry, Internet Research. **Approaches to the Study of Social Behaviour** : Psychoanalytic, Cognitive, Learning, Motivational and Sociocultural.

1 Credit

Unit – 2 Social Perception : Perception of self and others, Self-Concept And Self Esteem Impression Formation And Its Determinants, Impression Management. Attribution Nature and Theories **Prosocial Behaviour** : Co-Operation and Helping Behaviour. Personal, Situational and Socio-Cultural Determinants of Helping Behaviour.

1 Credit

Unit – 3 Stereotypes and Discrimination: Nature, Characteristics, functions and Causes. Social Stigma related to Covid Pandemic. Impact of social isolation on Psychological and Physical wellbeing. **Prejudice**: nature, Characteristics, types causes and methods of reducing prejudice. **Attitudes**: nature, Characteristics, change, development, functions, and measurements.

Austin

Abhinav

Abh

Abh

Abh

DP Bhullar
26/11

g

1 Credit

Unit – 4 Group Behaviour: Meaning of Group, Basic Aspects, Classification and Functions: **Group Influence:** Social Facilitation, Conformity, Peer Pressure. Cohesiveness, Compliance Obedience Group Norms. **Mass Media:** Impact Of TV and Fostering Value through IT and Mass Media. **Leadership:** Nature, Traits, Emergence, Types, Characteristics and Functions.

1/2 Credit

Unit – 5 Social Issues: Aggression: determinants, prevention and control. **Issues of Gender:** Gender Discrimination, Psychosocial Consideration. Women and Indian Society, **Social Suffering:** Child Abuse & Domestic Violence, Cyber Crime, Human trafficking, Immigration.

1/2 Credit

Books Recommended:

सिंह अरुण कुमार – समाज मनोविज्ञान की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशन.

मिश्रा, जी. जैन – समाज मनोविज्ञान के मूल आधार मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

त्रिपाठी लालबचन – समाज मनोविज्ञान की रूपरेखा, हरप्रसाद भार्गव।

Boron R.A. & Byrne Social Psychology New Delhi : Prentice second, P.F. & Backman.

C.W. (1994) – Social Psychology Magraw- Hill.

Aashu

Sharma

ASH

Isar

Bhukta
26-5-22

29.5.22

Paper - II: Psychological Assessment

Note: This Paper Consist of five units. From each unit 2 question will be asked and the examinee would be required to attempt one from each unit.

- Unit – 1 Psychological Assessment:** Historical perspectives concerning the nature. Concept and meaning of assessment. Difference between physical and psychological assessment, levels of assessment, barriers to psychological assessment. 1Credit
- Unit – 2 Psychological Test:** Concept, Characteristics, Types. Standardized and Non-Standardized, Group, Performance and Verbal, uses of Psychological Tests. Test Bias, Ethics and the Future of Psychological Testing. 1Credit
- Unit – 3 Test Construction:** Steps in test construction, Item analysis, Item writing. **Reliability:** test-retest, split-half, factors affecting reliability, **Validity :** Content and predictive, factor affecting validity. **Norm-**age and grade. 1Credit
- Unit – 4 Cognitive and Non cognitive Test:** Cognitive test - Theories of intelligence. individual intelligence test: The Binet Scale, The Wechsler Intelligence Scale. Measurement of Multiple intelligence, fluid intelligence and crystallized intelligence. Aptitude, Achievement testing. Non cognitive : Personality assessment: Personality inventories and Big Five personality test, projective test. Interest and Value testing. Neuropsychological Assessment. ½ Credit
- Unit – 5 Psychological Testing in applied aspects of life:** Educational, Occupational ,Sports ,Therapeutic Counselling, Defence, Social, Health and Organization. Ethical and legal consideration. ½ credit

Azuthi
→ ee

MB

Amrinder

ASH

KANNA

Isabel

Bhushan
26-5-22

Pratik
26-5-22

Books Recommended:

1. Anastasi (1997) Psychological Testing, Newyork, McGraw Hill
2. Ciminero, A.R. (1986) Handbook of Behavioural Assessment, New York: JohnWilley.
3. Jesus, E., & Caparas, M.V. (2007). Psychological Assessment: Theory & Practice Philippines.
4. Kaplan, R.M. & Saccuzzo, D. (2011). Psychological testing: Principles, Application, and issues.
5. Munarriiz, N.J.& Swerdiik, M.E. Psychological Testing in the philippines: Practicee, Directions and Perspective.
6. महेश भागवत: मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन

Aruni

Arund

Arund

Arund

Arund

Bhukla
26.5.22
Arund
5.22

Arund

PSYCHOLOGY PRACTICAL

This paper carries 50 Marks. It has two parts of equal marks. Part A comprises of laboratory experiments and psychological testing, while part B is devoted to field work, case studies and content analysis. It is must for students to develop psychological test with the help of concern subject teachers for doing field work.. Field work is based on current social and psychological emerging issues.

Part A: Note: Conduction of any 4experiments and administration of any 4 psychological tests of the following is compulsory.

Experiments :

1. Social Conformity
2. Social facilitation
3. Stereotypes
4. Halo Effect
5. Effect of Cognitive Dissonance on attitude change
6. False Consensus Effect
7. Effect of Communicator's Credibility on Suggestibility

PART B - Tests

- (i) Family Environmental scale
- (ii) Sibling Rivalry
- (iii) Parent Child Relationship Scales
- (iv) Sex Role Inventory
- (v) Social Preference And Social Behaviour Inventory
- (vi) Social Maturity Scale
- (vii) Vocational Interest
- (viii) Attitude Scale

Saushni
[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

Bhaskar
26-5-22

[Signature]
26-5-22

EXPERIMENTS AND TEST 1 CREDIT

Part C. Field Work, Case studies and Content Analysis

Each student will be required to visit hospital / industrial organization / educational institution, NGOS, old age home. special schools for children etc. Google based Survey

Content analysis of media chats as a part of project work under departmental supervision with an observation report, revealing his/her psychological insight.

Distribution of Marks:

- | | |
|---|------------|
| A. Conduction of psychological experiments and reporting | - 10 marks |
| B. Administration of one psychological test and reporting | -10 marks |
| C. Field work / Content Analysis | 10 marks |
| D. Viva- voce | -10 marks |
| E. Survey | -10 marks |

1 Credit

Aashvi
Dee

Amal

Arjun

A. N. N. N.

Arsh

Arsh

Arshika
26

Arshika

B.A. Part - II

केंद्रीय अध्ययन मण्डल, समाजशास्त्र

नवीन पाठ्यक्रम

New Curriculum

तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

Syllabus for Three year Under Graduate

समाजशास्त्र

Sociology

बैठक में उपस्थित सदस्य:

Dr. Sushil Kumar Sharma 22.2.23

Dr. Sushila Groel 22.02.23

Neelam Sanjeev Kumar 22.02.2023

Dr. Meenu Pathak 22.2.23

Dr. J.L. Pathak 22.2.2023

Dr. S.L. Sonwane 22.2.23

Dr. Preeti Mishra 22.2.23

Dr. Nitesh Kujur - 22.02.2023

CENTRAL BOARD OF STUDY
SOCIOLOGY
Syllabus for Three Year Under Graduate
New Curriculum
(Re-Revised)

Syllabus			
Year	Course Code	Paper	Course Title
X	SO-105	Paper -I	Introduction to Sociology <i>(5 Units)</i>
	SO-106	Paper -II	Contemporary Indian Society <i>(5 Units)</i>
✓	SO-107	Paper -I	Sociology of Tribe <i>(5 Units)</i>
	SO-108	Paper -II	Crime and Society <i>(5 Units)</i>
X	SO-109	Paper -I	Sociological Thoughts <i>(5 Units)</i>
	SO-110	Paper -II	Methods of Social Research <i>(5 Units)</i>

Note: Hindi and English Language were Foundation Course and it is compulsory in every year.

Ankitha
22.2.23

Shikha

Sushita

Aravind
22.2.23

Dr. J.L. Patel

Dr. Preethi Mishra
22.2.23

(Dr. Nitesh Kumar)
22.02.2023

(N.S. EKKA)
22.02.2023

SOCIOLOGY
B.A. PART-II
PAPER - I
SOCIOLOGY OF TRIBE
(Paper Code- SO-107)

Maxi. Marks- 75

UNIT-I Tribe: Concepts, Characteristics, Tribe and Schedule Tribes, Distinction between Tribe and Caste.

UNIT-II Classification of Tribal: Food gatherers and hunters, Shifting cultivates, Nomad Peasant settled Agriculturists and Artisans.

UNIT-III Socio-cultural Profile: Kinship, Marriage, Family, religion and belief cultural traditions.

UNIT-IV Social sensitization: Tribal Mobility, Schemes of Tribal Development, Various Tribal Movements.

UNIT-V Special Primitive Tribes of Chhattisgarh: Abujhmadia, Pahari Korwa, Birhor, Kamar, Baiga, Pando and Bhunjia

Recommended Books:

- 1 Vidyarthi, L.P. 1965. Cultural of Counters of Tribal Bihar, Punthi Pustak, Calcutta.
- 2 Bose, N.K. 1971. Tribal Life in India, National Book Trust, New Delhi.
- 3 Das, R.K. 1988. The Tribal Social Structure, Inter India Publications, New Delhi.
- 4 Dubey, S.C. 1977. Tribal Heritage of India, Ethnicity, Identity and Interation, Vol. 1, Vikash Publishing House, Delhi.
- 5 Elwin, Verrier. 1989. The Tribal World of Verrier Elwin: An Autobiography, Oxford, New Delhi.
- 6 Russell, R.V. and Hira Lal. 1916. The Tribes and Castes of Central Proviencie of India, Vol. 4, Cosmo Publications, New Delhi.

Adave

Sushil D.

Upadhyay
29.2.23

Dr. J. L. P. P. P.

Dr. P. P. P.
22.2.23

Dr. Preeti Mishra
23.2.23

N. P.
22.02.2023
(N.S.E.K.A.)

Dr. Anil Kumar
22.02.2023
(Dr. Anil Kumar Kojur)

SOCIOLOGY
B.A. PART-II
PAPER-II
CRIME AND SOCIETY
(Paper Code- SO-108)

Maxi. Marks- 75

- UNIT-I **Concept of Crime:** Meaning, Characteristics and Types.
School of Crime: Classical, Sociological and Psychological.
- UNIT-II **Structure of Crime:** Anomie Criminality-Suicide Organized crime ,
White collar crime and Cyber Crime.
- UNIT-III **Social Evils and Crime:** Alcoholism, Drug Addiction, Dowry and Beggary.
- UNIT-IV **Punishment:** Meaning Characteristics, Objectives, Types and Major theories of
Punishment.
- UNIT-V **Correctional Process:** Role of Police and Judiciary in India, Development of Jail
reforms in India and Modern correctional concepts - Probation, Parole and After Care
Programme.

Recommended Books:

- 1 Mike & Maguire. (2007). The Oxford Hand Book of Criminology. London: Oxford University Press.
- 2 Haster, S. & Eglin, P. (1992). A Sociology of Crime. London: Routledge Publishers.
- 3 Mead. G.H. (1934). Mind Self and Society. Chicago University Press.
- 4 Gottfredson, Michael, R., Hirschi & Travis. (1990). A General Theory of Crime. London: Stanford University Press.
- 5 Sutherland & Edwin, H. (1924). Principles of Criminology. Chicago: Chicago University Press.
- 6 Sutherland, Edward, H. & White, C. (1949). Crime. New York, Holt, Rinehart: Winston Press. New York.

Ayathak
22.2.23

22-2-23
Dr. Preeti Mishra

Dr. P. P. P. P.
22.2.23

N
22.02.2023
(NS-EKKA)

Shame,

22-02-2023
(Dr. Nishant Klyus)

Part - II

DEFENCE STUDIES

SYLLABUS

**Three Year
Degree Course**

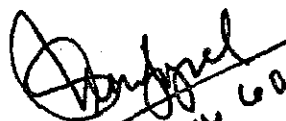
DEFENCE STUDIES

Proposed Year wise structure of UG Program in Defence-Studies.


B.A. / B.Sc. I year	Certificate Course.
B.A. / B.Sc. II year	Diploma Course.
B.A. / B.Sc. III year	Degree Course.


Program Outcomes (Pos)

1. Upon completion of the program of Bachelor's in Defence Studies, a student should have acquired basic competency in strategic affairs covering a wide spectrum of interstate security to global security issues including non kinetic dimensions.
2. Shall develop capability in understanding the implications of use and threat of use of force in international relations.
3. Shall seek, identify and apply the acquired knowledge in defence studies on contemporary issues of strategic relevance.
4. Ability to move from LOTS (Lower Order of thinking Skills) to HOTS (Higher Order of Thinking Skills) in Defence Studies.
5. The learning of strategic Studies shall arm the candidates to independently choose further course of action in his/her life whether pursuing higher education by taking specialized course in honours or identifying a career for himself or herself.
6. The course curriculum in Defence Studies is designed to encourage the acquisition of disciplinary/subject understanding, gain academic knowledge and professional skills required for any carrier pursuit be it choosing for higher studies or a job. The outcome based approach , particularly in the context of Defence Studies for undergraduate programme will incorporate a significant shift from teachers centric to learner centric pedagogies and from specific to active/participatory pedagogies where emphasis will be on field study, educational tours, writing assignments, seminar presentation and tutorials etc. teaching, therefore, becomes more interesting and absorbing aiming at demonstrative learning.


(V. V. Venkatesh)


1


(Dr. P. Lakshmi)


(Prof. G. K. Pan)

B.A. / B.Sc. Part II Diploma Course of Defence Studies.

Program Specific out come -

Paper I – Western Military History.

Paper II – Theory and Practice of War.

Become familiar in western military system. Learn and understand thr strategy, tactics and application of principle of war. Causes of world war, strategy, tactics and weapons use in world war.

Acquaint them with the concept of strategic thinking as propounded by prominent classical and modern thinkers. Understand the national security challenges both internal and external a country face.

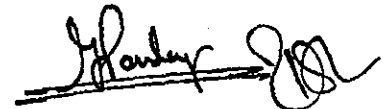
Part – A Introduction

Programme – Diploma Course	Class – B.A. /B.Sc. IInd year	Year -	Session –
Subject – Defence Studies			
1	Course Code	DS2T - 0867	
2	Course Title	Western Military Histoty	
3	Course Type	Core Theory - I	
4	Pre requisite (if any)	Open for all	
5	Course Learning Outcomes CLO	After undergoing this course a student will be in a position to – 1. Know the periods of western military history. 2. Will understand through western military system and war. 3. Will understand the effect of the advent of gunpowder on the art of warfare. 4. Know the strategy and tactics of the First and second world War.	
6	Credit Value	Theory - 4	
7	Total Marks	Maximum Marks - 50	

Part – B Content of the Course

Total number of Lectures – Tutorials – 03/week (2 Hrs.15 Min.)		
Total number of Lectures - 60		
Unit	Topic	No. of Lect
1	1. Military system of Greek and tactics of Phalanx. 2. Alexander and its military reforms . 3. Military system of roman and tactics of Legion. 4. Battle of Arbela 311 B.C. 5. Battle of Canne 216 B.C.	12
2	1. Emergence and decline of cavalry. 2. Battle of Adrianopole 378 A.D. 3. Battle of Hastings 1066 A.D. 4. Cavalry tactics of Zengis Khan. 5. Battle of Crecee 1346 A.D.	12
3	1. Impact of Gunpowder in war. 2. Military contribution of Gustavas Adolphus and Fredrik the Great. 3. Causes of American Independence war 1775 – 83. 4. Causes of French revolution. 5. Napoleon's art of war and his military reforms.	12
4	1. Causes of Ist World War, strategic policies and plan of warring Powers. 2. Role of Air Force in First W.W. and Dohet's air power theory. 3. Role of Navy in Ist W.W. and A.T.Mahan's naval theory. 4. Causes of Second World War. 5. Objectives and Strategy of Allied and Axis countries.	12
5	1. Armament and Mechanical warfare with reference to theories Of J.F.C. Fuller and Capt. Liddelhart. 2. Role of Air-power, weapons, doctrine and tactics in IInd W.W. 3. Role of Naval-power, weapons, doctrine and tactics in IInd W.W. 4. Tactics of IInd World War. 5. Advent of Nuclear weapons and their impact on warfare.	12





Part – C Learning Resources

Text Books, Reference Books and other Resources.

- | | | | |
|----|-------------------------------|---|-----------------------------|
| 1. | Nuclear war and Nuclear peace | : | Y. Harkabi |
| 2. | Makers of Modern strategy | : | E.M. Earl |
| 3. | J.F.C. Fuller | : | Armament and History |
| 4. | B.K.Tandon | : | Pashchaty a Yodhan Sambhar. |
| 5. | N.P.Tewari | : | Yodhan Sambhar |
| 6. | M.P.Verma | : | Yodhan Sambhar |
| 7. | Arther Birnie | : | Art of War |
| 8. | A.P.J. Abdul Kalam | : | Mere Sapno ka Bharat |



भाग अ : परिचय			
डिप्लोमा कोर्स	कक्षा : बी.ए./बी.एससी. द्वितीय वर्ष	वर्ष :	सत्र :
विषय : रक्षा अध्ययन			
1	कोर्स कोड	DS2T - 0867	
2	कोर्स शीर्षक	पाश्चात्य सैन्य इतिहास	
3	कोर्स का प्रकार	कोर सैद्धांतिक - 1	
4	पूर्व आवश्यकता	सभी के लिए	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियां CLO	इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र इस स्थिति में होगा कि- 1. पाश्चात्य सैन्य इतिहास के काल को जानेगा। 2. पाश्चात्य सैन्य पद्धति व सामरिकी को युद्धों के द्वारा समझेगा। 3. बारुद के अविष्कार से युद्धकला में परिवर्तन को समझेगा। 4. प्रथम व द्वितीय विश्वयुद्ध की स्त्रातजी व सामरिकी को समझेगा	
6	क्रेडिट मूल्य	सैद्धांतिक - 4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक - 50	

भाग ब : पाठ्यक्रम की सामग्री

कुल व्याख्यानों की संख्या - ट्यूटोरियल 03 प्रति सप्ताह / 2 घंटा 15 मिनट		
व्याख्यानों की कुल संख्या - 60		
ईकाई	विषय वस्तु	व्याख्यानों की संख्या
1	1. यूनानी सैन्य पद्धति, फैलेक्स की सामरिकी 2. अलेक्जेंडर व उसके सैन्य सुधार 3. रोमन सैन्य पद्धति, लिजन की सामरिकी 4. अरबेला का संग्राम 311 ई.पू. 5. कैने का संग्राम 216 ई.पू.	12
2	1. अश्वरोही सेना का उत्थान व पतन 2. एड्रियानोपल का संग्राम 378 ई. 3. हेस्टिंग का संग्राम 1066 ई. 4. चंगेज खॉ की अश्वरोही सामरिकी 5. केसी का युद्ध 1345 ई.	12
3	1. बारुद का युद्धकला पर प्रभाव 2. गुस्तावस एडालफस व फ्रेड्रिक महान का सैन्य योगदान 3. अमेरिका का स्वतंत्रता का युद्ध (1775-83) के कारण 4. फ्रांस की क्रांति के कारण 5. नेपोलियन की युद्धकला व उसके सैन्य सुधार	12

4	1. प्रथम विश्वयुद्ध के कारण, युद्धरत देशों की नितियां व स्त्रातजिक योजनाएँ 2. प्रथम विश्वयुद्ध में वायुसेना की भूमिका तथा डूहेट का नभ सिद्धांत 3. प्रथम विश्वयुद्ध में नौसेना की भूमिका तथा ए.टी.महान का नौ-सेना सिद्धांत 4. द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण 5. मित्र व धुरी राष्ट्र के उद्देश्य व स्त्रातजी	12
5	1. कवचित व मशीनीकृत युद्धकर्म के संदर्भ में जे.एफ.सी.फूलर व लिडिल हार्ट के सिद्धांत 2. द्वितीय विश्वयुद्ध में वायुशक्ति की भूमिका, हथियार, सिद्धांत व सामरिकी 3. द्वितीय विश्वयुद्ध में नौशक्ति की भूमिका, हथियार, सिद्धांत व सामरिकी 4. द्वितीय विश्वयुद्ध की सामरिकी 5. परमाणु हथियारों का आगमन व उसका युद्धकला पर प्रभाव	12

भाग - स अनुशासित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
1.	Nuclear war and Nuclear peace	: Y. Harkabi
2.	Makers of Modern strategy	: E.M. Earl
3.	J.F.C. Fuller	: Armament and History
4.	B.K.Tandon	: Pashchaty a Yodhan Sambhar.
5.	N.P.Tewari	: Yodhan Sambhar
6.	M.P.Verma	: Yodhan Sambhar
7.	Arther Birnie	: Art of War
8.	A.P.J. Abdul Kalam	: Mere Sapno ka Bharat

Part – A Introduction			
Programme – Diploma Course	Class – B.A. /B.Sc. IInd year	Year -	Session –
Subject – Defence Studies			
1	Course Code	DS2T - 0868	
2	Course Title	Theory and Practice of War.	
3	Course Type	Core Theory - II	
4	Pre requisite (if any)	Open for all	
5	Course Learning Outcomes CLO	After undergoing this course a student will be in a position to – 1. Will get information about thoughts of military thinkers. 2. Will know the type of war. 3. Will know about the measures to establish world peace. 4. In the context of national security, you will get information about external and internal security arrangements.	
6	Credit Value	Theory - 4	
7	Total Marks	Maximum Marks - 50	

Part – B Content of the Course

Total number of Lectures – Tutorials – 03/week (2 Hrs.15 Min.)		
Total number of Lectures - 60		
Unit	Topic	No. of Lectures
1	1. Sun Zu. 2. Clausewitz. 3. Macheavelli. 4. Jomini.	12
2	1. Mahatma Gandhi. 2. Kautilya. 3. A. Hitler. 4. Mao Tse Tung.	12
3	1. Balance of Power. 2. Economic War. 3. Psychological War. 4. Collective Security.	12

20

4	1. Indo-China war 1962 – causes of war, political and military Lessons. 2. Indo-Pak war 1965 – causes of war, political and military Lessons. 3. Indo-Pak war 1971 – causes of war, political and military Lessons. 4. Kargil conflict – 1999.	12
5	1. Internal and External threats of national security. 2. Insurgency and Counter-insurgency, 3. Terrorism – Problem and solution. 4. Naxalism – Problem and solution.	12

Part – C Learning Resources

Text Books, Reference Books and other Resources.		
1.	Theory and Practice of war	: M. Howard
2.	Clausewitz	: M. Howard
3.	Guerilla warfare	: Mao Tse Tung
4.	The Lightning War TaditYudh	: D.K. Palit
5.	War of 1971	: Mankekar
6.	Indo - Pak conflict on Kashmir	: Bhopinder Singh
7.	India - the search for power	: M.K. Chopra
8.	The Indian army	: S.P. Cohen
9.	The Pakistan army	: S.P. Cohen
10.	Himalyan blunder	: J.P. Dalvi
11.	The Chinese aggression	: S. Sinha
12.	India - China boundary: India's option	: T.S. Murti
13.	Kashmir	: Sisir Gupta
14.	The theory of force and organization of defense	: Nagendra Singh

भाग अ : परिचय			
डिप्लोमा कोर्स	कक्षा : बी.ए./बी.एससी. द्वितीय वर्ष	वर्ष :	सत्र :
विषय : रक्षा अध्ययन			
1	कोर्स कोड	DS2T - 0868	
2	कोर्स शीर्षक	युद्ध के सिद्धांत और अभ्यास	
3	कोर्स का प्रकार	कोर सैद्धांतिक - 2	
4	पूर्व आवश्यकता	सभी के लिए	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां CLO	इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र इस स्थिति में होगा कि- 1. सैन्य विचारकों के सेना सम्बन्धी विचारों से अवगत होंगे। 2. युद्धों के प्रकार को समझेगें। 3. विश्वशांति स्थापित करने के उपायों की जानकारी होगी। 4. राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में आंतरिक व बाह्य सुरक्षा की चुनौतियों से अवगत होंगे।	
6	क्रेडिट मूल्य	सैद्धांतिक - 4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक - 50	

भाग ब : पाठ्यक्रम की सामग्री

कुल व्याख्यानों की संख्या - ट्यूटोरियल 03 प्रति सप्ताह / 2 घंटा 15 मिनट		
व्याख्यानों की कुल संख्या - 60		
ईकाई	विषय वस्तु	व्याख्यानों की संख्या
1	1. संतजू 2. कलाजविट्ज 3. मैक्यावली 4. जोमीनी	12
2	1. महात्मा गाँधी 2. कौटिल्य 3. एडोल्फ हिटलर 4. माओ त्सेतुंग	12
3	1. शक्ति संतुलन 2. आर्थिक युद्ध 3. मनोवैज्ञानिक युद्ध 4. सामूहिक सुरक्षा	12
4	1. भारत चीन युद्ध 1962 - युद्ध के कारण, राजनितिक व सैन्य शिक्षाए. 2. भारत पाक युद्ध 1965 - युद्ध के कारण, राजनितिक व सैन्य शिक्षाए. 3. भारत पाक युद्ध 1971 - युद्ध के कारण, राजनितिक व सैन्य शिक्षाए. 4. कारगिल संघर्ष 1999.	12

5	1. राष्ट्रीय सुरक्षा के आंतरिक व बाह्य खतरें 2. राजद्रोह व प्रतिराजद्रोह 3. आंतकवाद - समस्या व समाधान 4. नक्सलवाद - समस्या व समाधान	12
---	--	----

भाग - स अनुशासित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
1.	Theory and Practice of war	: M. Howard
2.	Clausewitz	: M. Howard
3.	Guerilla warfare	: Mao Tse Tung
4.	The Lightning War TadiYudh	: D.K. Palit
5.	War of 1971	: Mankekar
6.	Indo - Pak conflict on Kashmir	: Bhopinder Singh
7.	India - the search for power	: M.K. Chopra
8.	The Indian army	: S.P. Cohen
9.	The Pakistan army	: S.P. Cohen
10.	Himalyan blunder	: J.P. Dalvi
11.	The Chinese aggression	: S. Sinha
12.	India - China boundary: India's option	: T.S. Murti
13.	Kashmir	: Sisir Gupta
14.	The theory of force and organization of defense	: Nagendra Singh

Part – A Introduction

Programme – Certificate Course	Class – B.A. /B.Sc. II nd year	Year -	Session –
Subject – Defence Studies			
1	Course Code	DS Practical	
2	Course Title	Tactical exercise without troops.	
3	Course Type	Core Practical	
4	Pre requisite (if any)	Open for all	
5	Course Learning Outcomes CLO	After undergoing this course a student will be in a position to – 1. Understand Infantry Platoon and Section organization. 2. Information about tactical exercise will be received.	
6	Credit Value	Practical- 2	
7	Total Marks	Maximum Marks - 50	

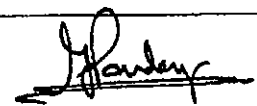
Part – B Content of the Course

Total number of Lectures – Practical – 04/week (3 Hrs.)		
Total number of Lectures - 60		
	Topic	
2	1. Organisation and equipment of Infantry Platoon and Section. 2. Section Formation. 3. Platoon Formation. 4. Indication of Target by various methods. 5. Fire control order. 6. Patrols. 7. Verbal order. 8. Battle Procedure.	12

Part – C Learning Resources

Text Books, Reference Books and other Resources.		
1.	London Her	: Manual of Map Reading
2.	लल्लन जी सिंह	: प्रयोगात्मक सैन्य विज्ञान
3.	M.P.Verma	: Sainik manchitra vigyan
4.	Y.K. Sharma	: Map reading
5.	Balwant Singh	: An easy approach to map reading
6.	Gale and Porden	: A complete guide to military map reading
7.	J.M. Srivastava	: Practical military science part 1
8.	B.N. Maliwal	: Military science practical



भाग अ : परिचय			
कक्षा : बी.ए./बी.एससी, द्वितीय वर्ष	वर्ष :	सत्र :	
विषय : रक्षा अध्ययन			
कोर्स कोड	DS2P		
कोर्स शीर्षक	प्रारम्भिक सामरिकी अभ्यास		
कोर्स का प्रकार	कोर प्रायोगिक		
पूर्व आवश्यकता	सभी के लिए		
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां CLO	इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र इस स्थिति में होगा कि- 1. पैदल सेना की प्लाटून व सेक्शन के संगठन को जानेगें। 2. सामरिक अभ्यास व युद्धकला की जानकारी प्राप्त करेंगें।		
क्रेडिट मूल्य	प्रायोगिक - 2		
कुल अंक	अधिकतम अंक - 50		

भाग ब : पाठ्यक्रम की सामग्री

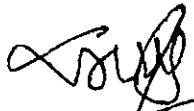
कुल व्याख्यानों की संख्या - प्रायोगिक 04 प्रति सप्ताह /3 घंटा		
व्याख्यानों की कुल संख्या - 60		
	विषय वस्तु	व्याख्यानों की संख्या
	<ol style="list-style-type: none"> 1. सेक्शन व प्लाटून का संगठन व हथियार. 2. सेक्शन विरचनाएँ. 3. प्लाटून की विरचनाएँ. 4. लक्ष्य संकेत की विधियाँ 5. फायर नियंत्रण आदेश 6. गश्ती दल 7. मौखिक आदेश. 8. रण प्रक्रिया. 	


भाग - स अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
1.	London Her	: Manual of Map Reading
2.	लल्लन जी सिंह	: प्रयोगात्मक सैन्य विज्ञान
3.	M.P.Verma	: Sainik manchitra vigyan
4.	Y.K. Sharma	: Map reading
5.	Balwant Singh	: An easy approach to map reading
6.	Gale and Porden	: A complete guide to military map reading
7.	J.M. Srivastava	: Practical military science part 1
8.	B.N. Maliwal	: Military science pratical

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम विषय – इतिहास

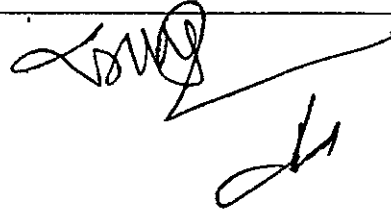
क्रमांक	कक्षा	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक
01.	बी.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम	भारत का इतिहास (प्रारंभ से 1206 ई. तक)
02.		द्वितीय	विश्व का इतिहास (1453 से 1871 ई. तक)
03.	बी.ए. द्वितीय वर्ष	प्रथम	भारत का इतिहास (1206 से 1761 ई. तक)
04.		द्वितीय	विश्व का इतिहास (1871 से 1964 ई. तक)
05.	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम	भारत का इतिहास (1757 से 1947 ई. तक)
06.		द्वितीय	भारत का राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास (1857 से 1950 ई. तक)

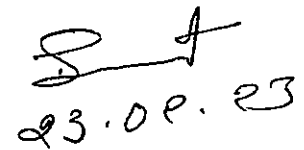
आर.के. पाण्डेय 
23/2/23


23.02.23
ब.ए.व.श.

प्रोग्राम - डिप्लोमा पाठ्यक्रम इतिहास		कक्षा- बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रश्नपत्र - प्रथम	सत्र - 2023-2024
विषय - इतिहास			
1	कोर्स कोड	DHS1	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारत का इतिहास (1206 से 1761 ई. तक)	
3	कोर्स का प्रकार	मूल पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	बी.ए. प्रथम वर्ष उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।	
5	पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम	इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य यह है कि मुसलमानों ने किस प्रकार भारत में प्रवेश के साथ अपने आप को स्थपित किया। उन्होंने यहां राज करने के लिये किस प्रकार की नीति अपनाई तथा इनकी संस्कृति किस प्रकार की थी। साथ ही साथ छत्तीसगढ़ में कल्युरी और मराठों ने किस प्रकार शासन किया।	
6	क्रेडिट वेल्थू	5	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 75 न्यूनतम अंक 25	

पाठ्यक्रम की सामग्री		
इकाई	विषय	क्रेडिट
1	1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत 2. प्रारंभिक तुर्क, खिलजी, तुगलक, एवं तैमूर का आक्रमण 3. प्रान्तीय राजवंश - बंगाल, कश्मीर, मेवाड़, उड़ीसा, असम 4. विजयनगर और बहमनी साम्राज्य	1
2	5. मुगल साम्राज्य की स्थापना एवं प्रसार 6. शेरशाह सूरी - प्रशासनिक सुधार 7. मुगल शासकों की धार्मिक एवं राजपूत नीति 8. सिक्खों, जाटों, सतनामियों एवं बुंदेलों का विद्रोह	1
3	9. मध्यकालीन स्थापत्य कला एवं साहित्य 10. मराठों का उत्कर्ष - शिवाजी की प्रशासनिक व्यवस्था 11. पेशवाओं के काल में मराठा शक्ति का विस्तार 12. पानीपत का तृतीय युद्ध	1
4	13. धार्मिक आंदोलन - भक्ति एवं सूफीवाद 14. मध्यकालीन हिन्दू समाज का सांस्कृतिक जीवन 15. मध्यकालीन मुस्लिम समाज का सांस्कृतिक जीवन 16. मध्यकाल में कृषि, व्यापार एवं उद्योग	1
5	17. छत्तीसगढ़ कल्युरी वंश - रतनपुर, रायपुर 18. कल्युरी प्रशासन, आर्थिक एवं सांस्कृतिक दश । 19. छत्तीसगढ़ में मराठा शासन की स्थापना एवं प्रभाव 20. छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक स्थल - रतनपुर, मल्हार, बारसूर, राजिम, भोरमदेव	1




23.09.23

संदर्भ ग्रन्थ सूची-

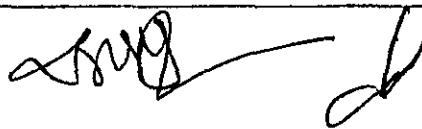
1. श्रीवास्तव ए.एल. – भारत का इतिहास
2. श्रीवास्तव ए.एल. – दिल्ली सल्तनत
3. श्रीवास्तव ए.एल. – मुगलकालीन भारत
4. मजूमदार, राय चौधरी एवं दत्त – भारत का वृहत् इतिहास खंड-2
5. वर्मा हरि चंद्र – मध्यकालीन भारत (1206-1761)
6. सक्सेना आर.के. – दिल्ली सल्तनत
7. ई वरी प्रसाद – मुगलकालीन भारत
8. राधे राण – भारत की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना और संस्कृति
9. सरदेसाई जी.एस. – मराठों का नवीन इतिहास खंड-2
10. सरकार जे.एन. – शिवाजी एवं उनका युग
11. त्रिपाठी आर.पी. – मुगल साम्राज्य का इतिहास और पतन
12. हबीब एवं निजामी – दिल्ली सल्तनत
13. मित्तल ए.के. – यूनिफाइड इतिहास (प्रारंभ से 1791)
14. मिश्रा पी.एल. – मराठाकालीन छ.ग.
15. वर्मा भगवान सिंह – छत्तीसगढ़ का इतिहास
16. Day, U.N. – Mughal Government
17. Chandra Satish – Madhyakalin Bharat
18. Majumdar, R.C. & Dutt – An Advanced History of India Vol-II
19. Habib & Nizami – Comprehensive history of India
20. Pandey A.B. – Medieval India
21. Prasad Ishwari – Medieval India
22. Sarkar J.N. – Shivaji and his Time
24. Shrivastav Niraj – madhyakalin Bharat Prashasan, samaj, Sanskriti




S. T.
23.09.23

Program: Diploma Course in History		Class: B.A. II Year Paper - First	Session: 20223-2024
1	Course Code	DHSI	
2	Course Title	History of India (1206 AD to 1761 AD)	
3	Course Type	Core Course	
4	Pre-requisite (if any)	The course can be adopted by any student who has passed Certificate Course in History.	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	The purpose of course is to be introduce the students to the sources of Medieval Indian History, political condition of Sultanate age and Mughal Age, Medieval Religious Movements: Bhakti and Sufism, Regional Dynasties, Rise and expansion of Maratha power under the age of Shivaji and Peshwas socio-economic and cultural life of Medieval India.	
6	Credit Value	Theory : 5	
7	Total Marks	Maximum Marks: 75	Minimum Passing Marks : 25

Content of Course		
Unit	Topics	Credit
I	1. Sources of Medieval Indian History. 2. Early Turks, Khilji, Tughlaq and invasion of Timur. 3. Regional Dynasties – Bengal, Kashmir, Mewar, Orissa and Assam. 4. Vijaynagar and Bahmani Kingdom.	1
II	5. Mughal Empire : Establishment and expansion. 6. Shershah Suri : Administration and Reforms. 7. Religious and Rajput Policy of Mughals 8. Revolts of Sikhs, Jats, Satnamis and Bundelas.	1
III	9. Medieval architecture and literature. 10. Rise of Maratha Power : Administrative system of Shivaji. 11. Expansion of Maratha Power under the Peshwas. 12. Third Battle of Panipat.	1
IV	13. Religious Movements - Bhakti Movement and Sufism. 14. Cultural life of Hindu Society in Medieval age. 15. Cultural life of Muslim Society in Medieval age. 16. Agriculture, Trade and industries in Medieval age.	1
V	17. Kulchuri dynasty in Chhattisgarh: Ratanpur and Raipur. 18. Social, economic and cultural life in Kalchuri era. 19. Establishment and impacts of Maratha rule in Chhattisgarh. 20. Main historical places of Chhattisgarh- Ratanpur, Malhar, Barsur, Rajim and Borhamdeo.	1




23-02-23

Text Books, Reference Books, Other resources

1. श्रीवास्तव ए.एल. – भारत का इतिहास
2. श्रीवास्तव ए.एल. – दिल्ली सल्तनत
3. श्रीवास्तव ए.एल. – मुगलकालीन भारत
4. मजूमदार, राय चौधरी एवं दत्त – भारत का वृहत इतिहास खंड-2
5. वर्मा हरि चंद्र – मध्यकालीन भारत (1206-1761)
6. सक्सेना आर.के. – दिल्ली सल्तनत
7. ई वरी प्रसाद – मुगलकालीन भारत
8. राधे राण – भारत की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना और संस्कृति
9. सरदेसाई जी.एस. – मराठों का नवीन इतिहास खंड-2
10. सरकार जे.एन. – शिवाजी एवं उनका युग
11. त्रिपाठी आर.पी. – मुगल साम्राज्य का इतिहास और पतन
12. हबीब एवं निजामी – दिल्ली सल्तनत
13. मित्तल ए.के. – यूनिफाइड इतिहास (प्रारंभ से 1791)
14. मिश्रा पी.एल. – मराठाकालीन छ.ग.
15. वर्मा भगवान सिंह – छत्तीसगढ़ का इतिहास
16. Day, U.N. – Mughal Government
17. Chandra Satish – Madhyakalin Bharat
18. Majumdar, R.C. & Dutt – An Advanced History of India Vol-II
19. Habib & Nizami – Comprehensive history of India
20. Pandey A.B. – Medieval India
21. Prasad Ishwari – Medieval india
22. Sarkar J.N. – Shivaji and his Time
24. Shrivastav Niraj – madhyakalin Bharat Prashasan, samaj,

Sanskriti

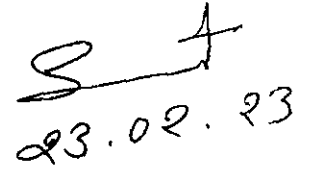


SA
23.02.23

प्रोग्राम - डिप्लोमा पाठ्यक्रम इतिहास		कक्षा- बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रश्नपत्र - द्वितीय	सत्र - 2023.2024
विषय - इतिहास			
1	कोर्स कोड	DHS2	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	विश्व का इतिहास (1871 से 1964 ई. तक)	
3	कोर्स का प्रकार	मूल पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	बी.ए. प्रथम वर्ष उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।	
5	पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम	पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व के इतिहास से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को विश्व में हुई विभिन्न क्रांतियों, पूर्वी समस्या, दो महायुद्ध, महायुद्धों के बाद शांति प्रयास सं अवगत कराना है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व की दो शक्तियों का प्रभाव परिणाम स्वरूप शीत युद्ध एवं गुटनिरपेक्ष के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी मिलेगी।	
6	क्रेडिट वेल्थू	5	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 75 न्यूनतम अंक 25	

पाठ्यक्रम की सामग्री		
इकाई	विषय	क्रेडिट
1	1. फ्रांस का तृतीय गणतंत्र 2. बिस्मार्क युग - 1871 - 1890 3. कैसर विलियम द्वितीय - विश्व राजनीति 4. अफ्रीका में नव साम्राज्यवाद	1
2	5. जापान में मेइजी पुनर्स्थापना, आधुनिकीकरण 6. जापान में सैन्यवाद का उदय, चीन जापान युद्ध 7. रूस जापान युद्ध 1904 - 1905 8. चीनी क्रांति 1911	1
3	9. पूर्वी समस्या - बर्लिन कांग्रेस, युवा तुर्क आंदोलन 10. बाल्कन युद्ध 11. प्रथम विश्व युद्ध कारण एवं परिणाम 12. पेरिस शांति सम्मेलन	1
4	13. रूसी क्रांति 1917 14. राष्ट्र संघ - उद्देश्य, संगठन, कार्य 15. इटली में फासीवाद - मुसोलिनी 16. जर्मनी में नाजीवाद - हिटलर	1
5	17. द्वितीय विश्व युद्ध - कारण एवं परिणाम 18. संयुक्त राष्ट्र संघ 19. शीत युद्ध 20. गुट निरपेक्षता	1

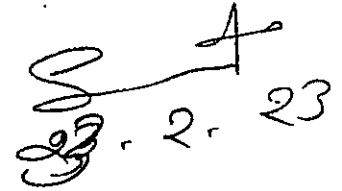



23.02.23

संदर्भ ग्रन्थ सूची-

- | | | |
|-----------------------------------|---|---|
| 1. हेजन | - | आधुनिक यूरोप का इतिहास |
| 2. बी.आई. पाल | - | आधुनिक यूरोप का इतिहास |
| 3. सत्यकेतु विद्यालंकार | - | एशिया का इतिहास |
| 4. दीनानाथ वर्मा | - | आधुनिक यूरोप का इतिहास |
| 5. के.एल.खुराना एवं भार्मा | - | विश्व का इतिहास |
| 6. देवेन्द्र सिंह चौहान | - | समकालीन यूरोप |
| 7. सुरेन्द्र चन्द्र एवं शिवकुमार | - | आधुनिक विश्व का इतिहास |
| 8. कालु राम भार्मा | - | आधुनिक विश्व |
| 9. ई.एच.कार | - | दो विश्व युद्धों के बीच |
| 10. जैन एवं माथुर | - | विश्व का इतिहास |
| 11. अर्जुन देव, इंदिरा अर्जुन देव | - | समकालीन विश्व का इतिहास (1890-2006) |
| 12. बी.एन.लुणिया
(भाग-2) | - | आधुनिक पाश्चात्य इतिहास की प्रमुख धाराएं |
| 13. कौले वर राय | - | आधुनिक यूरोप (1789-1945) |
| 14. HAL Fisher | - | A History of Europe |
| 15. Christopher | - | From Reformation to Industrial Revolution |
| 16. A.J.P.Taylor | - | The Origins of the second war |
| 17. David Thompson | - | Europe, Napoleonic |
| 18. Grant and Temperley | - | Europe in the 19 th and 20 th Century (also Hi-Version) |
| 19. Kettelby | - | History of the Modern Times |
| 20. Moon | - | Imperialism In World Politics |
| 21. Plamor & Parkins | - | International Politics |
| 22. Parks, Hengy Bamford | - | The United States of America A History |
| 23. Panikkar K.M. | - | Asia and Western Domiance |
| 24. Schuman | - | International Politics |
| 25. Taylor, A.J.P. | - | Struggle for Mastery over Europe |
| 26. Vinacke, H.M. | - | A History of Far East in Modern Times |
| 27. Fay | - | Origins of the World War |
| 28. S.P.Nanda | - | History of Modern World |





23

Program: Diploma Course in History		Class: B.A. II Year Paper – Second	Session: 2023-2024
1	Course Code	DHS2	
2	Course Title	World History (1871 to 1964 A.D.)	
3	Course Type	Core Course	
4	Pre-requisite (if any)	The course can be adopted by any student who has passed Certificate Course in History.	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	The aim of the course is introduce the students to the history of the world. Through this course the students are made aware of various revolutions in the world, The Eastern Question, two World Wars and efforts for peace after the great wars. After World War II students will get taught about the Cold War and Non Alignment as a result of the effect of World Wars.	
6	Credit Value	Theory : 5	
7	Total Marks	Maximum Marks: 75	Minimum Passing Marks : 25

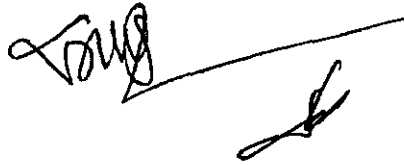
Unit	Topics	Credit
I	1. Third Republic of France. 2. Bismarck era - 1871 to 1890 A.D. 3. Kaiser William II - World Politics. 4. Neo- imperialism in Africa.	1
II	5. Meiji Restoration and Modernization in Japan. 6. Rise of Militarism in Japan, Sino-Japanese War 1894-95. 7. Russo - Japanese War 1904-1905 8. Chinese Revolution 1911 A.D.	1
III	9. Eastern Questions – Berlin Congress, Young Turk Movement. 10. Balkan Wars. 11. First World War – Causes and results. 12. Paris Peace Conference.	1
IV	13. Russian Revolution 1917 A.D. 14. League of Nations – Aim, organization and work. 15. Fascism in Italy - Mussolini. 16. Nazism in Germany – Hitler.	1
V	17. Second World War – Causes and results. 18. United Nation Organization 19. Cold War. 20. Non-alignment Movement.	1

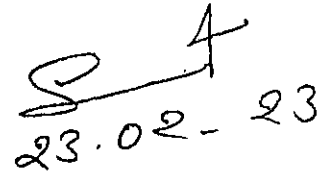
 


23.09.23

Text Books, Reference Books, Other resources

- | | | |
|-------------------------------------|---|---|
| 1. हेजन | - | आधुनिक यूरोप का इतिहास |
| 2. बी.आई. पाल | - | आधुनिक यूरोप का इतिहास |
| 3. सत्यकेतु विद्यालंकार | - | एशिया का इतिहास |
| 4. दीनानाथ वर्मा | - | आधुनिक यूरोप का इतिहास |
| 5. के.एल.खुराना एवं भार्मा | - | विश्व का इतिहास |
| 6. देवेन्द्र सिंह चौहान | - | समकालीन यूरोप |
| 7. सुरेन्द्र चन्द्र एवं विवेक कुमार | - | आधुनिक विश्व का इतिहास |
| 8. कालु राम भार्मा | - | आधुनिक विश्व |
| 9. ई.एच.कार | - | दो विश्व युद्धों के बीच |
| 10. जैन एवं माथुर | - | विश्व का इतिहास |
| 11. अर्जुन देव, इंदिरा अर्जुन देव | - | समकालीन विश्व का इतिहास (1890-2006) |
| 12. बी.एन.लुणिया | - | आधुनिक पाश्चात्य इतिहास की प्रमुख धाराएं (भाग-2) |
| 13. कौले वर राय | - | आधुनिक यूरोप (1789-1945) |
| 14. HAL Fisher | - | A History of Europe |
| 15. Christopher | - | From Reformation to Industrial Revolution |
| 16. A.J.P. Taylor | - | The Origins of the second war |
| 17. David Thompson | - | Europe, Napoleon |
| 18. Grant and Temperley | - | Europe in the 19 th and 20 th Century (also Hi-Version) |
| 19. Kettelby | - | History of the Modern Times |
| 20. Moon | - | Imperialism In World Politics |
| 21. Plamor & Parkins | - | International Politics |
| 22. Parks, Hengy Bamford | - | The United States of America A History |
| 23. Panikkar K.M. | - | Asia and Western Domiance |
| 24. Schuman | - | International Politics |
| 25. Taylor, A.J.P. | - | Struggle for Mastery over Europe |
| 26. Vinacke, H.M. | - | A History of Far East in Modern Times |
| 27. Fay | - | Origins of the World War |
| 28. S.P.Nanda | - | History of Modern World |




23.02.23

**SYLLABUS
OF
B.A./B.Sc. ANTHROPOLOGY *Part-II*
(ANNUAL PROGRAMME)
2023**

**Approved by Central Board of Studies in Anthropology
(Dated : 22.02.2023)**

Y. S. Narayan

Preamble

The learning outcomes-based curriculum framework for a B.Sc. degree in Anthropology aims for a comprehensive and an integrated framework for understanding of human beings and humanities and its adaptabilities across time and space dimensions. It deals with all kinds of communities including tribal, rural as well as urban societies. The curriculum is a broad framework which exposes the students to this diversity and to help them understand the challenges, best practices as well as biological and cultural adaptive features of communities that have evolved in the process of adaptations and acclimatization.

Anthropology as a discipline is oriented towards a holistic and relativistic understanding of humanity from both biology and cultural perspectives on one hand and from distant past to the present and also future possibilities. As a discipline, it is divided into three sub-branches viz., biological anthropology, social/cultural anthropology and pre-historical archaeology, which aims to study the three facets of human beings i.e. biological, cultural and pre-historical. Thus it brings together perceptives drawn from natural sciences, social sciences and the humanities. As Eric Wolf puts it, "anthropology is the most scientific of humanities and the most humane of the sciences.

A Bachelors of Science (Honors) Program in anthropology covers all the three branches of anthropology as mentioned above as well as study of courses which draws in perspectives from other allied subjects. The courses in economic environmental, molecular, medical, genetics and development anthropologies draws in the perspectives of these disciplines to the understanding of anthropological issues and problems. The curriculum is designed to expose the students to deal with real life empirical problems through case studies as well as first hand understanding through fieldwork.

Graduate Attributes in Subject

Some of the characteristic attributes of a graduate in anthropology may include the following
Disciplinary knowledge and skills: ability to understand key concepts used in the study of a society, culture and various biological aspects of human beings ; understanding of various theories of society, culture, evolution, genetics and prehistoric archaeology. The students will also have some understandings of other related areas of interdisciplinary studies like social and life sciences, environmental studies and humanities.

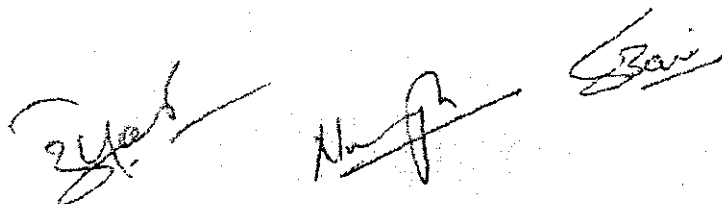
Communication Skills : To develop ability to communicate and express their ideas clearly and cogently both verbally as well in writing.

Critical thinking : To develop ability to think critically and understand the pros as well as criticisms relating to the key ideas and theoretical debates in anthropology. To be able to argue logically and support ones view point citing relevant data.

Problem solving : Capacity to apply the knowledge one has learned to solve problems of real life situations.

Analytical reasoning : The skill to sift through mass of data and to identify what is relevant data relating to the problem under study; ability to judge others arguments and point out the logical flaws and contradictions if any.

Research-related skills : Ability to formulate a problem, and undertake a systematic and scientific



enquiry about it, which include the skill to generate hypotheses, prepare relevant questionnaire and schedules and apply them; ability to interpret the data, find out the relevant cause and effect relationship and based on finding draw the logical conclusions from the data Cooperation/Team work: Ability to work in a team and show the ability to cooperate with others, divide the work and work cohesively as a unit .

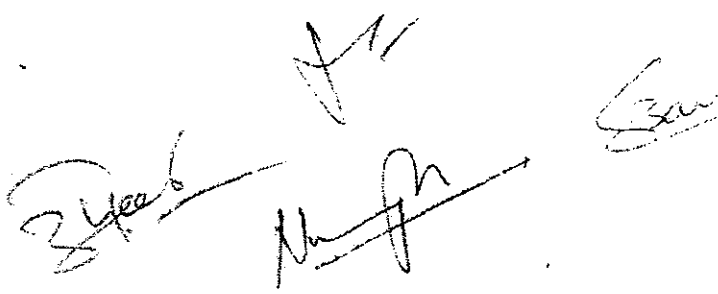
Cultural Relativism : Ability to appreciate the cultural backgrounds of others and appreciate the differences and put at back ones ethno-centricism and biases.

Scientific Temperament : The candidate must develop a scientific temperament and be sufficiently interested and inquisitive in things happening around them. They should have the ability to observe systematically, raise questions and search for answers.

[Handwritten signature]

**B.A./B.Sc. in Anthropology
Scheme of Examination
2023**

Class	Paper	Course Title	Course Code	Credit Value	Maximum Marks	Passing Marks
1 st Year	I	Introduction to Biological Anthropology	ANTH-01T	04	50	17
	II	Introduction to Social-Cultural Anthropology	ANTH-02T	04	50	17
	III	Practical in Human Anatomy and Anthropometry	ANTH-01P	02	50	17
2 nd Year	I	Archaeological Anthropology	ANTH-03T	04	50	17
	II	Tribal Culture of India	ANTH-04T	04	50	17
	III	Practical in Material Culture	ANTH-02P	02	50	17
3 rd Year	I	Applied Biological Anthropology	ANTH-05T	04	50	17
	II	Theories and Methods in Social-Cultural Anthropology	ANTH-06T	04	50	17
	III	Practical in Applied Biological Anthropology	ANTH-03P	02	50	17
Total				30	450	



Part A : Introduction

Programme Diploma Course	Class B.A./B.Sc. 2 nd Year	Year 2023	Session
------------------------------------	---	---------------------	----------------

1. Course Code : ANTH-03T
2. Course Title : ARCHAEOLOGICAL ANTHROPOLOGY
3. Course Type : THEORY
4. Course Objective : Archaeology is sub discipline of Anthropology. The course examines the major methods, theories and aims of archaeology by studying a board survey of famous sites and discoveries around the world. Student taking this course will achieve a good understanding of how archaeologists interpret the past through the material record and will be prepared for higher level courses in archaeology.
5. Course Learning Outcome :
 - Use the knowledge of archaeological research methods to make an original argument about past human cultures.
 - Understand the relationship between archeological data and interpretation.
 - Identify some of the major global cultures, sites and archaeological discoveries.
 - Understand the role of anthropological inquiry in archaeology.
 - Have a better idea of a region or specialty for student to continue to focus on advance archaeological studies.

1. Credit Value : Theory-04
2. Total Marks : Maximum Marks 50 Minimum Marks 17

Part B : Content of the Course

1. Total Units : 05
2. Total Lectures : 60

Unit	Topics	No. of Lectures
Units I, II, III, IV & V	Syllabus	12 Lectures each unit

UNIT-I

- Definition and scope of Archaeological Anthropology.
- Relation of archaeology with Life science, Physical Science and humanities.
- Types of Archaeology : Classical Archaeology, Prehistoric Archaeology, Historic Archaeology Ethno Archaeology
- Development of Indian Archaeology

UNIT - II

JK
N. J.
Gani

- Geo-Chronological Methods of Archaeology Study : Geological Time Scale, glacial Period, Pluvial period and their evidences
- Absolute & Relative dating method

UNIT – III

- Techniques of manufacturing stone tools.
- Type of stone tools : Core tools, Flake tools, Blade tools, Microliths & Grinding Polishing tools & their uses.
- Classification of human culture based on Stone Age and metal Age.

UNIT – IV

- Distribution of Paleolithic culture in Europe-Characters, distribution and interpretation of habitat
- lower Paleolithic culture, Middle Paleolithic culture, Upper Paleolithic culture & Mesolithic Culture
- Paleolithic Art in Europe – Characters, distribution, interpretation and chronology

UNIT – V

- Stone Age culture in India – Characters, distribution and interpretation of habitat and economy of Lower Paleolithic Culture, Middle Paleolithic Culture, Upper Paleolithic Culture & Neolithic Culture.
- Metal age culture in India – Characters, distribution and interpretation of habitat and economy of Chalcolithic culture, Bronze age civilization &, Iron age culture.
- Archaeological sites in Chhattisgarh – Sirpur, Deepadih & Karkabhatha.

Part C : Learning Resources

1. Agrawal, D.P. & M.G. Yadava. 1995. Dating the human past.
2. Bhattacharya, D.K. 1977. Palaeolithic Europe.
3. Bordes, F. 1968. The Old Stone age. Weidenfeld and Nicolson.
4. Burkitt, M.C. 1969. Old Stone Age: Study of Palaeolithic Times.
5. Oakley, K.P. 1972. Man the tool maker
6. Roe, Derek 1970. Prehistory: An introduction.
7. Sankalia, H.D. 1964. Stone age tools: their techniques, names and probable functions, Pune, Deccan College.
8. Sankalia, H.D. 1974. Prehistory and Protohistory of Early India and Pakistan.
9. Allchin and Allchin, 1982. The rise of civilization in India and Pakistan, Select Book Service Syndicate, New Delhi.
10. Zeuner, F.E. Pleistocene Period.
11. Agrawal, D.P. The Archaeology of India, Curzon Press.
12. Sankalia, H.D., New Archaeology – Its Scope and Application to India, Ethnographic and Folk Culture Society.

Part D : Assessment and Evaluation

University Exam. (UE) : Max. Marks : 50 Marks

Part A : Introduction

Programme Diploma Course	Class B.A./B.Sc. 2 nd Year	Year 2023	Session
------------------------------------	---	---------------------	----------------

1. Course Code : ANTH-04T
2. Course Title : TRIBAL CULTURE OF INDIA
3. Course Type : THEORY
4. Course Objective : Adequate understanding of the concept of tribe : the nuances of defining tribe in India. The course seeks to explore various policies formulated for the welfare of the tribes to understand changes in the social structure of tribes in India due to development, migration etc.
5. Course Learning Outcome :
 - The students will learn about various concepts of tribes and the importance of studying them.
 - They will learn about the difficulties of differentiating between tribe and caste in India.
 - They will also learn about classification of tribes based on religion, economy, occupation, race, etc.
 - From the practical component they will learn about distribution of various categories of tribes in India and how to write an annotated social structure of one of them.
 - They should be able to evaluate, plan and implement any project work in rural and tribal areas.

1. Credit Value : Theory-04
2. Total Marks : Maximum Marks 50 Minimum Marks 17

Part B : Content of the Course

1. Total Units : 05
2. Total Lectures : 60

Unit	Topics	No. of Lectures
Units I, II, III, IV & V	Syllabus	12 Lectures Each Unit

UNIT - I

- Define tribe and scheduled tribe
- Distribution and classification of Indian tribes : Geographical, racial, linguistic
- Contribution of Anthropology in the study of Indian tribes.
- Sacred complex, Universalisation and parochialisation, Sanskritisation, Westernization and

[Handwritten signatures and marks]

Dominant caste.

UNIT - II

- Tribes of Chhattisgarh and their problems.
- PVTGs - 1. Kamar 2. Birhor 3. Hill Korwa 4. Abujhmaria 5. Baiga.
- Denotified & Nomedic Tribes.

UNIT - III

- Social organization's of Indian tribes: Family, marriage, Lineage and clan.
- Youth dormitory : Type, organization and functions.
- Political organization of Indian tribes: Distinction between state and stateless society.
- Law and justice in primitive society.
- Tribal religion : Origin, function, animistic & totemistic.
- Concept and practices : Magic, witchcraft, shamanism & head hunting.

UNIT - IV

- Stages of tribal economy : Hunting, food gathering, fishing, shifting and settled agriculture.
- Concept of property and ownership in tribal societies,
- New Economics Anthropology : Exchange-Gift, Barter, Trade, Ceremonial exchange and market economy.

UNIT - V

- Tribal Problems: Culture contact, urbanization, industrialization, land alienation, bonded labour, indebtedness, shifting, cultivation, irrigation, Unemployment, Agricultural labour.
- Tribal development : History of tribal development.
- Constitutional safeguards for the scheduled tribes.
- Policies, plan and programmes of tribal development and their implementation.
- Tribal revolts in India.
- The role of anthropology in tribal development.

Part C : Learning Resources

1. Bose, N.K. : Tribal life of India.
2. Dube S.C. : Indian village.
3. Elwin, V. : A new deal of Tribal India.
4. Furer-Haimendorf C.V. : The Naked Nagas.
5. Ghurye, G.S. : The schedule tribes.
6. Mamvria : Tribal demography
7. Majumdar D.N. : Affairs of tribes.

8. Nathan D. : Tribe –Caste.
9. Nadim hasnain : Janjatiy bhara.
10. Srivastava V.K. : The Concept of tribe in Draft Tribal

Part D : Assessment and Evaluation

University Exam. (UE) : Max. Marks : 50 Marks

Part A : Introduction

Programme Diploma Course	Class B.A./B.Sc. 2 nd Year	Year 2023	Session
-----------------------------	--	--------------	---------

1. Course Code : ANTH- 02P
 2. Course Title : PRACTICAL IN MATERIAL CULTURE
 3. Course Type : PRACTICAL
 4. Course Objective : The objective of this practical course is to introduce the student with the primitive material culture and technology used by primitive man and the students introduce with various techniques of tools making of ancient man. This will be helpful for students to understand the use and making technique of material culture of different human communities in the field of research.
1. Credit Value : Practical-02
 2. Total Marks : Maximum Marks 50 Minimum Marks 17

Part B : Content of the Course

1. Total Units :
2. Total Lectures : 30

Unit	Topics Syllabus	No. of Lectures
-		30 Lectures

Part – I : Material Culture of Tribe

Identification and technological Description of the Following -

- Tools of food gathering, hunting, fishing and agriculture.
- Fire making implements.
- Types of habitation
- Land and water transport

Part – II : Archaeological tools

Sketching, identification and the description of Stone Age tools -

- Paleolithic tools
- Mesolithic tools

N. Singh *Pr* *Pr*

- Neolithic tools

(It is essential that students should draw at least five tools of each age)

Part – III : Research tools in Anthropology

- Construction of Schedule, Genealogy and Questionnaire.
- Each student will be required to maintain practical records of all work done in the practical class.

Part C : Learning Resources

1. Prayogic Manav Vigyan Bhag. I Mitashree Mitra & Ramesh Chouby Madhy Pradesh Hindi Granth Acadmi
2. Bhoutik Sanskriti Kalpana Saini Modhya.

Part D : Assessment and Evaluation

University Exam. (UE) : Max. Marks : 50 Marks

34
N. S. Saini

Scheme of B. Sc. Mathematics

Part-II

Year	Course Code	Subject Name	Theory/ Practical	Total Credit	Total Marks	
					Max	Min
1 st year	MATH-1T	Calculus	Theory	4	50	
	MATH-2T	Algebra	Theory	4	50	
	MATH-1P (Any One)	Lab : Calculus and Algebra	Practical	2	50	
		Project 1 : History of Mathematicians	Project	2	50	
2 nd year	MATH-4T	Real Analysis	Theory	4	50	
	MATH-2P (Any One)	Lab 2 : Differential Equations and Real Analysis	Practical	2	50	17
		Project 2 : History of Mathematicians	Project	2	50	17
	MATH-5T Optional I (Any One)	Mechanics	Theory	4	50	
3 rd year		Numerical Methods	Theory	4	50	
		Linear Algebra	Theory	4	50	
		Integral Transforms and Fourier Analysis	Theory	4	50	
		Discrete Mathematics	Theory	4	50	
	MATH-6T Optional II (Any One)	Tensors and Differential Geometry	Theory	4	50	
		Number Theory	Theory	4	50	
		Probability and Statistics	Theory	4	50	
	MATH-3P (Any One)	Lab 3 : Mathematics Paper 1 and Paper 2	Practical	2	50	17
		Project 3 : History of Mathematicians	Project	2	50	17

Note: There shall be four extra credits in all the years of under graduation for internship/apprenticeship. The certificate of extra credits would be provided by the concern university and is not mandatory.

T. S. S.

Part A: Introduction			
Program: Diploma Course	Class: B. A / B.Sc. Part II	Year: 2022	Session: 2023-2024
1	Course Code	Paper – MATH-3T	
2	Course Title	Differential Equations	
3	Course Type	Theory	
4	Pre-requisite (if any)	No	
5	Course Learning Outcome (CLO)	<p>This Course will enable the students to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Understand the genesis of ordinary as well as partial differential equations. Learn various techniques of getting exact solutions of certain solvable first order differential equations and linear differential equations of second order. Know Picard's method of obtaining successive approximations of solutions of first order ordinary differential equations, passing through a given point in the plane. Learn about solution of first order linear partial differential equations using Lagrange's method. Know how to solve second order linear partial differential equations with constant coefficients. Formulate mathematical models in the form of ordinary and partial differential equations to problems arising in physical, chemical and biological disciplines. 	
6	Credit Value	4	
7	Total Marks	Maximum Marks : 50	Minimum Passing Marks :

Part B: Content of the Course		
Total Periods: 60		
Unit	Topics	No. of Periods
I	First Order Differential Equations: Basic concepts and genesis of ordinary differential equations, Order and degree of a differential equation, Differential equations of first order and first degree, Equations in which variables are separable, Homogeneous equations, Linear differential equations and equations reducible to linear form, Exact differential equations, Integrating factor, First order higher degree equations solvable for x , y and p , Clairaut's form and singular solutions; Picard's	12

	method of successive approximations and the statement of Picard's theorem for the existence and uniqueness of the solutions of the first order differential equations.	
II	Second Order Linear Differential Equations: Statement of existence and uniqueness theorem for the solution of linear differential equations, General theory of linear differential equations of second order with variable coefficients, Solutions of homogeneous linear ordinary differential equations of second order with constant coefficients, Method of variation of parameters and method of undetermined coefficients, Reduction of order, Euler-Cauchy equations, Coupled linear differential equations with constant coefficients.	12
III	First Order Partial Differential Equations: Genesis of Partial differential equations (PDE), Concept of linear and non-linear PDEs, Methods of solution of Simultaneous differential equations of the form: $dx/P(x,y,z) = dy/Q(x,y,z) = dz/R(x,y,z)$, Lagrange's method for PDEs of the form: $P(x,y,z)p + Q(x,y,z)q = R(x,y,z)$, where $p = \partial z/\partial x$ and $q = \partial z/\partial y$; Solutions passing through a given curve.	12
IV	Second order Partial differential equations: Principle of superposition for homogeneous linear PDEs, Relation between solution sets of non-homogeneous linear PDEs and their corresponding homogeneous equations, Reducible and irreducible homogeneous equations and their solutions in various possible cases, Solution of non-homogeneous reducible equations using Lagrange's method for first order equations.	12
V	Applications: Orthogonal trajectories of one-parameter families of curves in a plane, Minimum velocity of escape from Earth's gravitational field, Newton's law of cooling, Malthusian and logistic population models, Radioactive decay, Free and forced mechanical oscillations of a spring suspended vertically carrying a mass at its lowest tip, Phenomena of resonance, LCR circuits, Surfaces orthogonal to a given system of surfaces.	12

Part C - Learning Resource

Text Books and Reference Books:

1. Erwin Kreyszig - *Advanced Engineering Mathematics* (10th edition). J. Wiley & Sons 2011
2. B. Rai & D. P. Choudhury. *Ordinary Differential Equations - An Introduction*. Narosa Publishing House Pvt. Ltd. New Delhi. 2006
3. Shepley L. Ross. *Differential Equations* (3rd edition). Wiley. 2007
4. George F. Simmons. *Differential Equations with Applications and Historical Notes* (3rd edition). CRC Press. Taylor & Francis. 2017

TAM

5. Ian N. Sneddon. *Elements of Partial Differential Equations*. Dover Publications. 2006

E-Resources:

1. Suggested Equivalent online courses: Web link NPTEL/ SWAYAM/ MOOCs
2. Differential equation
https://www.youtube.com/watch?v=NBcGLLU90fM&list=PLbMVogVj5nJSGIf9sluucwobyr_zz6gID
3. Partial Differential equation
<https://www.youtube.com/watch?v=Kk5SEzASkZU&list=PL9m2Lkh6odgKbfY03TFRhwjOqW79UdzK8>

Part D: Assessment and Evaluation

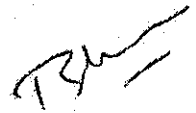
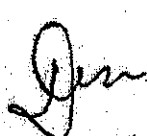
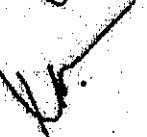
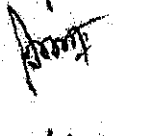
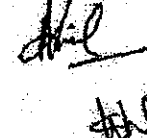

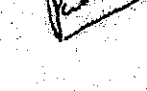
Suggested Continuous Evaluation Methods:


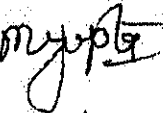
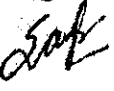

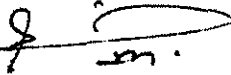


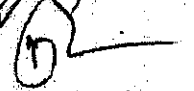
Maximum Marks:

50 Marks

Declaration

This is to certify that the syllabus is framed by the Central Board of Studies (Mathematics) as per the guidelines (TOR) of the Department of Higher Education, Raipur Chhattisgarh.

- | | | | |
|---|---|----------|---|
| 1. Dr. Premlata Verma
Asst. Prof.
Govt. Bilasa Girls PG College, Bilaspur | - | Chairman |  |
| 2. Prof. R.R. Sahu
Asst. Prof.
Govt. MMR PG College, Champa | - | Member |  |
| 3. Mr. Yetendra Upadhyay
Asst. Prof.
Govt. N.K. College, Kota | - | Member |  |
| 4. Ram Lakhan Pandey
Asst. Prof.
Dr. B.R. Ambedkar Govt. College, Baloda | - | Member |  |
| 5. Dr. Arun Kumar Mishra
Professor
Govt. DT PG College, Utai | - | Member |  |
| 6. Dr. Shabnam Khan
Professor
Govt. Digvijay PG College, Rajnandgaon | - | Member |  |
| 7. Dr. Padmavati
Professor
Govt. VYT PG Auto. College, Durg | - | Member |  |

8. Dr. Anjali Chandravanshi - Member 
Asst. Prof.
Govt. J.Y. Chhattisgarh College, Raipur
9. Manisha Gupta - Member 
Asst. Prof.
GNA Govt. PG College, Bhatapara, Raipur
10. Mrs. Sangeeta Pandey - Member 
Asst. Prof.
R.G. Govt. PG College, Ambikapur
11. Dr. S.K. Bohre - Member 
Asst. Prof.
I.G. Govt. PG College, Vaishalinagar, Bilai
12. Dr. Samir Dashputre - Member 
Asst. Prof.
Govt. College, Arjunda, Balod
13. Dr. Chandrajeet Singh Rathore - Member 
Asst. Prof.
Govt. Jajwalyadev Naveen Girls PG College, Janjgir
14. Dr. Shri Nath Gupta - Member 
K. Govt. Arts & Science College, Raigarh
15. Dr. Raghu Nandan Patel - Member 
Asst. Prof.
Govt. MLS College, Seepat

Part A: Introduction			
Program: Diploma Course		Class: B. A. / B.Sc. Part II	Year: 2022 Session: 2023-2024
1	Course Code	Paper – MATH-4T	
2	Course Title	Real Analysis	
3	Course Type	Theory	
4	Pre-requisite (if any)	No	
5	Course Learning Outcome (CLO)	<p>This Course will enable the students to:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Understand basic properties of real number system such as least upper bound property and order property. • Realize importance of bounded, convergent, Cauchy and monotonic sequences of real numbers, find their limit superior and limit inferior. • Apply various tests to determine convergence and absolute convergence of a series of real numbers. • Learn about Riemann integrability of bounded functions and algebra of R-integrable functions. • Determine various applications of the fundamental theorem of integral calculus. • Relate concepts of uniform continuity, differentiation, integration and uniform convergence. 	
6	Credit Value	4	
7	Total Marks	Maximum Marks : 50	Minimum Passing Marks :

Part B: Content of the Course		
Total Periods: 60		
Unit	Topics	No. of Periods
I	Real Numbers: The set of real numbers \mathbb{R} as an ordered field, Least upper bound properties of \mathbb{R} , Metric property and completeness of \mathbb{R} , Archimedean property of \mathbb{R} , Dense subsets of \mathbb{R} , Nested intervals property; Neighbourhood of a point in \mathbb{R} , Open sets, limit point of a set, closed and perfect sets in \mathbb{R} , connected and compact subsets of \mathbb{R} , Heine-Borel theorem.	12
II	Convergence of Sequences in \mathbb{R}: Bounded and monotonic sequences, Convergent sequence and its limit, Limit theorems, Monotone convergence	12

	theorem, Subsequences, Bolzano-Weierstrass theorem, Limit superior and limit inferior, Cauchy sequence, Cauchy's convergence criterion.	
III	Infinite Series: Convergence of a series of positive real numbers, Necessary condition for convergence, Cauchy criterion for convergence; Tests for convergence: Comparison test, Limit comparison test, D'Alembert's ratio test, Cauchy's n^{th} root test, Abel's test, Integral test; Alternating series, Absolute and conditional convergence, Leibniz theorem, Rearrangements of series, Riemann's rearrangement theorem.	12
IV	Riemann Integration: Riemann integrability of bounded functions, Examples of R-integrable and non-integrable functions, Algebra of Riemann integrable functions, Integrability of continuous and monotonic functions, Darboux theorems, Fundamental theorem of integral calculus, First mean value theorem and second mean value theorems (Bonnet and Weierstrass forms). Necessary and sufficient condition for Riemann integrable function (Statement only).	12
V	Uniform Convergence, Continuity and Improper Integrals: Pointwise and uniform convergence of sequence and series of functions, Uniform continuity, Weierstrass's M-test, Uniform convergence and continuity, Uniform convergence and differentiability, Improper integrals and tests for improper integrals, Beta and Gamma functions.	12

Part C - Learning Resource

Text Books, Reference Books:

1. T. M. Apostol. *Mathematical Analysis: A Modern Approach to Advanced Calculus*. Pearson Education. 2008
2. Charalambos D. Aliprantis & Owen Burkinshaw. *Principles of Real Analysis* (3rd edition). Academic Press. 1998
3. Robert G. Bartle & Donald R. Sherbert. *Introduction to Real Analysis* (4th edition). Wiley India. 2015
4. Gerald G. Bilodeau, Paul R. Thie & G. E. Keough. *An Introduction to Analysis* (2nd edition), Jones and Bartlett India Pvt. Ltd. 2015
5. E. Hewitt & K. Stromberg (2013). *Real and Abstract Analysis*. Springer-Verlag.
6. K. A. Ross. *Elementary Analysis: The Theory of Calculus* (2nd edition). Springer. 2013

TS

7 Walter Rudin. *Principles of Mathematical Analysis* (3rd edition), Tata McGraw Hill.

E-Resources:

1. Suggested Equivalent **online courses:** Web link NPTEL/ SWAYAM/ MOOCs
2. <https://www.youtube.com/watch?v=Bef8QIijCy0&list=PLbMVogVj5nJQIUxOm7KqTg9UKk6eXRp>
3. https://www.youtube.com/watch?v=C2qloHkhEuM&list=PLOzRYVm0a65cpVtedj_5SBEh6VQvC_BvR

Part D: Assessment and Evaluation

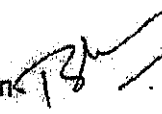

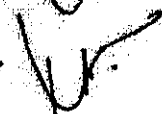
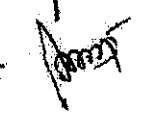

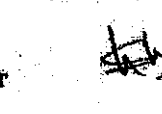

Suggested Continuous Evaluation Methods:

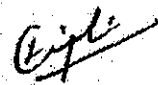
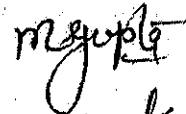
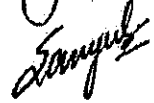

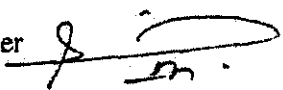

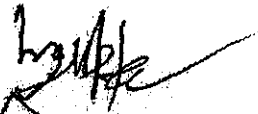
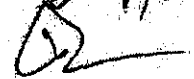
Maximum Marks:

50 Marks

Declaration

This is to certify that the syllabus is framed by the Central Board of Studies (Mathematics) as per the guidelines (TOR) of the Department of Higher Education, Raipur Chhattisgarh.

- | | | | |
|---|---|----------|---|
| 1. Dr. Premlata Verma
Asst. Prof.
Govt. Bilasa Girls PG College, Bilaspur | - | Chairman |  |
| 2. Prof. R.R. Sahu
Asst. Prof.
Govt. MMR PG College, Champa | - | Member |  |
| 3. Mr. Yetendra Upadhyay
Asst. Prof.
Govt. N.K. College, Kota | - | Member |  |
| 4. Ram Lakhan Pandey
Asst. Prof.
Dr. B.R. Ambedkar Govt. College, Baloda | - | Member |  |
| 5. Dr. Arun Kumar Mishra
Professor
Govt. DT PG College, Utai | - | Member |  |
| 6. Dr. Shabnam Khan
Professor
Govt. Digvijay PG College, Rajnandgaon | - | Member |  |
| 7. Dr. Padmavati
Professor
Govt. VYT PG Auto. College, Durg | - | Member |  |

8. Dr. Anjali Chandravanshi - Member 
Asst. Prof.
Govt. J.Y. Chhattisgarh College, Raipur
9. Manisha Gupta - Member 
Asst. Prof.
GNA Govt. PG College, Bhatapara, Raipur
10. Mrs. Sangeeta Pandey - Member 
Asst. Prof.
R.G. Govt. PG College, Ambikapur
11. Dr. S.K. Bohre - Member 
Asst. Prof.
I.G. Govt. PG College, Vaishalinagar, Bhilai
12. Dr. Samir Dashputre - Member 
Asst. Prof.
Govt. College, Arjunda, Balod
13. Dr. Chandrajeet Singh Rathore - Member 
Asst. Prof.
Govt. Jajwalyadev Naveen Girls PG College, Janjgir
14. Dr. Shri Nath Gupta - Member 
K. Govt. Arts & Science College, Raigarh
15. Dr. Raghu Nandan Patel - Member 
Asst. Prof.
Govt. MLS College, Seepat

Part A: Introduction			
Program: Diploma Course		Class: B.A/ B.Sc. II	Year: 2022
		Year	Session: 2023-2024
1	Course Code	MATH-2P (I)	
2	Course Title	I - Lab 02 - Differential Equations and Real Analysis	
3	Course Type	Practical	
4	Pre-requisite (if any)	No	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	<p>This course will enable the students to</p> <ul style="list-style-type: none"> • Learn Free and Open Source Software (FOSS) tools for computer programming • Solve problem on differential equations and real analysis theory studied in Mathematics Paper 1 and 2 by using FOSS software's. • Acquire knowledge of applications of Differential Equations and Real Analysis through FOSS. 	
6	Credit Value	2	
7	Total Marks	Max. Marks: 50	Min Passing Marks : 17

Part B: Content of the Course	
Total Periods: 30	
Tentative Practical List	<p>Mathematics practical with Free and Open Source Software (FOSS) tools for computer programs, such as GeoGebra/Maxima/Scilab/ Octave /Python/R.</p> <p>Course Objectives:</p> <ul style="list-style-type: none"> • To learn Free and Open Source Software (FOSS) tools for computer programming • Acquire knowledge of applications of differential equations and real analysis through FOSS <p>List of Practicals: (At least 10 practicals)</p> <ul style="list-style-type: none"> • Solution of differential equation and plotting the graph of solution: Variable separable. • Solution of differential equation and plotting the graph of solution: Homogeneous equations. • Solution of differential equation and plotting the graph of solution: Linear differential equations.

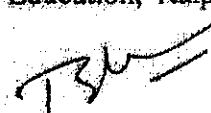
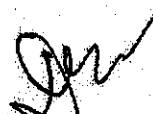
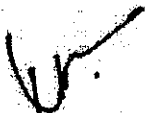


- Solution of differential equation and plotting the solution: Bernoulli's equations
- Solution of second and higher order ordinary differential equations with constant coefficients
- Solution of second order ordinary differential equations with variable coefficients by i) Method of variation of parameters ii) When the equation is exact.
- Finding complementary function and particular integral of constant coefficient second and higher order ordinary differential equations.
- Solving second order linear partial differential equations in two variables with constant coefficient.
- Solutions to the problems on total and simultaneous differential equations.
- Solutions to the problems on different types of Partial differential equations.
- Illustration of convergent, divergent and oscillatory sequences.
- Using Cauchy's criterion to determine convergence of a sequence (simple examples).
- Illustration of convergent, divergent and oscillatory series.
- Programs to find the sum of the series and its radius of convergence.
- Using Cauchy's criterion on the sequence of partial sums of the series to determine convergence of series.
- Testing the convergence of binomial, exponential and logarithmic series and finding the sum.
- To verify the given function is Riemann integrable or not over arbitrary closed interval $[a, b]$.

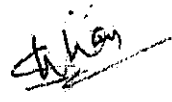



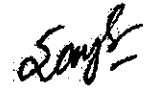

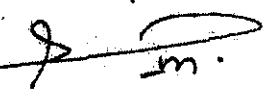
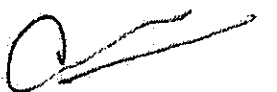


TGS

Part C - Learning Resource		
Text Books, Reference Books, Other Resources		
SUPPORT FROM THE GOVT FOR STUDENTS AND TEACHERS IN UNDERSTANDING AND LEARNING FOSS TOOLS:		
As a national level initiative towards learning FOSS tools, IIT, Bombay for MHRD, government of India is giving free training to teachers interested in learning open source software's like scilab, maxima, octave, geogebra and others. (Website: http://spoken-tutorial.org ;) <p>(email: info@spokentutorial.org; contact@spoken-tutorial.org)</p>		
Part D: Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 50		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): Not Applicable		
University Exam(UE): 50 Marks		
Internal Assessment:		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test/Assignment/Presentation	Not Applicable

Declaration

This is to certify that the syllabus is framed by the Central Board of Studies (Mathematics) as per the guidelines (TOR) of the Department of Higher Education, Raipur Chhattisgarh.

- | | | | |
|---|---|----------|---|
| 1. Dr. Premlata Verma | - | Chairman |  |
| Asst. Prof. | | | |
| Govt. Bilasa Girls PG College, Bilaspur | | | |
| 2. Prof. R.R. Sahu | - | Member |  |
| Asst. Prof. | | | |
| Govt. MMR PG College, Champa | | | |
| 3. Mr. Yetendra Upadhyay | - | Member |  |
| Asst. Prof. | | | |
| Govt. N.K. College, Kota | | | |
| 4. Ram Laxhan Pandey | - | Member |  |
| Asst. Prof. | | | |
| Dr. B.R. Ambedkar Govt. College, Baloda | | | |
| 5. Dr. Arun Kumar Mishra | - | Member |  |
| Professor | | | |

- | | | | | |
|-----|--|---|--------|---|
| 6. | Govt. DT PG College, Utai
Dr. Shabnam Khan
Professor
Govt. Digvijay PG College, Rajnandgaon | - | Member |  |
| 7. | Dr. Padmavati
Professor
Govt. VYT PG Auto. College, Durg | - | Member |  |
| 8. | Dr. Anjali Chandravanshi
Asst. Prof.
Govt. J.Y. Chhattisgarh College, Raipur | - | Member |  |
| 9. | Manisha Gupta
Asst. Prof.
GNA Govt. PG College, Bhatapara, Raipur | - | Member |  |
| 10. | Mrs. Sangeeta Pandey
Asst. Prof.
R.G. Govt. PG College, Ambikapur | - | Member |  |
| 11. | Dr. S.K. Bohre
Asst. Prof.
I.G. Govt. PG College, Vaishalinagar, Bilai | - | Member |  |
| 12. | Dr. Samir Dashputre
Asst. Prof.
Govt. College, Arjunda, Balod | - | Member |  |
| 13. | Dr. Chandrajeet Singh Rathore
Asst. Prof.
Govt. Jajwalyadev Naveen Girls PG College, Janjgir | - | Member |  |
| 14. | Dr. Shri Nath Gupta
K. Govt. Arts & Science College, Raigarh | - | Member |  |
| 15. | Dr. Raghu Nandan Patel
Asst. Prof.
Govt. MLS College, Seepat | - | Member |  |

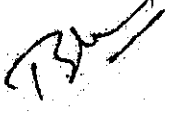

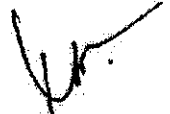

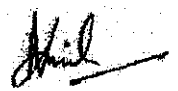

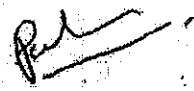
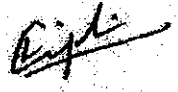
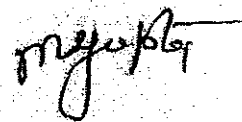
Part A: Introduction			
Program: Diploma Course		Class: B.A./ B.Sc. II Year	Year: 2022 Session: 2023-2024
1	Course Code	MATH-2P (II)	
2	Course Title	II - Project 02 - History of Mathematician	
3	Course Type	Project	
4	Pre-requisite (if any)	No	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	<p>Studying history of mathematicians help students:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Develop a deeper understanding of the mathematics they have already studied by seeing how it was developed over time and in various places. • Know the rich intellectual heritage of the country. • Develop an appreciation of mathematics and build positive attitude towards mathematics increasing student's motivation decreasing anxiety related the subject. • To acquire knowledge about development of mathematics in ancient , medieval and modern period of history. 	
6	Credit Value	2	
7	Total Marks	Max. Marks: 50	Min Passing Marks : 17


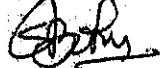
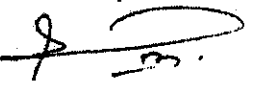
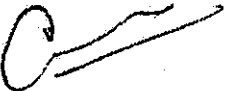

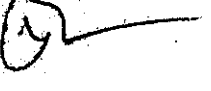
Part B: Content of the Course	
Total Periods: 30	
Project List	<p>Course Objectives:</p> <p>An elective course designed to acquire special / advance knowledge, such as supplement study / support study to a project work and a candidate study such a course on his own with an advisory support by a teacher / faculty member.</p> <p>Project</p> <p>Contributions and biographies of Indian Mathematicians Aryabhata , Varahmihir , and Bhaskar I ,Shreedharacharya , Shreepati and Parmeshwar and contribution involved in contents of the paper of Differential Equations and Real Analysis. (Any 10 Mathematicians)</p>

Part C - Learning Resource		
Text Books, Reference Books, Other Resources		
Part D: Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 50		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): Not Applicable		
University Exam(UE): 50 Marks		
Internal Assessment:		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test/Assignment/Presentation	Not Applicable

Declaration

This is to certify that the syllabus is framed by the Central Board of Studies (Mathematics) as per the guidelines (TOR) of the Department of Higher Education, Raipur Chhattisgarh.

- | | | | |
|---|---|----------|---|
| 1. Dr. Premlata Verma
Asst. Prof.
Govt. Bilasa Girls PG College, Bilaspur | - | Chairman |  |
| 2. Prof. R.R. Sahu
Asst. Prof.
Govt. MMR PG College, Champa | - | Member |  |
| 3. Mr. Yetendra Upadhyay
Asst. Prof.
Govt. N.K. College, Kota | - | Member |  |
| 4. Ram Laxhan Pandey
Asst. Prof.
Dr. B.R. Ambedkar Govt. College, Baloda | - | Member |  |
| 5. Dr. Arun Kumar Mishra
Professor
Govt. DT PG College, Utaí | - | Member |  |
| 6. Dr. Shabnam Khan
Professor
Govt. Digvijay PG College, Rajnandgaon | - | Member |  |
| 7. Dr. Padmavati
Professor
Govt. VYT PG Auto. College, Durg | - | Member |  |
| 8. Dr. Anjali Chandravanshi
Asst. Prof.
Govt. J.Y. Chhattisgarh College, Raipur | - | Member |  |
| 9. Manisha Gupta
Asst. Prof. | - | Member |  |

- GNA Govt. PG College, Bhatapara, Raipur
10. Mrs. Sangeeta Pandey - Member 
Asst. Prof.
R.G. Govt. PG College, Ambikapur
11. Dr. S.K. Bohre - Member 
Asst. Prof.
I.G. Govt. PG College, Vaishalinagar, Bilai
12. Dr. Samir Dashputre - Member 
Asst. Prof.
Govt. College, Arjunda, Balod
13. Dr. Chandrajeet Singh Rathore - Member 
Asst. Prof.
Govt. Jajwalyadev Naveen Girls PG College, Janjgir
14. Dr. Shri Nath Gupta - Member 
K. Govt. Arts & Science College, Raigarh
15. Dr. Raghu Nandan Patel - Member 
Asst. Prof.
Govt. MLS College, Seepat

BA (HOME SCIENCE)

Year	Course Code	Subject Name	Theory / Practical	Total Credit	Marks	
					Max	Min
Theory First Year	BA HSC-1T	Home Science paper-1 (Anatomy Physiology and Hygiene)	Theory	4	50	17
	BA HSC-2T	Home Science paper-2 (Extension Education)	Theory	4	50	17
	BA HSC -1P	Home Science Practical-1	Practical	2	50	17
Second Year	BA HSC -3T	Home Science paper-3 (वस्त्र विज्ञान)	Theory	4	50	17
	BA HSC 4T	Home Science paper-4 (गृह प्रबंध)	Theory	4	50	17
	BA HSC 2P	Home Science Practical-2	Practical	2	50	17
Third Year	BA HSC -5T	Home Science paper-5 (Human Development)	Theory	4	50	17
	BA HSC -6T	Home Science paper-6 (आहार एवं पोषण)	Theory	4	50	17
	BA HSC -3P	Home Science Practical-3	Practical	2	50	17
		Total (I+II+III)		30	450	

Handwritten signature

1 Program: Diploma Course		2 Class: B.A. II SEM		3 Year: 2022		4 Session: 2022-2023	
1	Course Code	BAHSC-3T					
2	Course Title	Home Science- Paper 3 (वस्त्र विज्ञान)					
3	Course Type	Theory					
4	Pre-requisite(if any)	NO					
5	Course Learning Outcomes (CLO)	At the end of this course, the students will be enable to: <ul style="list-style-type: none"> • To understand Basic Knowledge of Structures of various fibers. • To understand Basic knowledge of chemistry and reaction towards chemicals of various yarns. • To understand Basic knowledge of dyeing and printing. • To understand Basic knowledge of stain removal. • To understand basic knowledge of soap and detergents. 					
6	Credit Value	Theory: 4					
7	Total Marks	Max. Marks: 50			Min Passing Marks: 17		

Part B: Content of the Course		
Total No of Periods: 60		
Unit	Topics	No. of Periods
I	तंतु विज्ञान का परिचय: तंतुओं का वर्गीकरण, विशेषताएँ, भौतिक एवं रासायनिक।	12
II	आधारभूत परिसज्जाएँ: विशेष परिसज्जा, रंगों का वर्गीकरण एवं विभिन्न तंतुओं के लिये उनकी उपयुक्तता।	12
III	छपाई प्रकार: लोक स्टेसिल स्क्रीन, डिसचार्ज रोलर, प्रत्येक प्रकार की छपाई की विधियाँ, टाई एण्ड डाई विशेषता, विधि।	12
IV	धुलाई: जल, साबुन, शुल्क धुलाई, कलफ तथा नील धब्बे छुड़ाना, विभिन्न प्रकार के वस्त्र धोना।	12
V	परिधान: परिधान एवं व्यक्तित्व, परिधान का चुनाव, ड्राफ्टिंग की विधि सीवन (प्रकार) परिधान में पूर्णता (डार्ड, प्लीट्स, टक्स, गेदरस) प्लैकेट ओपनिंग, फास्टर।	12
Keywords- तंतुओं का वर्गीकरण, विशेषताएँ, भौतिक एवं रासायनिक, आधारभूत परिसज्जाएँ, छपाई की विधियाँ, टाई एण्ड डाई, जल, साबुन, शुल्क धुलाई, सीवन (प्रकार) परिधान में पूर्णता।		

Handwritten signature

Part C: Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other Resources

Suggested Readings:

1. वस्त्र विज्ञान एवं परिधान का परिचय – डॉ. मंजु पाटनी, 2022 Edition, Star Publication.
2. Textile Science: an explanation of fiber properties - Gohl, E., Vile sky, L., 2 edition, New Age International Publishing.
3. वस्त्र विज्ञान एवं परिधान का परिचय – डॉ. बी.के.बख्शी, 2nd Edition, Vinod Pustak Mandir.
4. वस्त्र विज्ञान–बृन्दा सिंह, 19th Edition, Panchsheel Publication.
5. तंतु एवं वस्त्र विज्ञान – डॉ. शिप्रा बैनर्जी.
6. Fundamentals of Textiles and their care - Sushsila Dhantyagi, 5th Edition, Orient Black Swan.
7. Textile testing and analysis - Collier, B.J., & Epps, H.H. 1998 Edition, Prentice Hall Publishers

E-Learning Resources:

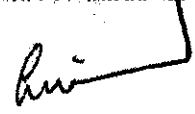
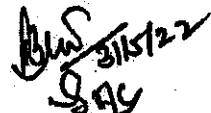
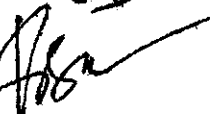
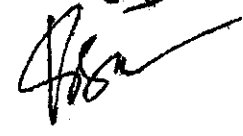

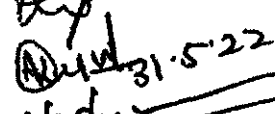

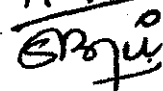


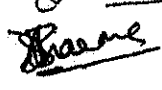

1. Study of Yarn
<https://www.google.com/search?q=Study+of+Yarn&>
2. Finishes
<https://www.google.com/search?q=finishes&>
3. Dyes
https://www.youtube.com/results?search_query=Dyes
4. Printing
https://www.youtube.com/results?search_query=Printing

Part D: Assessment and Evaluation

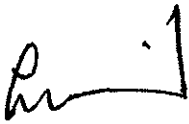
Suggested Continuous Evaluation Methods:-

University Exam (UE): 50

आज दिनांक 31.05.2022 को केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की मीटिंग गृहविज्ञान विभाग में आयोजित की गई जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए तथा विभिन्न गृहविज्ञान से संबंधित विषयों के पाठ्यक्रम संशोधित एवं अनुमोदित किये गये-

- डॉ. सीमा मिश्रा, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर - अध्यक्ष, 
- डॉ. बबीता दुबे - प्रतिनिधि, उच्च शिक्षा विभाग, नया रायपुर
- डॉ. भारती सेठी, डॉ. खुदचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गिलाई-3, दुर्ग - सदस्य 
- डॉ. संध्या वर्मा, शासकीय कला एवं वाणिज्य महावि. वेवेन्द्र नगर, रायपुर - सदस्य 
- डॉ. संध्या मदन मोहन, प्राचार्य, गिलाई महिला महाविद्यालय, गिलाई, एवं अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय - सदस्य 
- डॉ. रश्मि मिंज, दूधाघारी महिला महावि. रायपुर - सदस्य 
- डॉ. अरुणा दुग्गल, वामन राव पाटनकर महिला महावि. दुर्ग - सदस्य 
- डॉ. निशा श्रीवास्तव, होलीकास महिला महावि. अरिकापुर - सदस्य 
- डॉ. शिप्रा बनर्जी, दूधाघारी महिला महावि. रायपुर - सदस्य 
- श्रीमती मनता आर, देव, शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातको. महावि. राजनांदगांव छ.ग. - सदस्य 
- सुश्री सुषमा घई, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर - सदस्य 
- डॉ. दीपाली राव, शासकीय घनश्याम सिंह गुप्ता स्नातको. महावि. बालोद - सदस्य 
- डॉ. अर्चना दीक्षित, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर - सदस्य
- डॉ. शोभा महिस्वर, शासकीय माता शबरी महावि. बिलासपुर - सदस्य 

डॉ. वर्षा डोडिया, विषय विशेषज्ञ तथा शेष अन्य सदस्य अंतर्गत लाइन उपस्थित रहे.



Part A: Introduction			
Program: Diploma Course		Class: B.A. II Year	Year: 2022 Session:2022-2023
1	Course Code	BAHSC-4T	
2	Course Title	Home Science- Paper 4 (गृह प्रबंध)	
3	Course Type	Theory	
4	Pre-requisite (if any)	NO	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	<p>At the end of this course, the students will be enable to:</p> <ul style="list-style-type: none"> • To understand Basic Knowledge of Home management. • To understand Basic knowledge of work simplification. • To understand Basic knowledge time management, energy management. • To understand Basic knowledge Finance management. • To understand Basic knowledge of Interior Decoration. 	
6	Credit Value	Theory: 4	
7	Total Marks	Max. Marks: 50	Min Passing Marks: 17

Part B: Content of the Course		
Total Periods: 60		
Unit	Topics	No. of Periods
I	गृह प्रबंध: गृह प्रबंध की परिभाषा, गृह प्रबंध प्रक्रिया, परिवार में गृहणी के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व: मूल्य, लक्ष्य स्तर अर्थ विशेषता वर्गीकरण एवं विकास निर्णय प्रक्रिया।	12
II	गृह सज्जा: कला के सिद्धांत एवं कला के तत्व। नमूना: रचनात्मक एवं अलंकारमय नमूना, नमूने के सिद्धांत। रंग-रंग के महत्व एवं प्रभाव, फर्नीचर का चुनाव एवं महत्व गृह सज्जा के उपसाधन। पुष्प सज्जा, प्रकार, सिद्धांत उपयोग।	12
III	पारिवारिक साधन: पारिवारिक साधन, वर्गीकरण, विशेषतायें उपयोग की प्रमाणित करने वाले समय: अवधारणासमय, व्यवस्थापन के साधन। समय व्यवस्थापक की प्रक्रिया शक्ति: अवधारणा, विभिन्न घरेलू कार्यों में शक्ति का मूल्य, शक्ति व्यवस्थापन की प्रक्रिया। आय के साधन एवं प्रकार, पारिवारिक बजट, व्यय बचत रहन-सहन का स्तर, आय व्यय का लेखा जोखा (एकाऊंट कीपिंग)।	12
IV	रसोई घर, आधुनिक रसोई घर, प्रकार, रसोई घर के कार्यक्षेत्र ईंधन के गैर परम्परागत स्रोत, सौर ऊर्जा जल वितरण प्रणाली, वायु बीजन, प्रकाश की व्यवस्था संग्रह व्यवस्था।	12
V	कार्य का सरलीकरण: अर्थ कार्य विधियों एवं आदतों में सुधार की तकनीक, प्रोसेस चार्ट, पाथवे चार्ट, परिवर्तन की श्रेणियाँ। समय शक्ति एवं श्रम बचत की उपकरण।	12

पारिवारिक बजट, व्यय बचत रहन-सहन का स्तर, आय व्यय का लेखा जोखा (एकाऊंट कीपिंग), सौर ऊर्जा जल वितरण प्रणाली, कार्य का सरलीकरण, पाथवे चार्ट।

Part C: Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other Resources

Suggested Readings:

1. Family resource management- Brinda singh, 3rd Edition, Panchsheel Prakashan.
2. Family resource management – Premavathy Seetharaman, Sonia Batra, Preeti Mehra, 6th Edition, CBS Publication.
3. Family resource management- Tami James Moore, Sylvia M.Asay, 4th Edition, SAGE Publishing.
4. Foundation of Family resource management- Elizabeth B Goldsmith, 6th Edition, SAGE Publishing.
5. गृहव्यवस्था एवं गृहसज्जा- रीना खनूजा, 4th Edition, Bookman Publisher,
6. Management of Modern Families- Inma, N., Gross, Elizabeth Crandall, Manjori m. Knoll 2nd Edition Appleton Century Crofts Publisher.
7. Home Management- Varghese, MA, Srinivasan, Kogale, NN, 2nd Edition, New Age International Publisher.
8. Management for modern families- Gross, Cranall and Kholi, 3rd Edition, Princticee Hall Inc.
9. Management in Family living- Nickell and Dorsey, J, 4th Edition, Wiley Eastern Limited.
10. Family Resource Management and Interior Decoration - Bhargava, B, 4th Edition, Jaipur: Apple Printer and V. R. Printers
11. Home Management: Contexts and Concepts - Deacon, R. F., and Firebaugh, F.M. 7th Edition, Boston: Houghton Mifflin Company.

E- learning Resources:

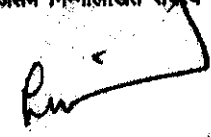
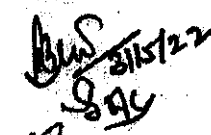
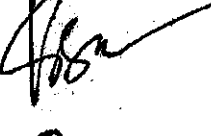
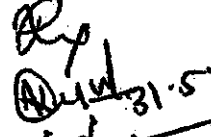
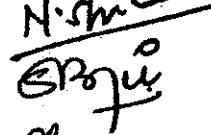
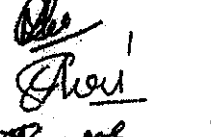
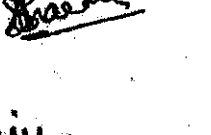

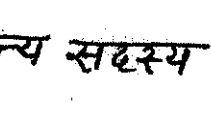



1. Management Process
https://www.youtube.com/results?search_query=management+process
2. Energy Management
https://www.youtube.com/results?search_query=process+of+energy+management+in+hindi

Part D: Assessment and Evaluation

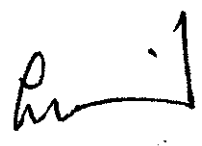
Suggested Continuous Evaluation Methods:-

University Exam (UE): 50

आज दिनांक 31.05.2022 को केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की मीटिंग गृहविज्ञान विभाग में आयोजित की गई जिसमें निम्नलिखित सत्रस्य उपस्थित हुए तथा विभिन्न गृहविज्ञान से संबंधित विषयों के पाठ्यक्रम संशोधित एवं अनुमोदित किये गये-

डॉ. सीमा मिश्रा, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर	- अध्यक्ष	
डॉ. बबीता दुबे	- प्रतिनिधि, उच्च शिक्षा विभाग, नया रायपुर	
डॉ. भारती सेठी, डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलाई-3, दुर्ग	- सदस्य	
डॉ. संघ्या वर्मा, शासकीय कला एवं बाणिज्य महावि. देवेन्द्र नगर, रायपुर	- सदस्य	
डॉ. संघ्या मदन मोहन प्रान्यार्य, बिलाई महिला महाविद्यालय, बिलाई	- सदस्य	
एवं अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय		
डॉ. रश्मि मिंज, दूधधारी महिला महावि. रायपुर	- सदस्य	
डॉ. अरुणा दुग्गल, वामन राव पाटनकर महिला महावि. दुर्ग	- सदस्य	
डॉ. निशा श्रीवास्तव, होलीकास महिला महावि. अंबिकापुर	- सदस्य	
डॉ. शिप्रा बनर्जी, दूधधारी महिला महावि. रायपुर	- सदस्य	
श्रीमती ममता आर. देव, शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातको. महावि. राजनांदगांव छ.ग.	- सदस्य	
सुश्री सुषमा घई, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर	- सदस्य	
डॉ. दीपाली राय, शासकीय घनश्याम सिंह गुप्ता स्नातको. महावि. बालोद	- सदस्य	
डॉ. अर्चना दीक्षित, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर	- सदस्य	
डॉ. सोमा महिस्वर, शासकीय माता शबरी महावि. बिलासपुर	- सदस्य	

डॉ. वर्षा डोडिया, विषय विशेषज्ञ तथा शेष अन्य सदस्य ऑन लाइन उपस्थित रहे.



Program: Diploma Course		Class: B.A. II Year	Year: 2022	Session: 2022-2023
1	Course Code	BAHSC-2P		
2	Course Title	Home Science- Practical 2		
3	Course Type	Practical		
4	Pre-requisite (if any)	Theoretical knowledge of textile & home decoration technology.		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	At the end of this course, the students will be enable to: 1. To understand Basic Knowledge of Home management. 2. To understand Basic knowledge of work simplification. 3. To understand Basic knowledge textile technology. 4. To understand Basic knowledge dyeing process. 5. To understand Basic knowledge of Interior Decoration.		
6	Credit Value	Practical: 2		
7	Total Marks	Max. Marks: 50	Min Passing Marks : 17	

Part B: Content of the Course	
Total Periods: 30	
Tentative Practical List	<p>Note: This is tentative list; the teachers concern can add more Experiments as per requirement.</p> <ol style="list-style-type: none"> सिलाई, ब्लाऊज, बेबी फाक, झबला, बाबा सूट, पंजाबी कुरता, सलवार, पेटीकोट, पुष्प सज्जा । धुलाई, विभिन्न वस्त्रों की धुलाई, घब्वे छुड़ाना, बांधनी का कार्य पुष्प सज्जा – अंक विवरण – सूत्रीय 10. सिलाई – 20 धुलाई – 15 (धुलाई का बांधनी –10, घब्वे छुड़ाना 5) पुष्प सज्जा – 5 वर्कशॉप- बांधनी, डाईंग, प्रिंटिंग पर आधारित (5 से 7 दिवसीय)

Part C: Learning Resources	
Text Books, Reference Books, Other Resources	
Suggested Readings:	
<ol style="list-style-type: none"> वस्त्र विज्ञान एवं परिधान का परिचय – डॉ. मंजु पाटनी, 2022 Edition, Star Publication. Textile Science: an explanation of fiber properties - Gohl, E., Vile sky, L., 2 edition, New Age International Publishing. वस्त्र विज्ञान एवं परिधान का परिचय – डॉ बी.के.बख्शी , 2nd Edition, Vinod Pustak Mandir. वस्त्रविज्ञान-बृन्दा सिंह, 19th Edition, Panchsheel Publication. तंतु एवं वस्त्र विज्ञान - डॉशिप्राबैनर्जी. Fundamentals of Textiles and their care - Sushsila Dhantyagi, 5th Edition, Orient Black Swan. 	

Publishers

E-Learning Resources:

1. Stitching

<https://www.google.com/search?q=Stitching&>

2. Flower decoration

[https://www.google.com/search?q=flower decoration&](https://www.google.com/search?q=flower+decoration&)

3. washing

https://www.youtube.com/results?search_query=washing

Part D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:-

University Exam (UE): 50

आज दिनांक 31.05.2022 को केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की मीटिंग गृहविज्ञान विभाग में आयोजित की गई जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए तथा विभिन्न गृहविज्ञान से संबंधित विषयों के पाठ्यक्रम संशोधित एवं अनुमोदित किये गये-

डॉ. सीमा मिश्रा, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर

- अध्यक्ष

डॉ. बबीता दुबे

- प्रतिनिधि, उच्च शिक्षा विभाग, नया सयपुर

डॉ. भारती सेठी, डॉ. चूबचंद बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गिलाई-3, दुर्ग

- सदस्य

डॉ. संख्या वर्मा, शासकीय कला एवं वाणिज्य महावि. देवेन्द्र नगर, रायपुर

- सदस्य

डॉ. संख्या मदन मोहन, प्राचार्य, गिलाई महिला महाविद्यालय, गिलाई.

- सदस्य

एवं अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय

डॉ. रविम मिंज, दूधाघारी महिला महावि. रायपुर

- सदस्य

डॉ. अरुणा दुग्गल, धामन राव पाटनकर महिला महावि. दुर्ग

- सदस्य

डॉ. निशा श्रीवास्तव, डोलीकरस महिला महावि. अर्बिकापुर

- सदस्य

डॉ. शिवा बनर्जी, दूधाघारी महिला महावि. रायपुर

- सदस्य

श्रीमती ममता आर. देव, शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातको. महावि. राजनांदगांव छ.ग.

- सदस्य

सुश्री सुषमा घई, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर

- सदस्य

डॉ. दीपाली राव, शासकीय धनरथाम सिंह गुप्त स्नातको. महावि, बालोव

- सदस्य

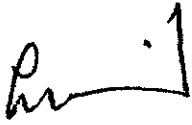
डॉ. अर्चना दीक्षित, शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर

- सदस्य

डॉ. शोभा महिस्वर, शासकीय माता शबरी महावि. बिलासपुर

- सदस्य

डॉ. वर्षा डोडिया, विषय विशेषज्ञ तथा शेष शून्य सदस्य अंतःकरण
उपस्थित रहे.



(1) हिन्दीसाहित्य	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(2) हिन्दीसाहित्य	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(3) अंग्रेजीसाहित्य	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(4) अंग्रेजीसाहित्य	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(5) अर्थशास्त्र	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः :75
(6) अर्थशास्त्र	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः :75
(7) इतिहास	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(8) इतिहास	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(9) राजनीतिशास्त्र	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(10) राजनीतिशास्त्र	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75

प्रस्तावित पाठ्यक्रमः

बी.ए.कलासिक्स (प्राच्यसंस्कृत)

बी. ए. कलासिक्स –द्वितीयवर्षम्

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रमः

अनिल

अनिल

अनिल

अनिल

बी. ए. क्लासिक्स (प्राच्यसंस्कृतम्) द्वितीयवर्षम्

अनिवार्य विषयाः प्रथमः

आधार पाठ्यक्रमः

(क) हिन्दी भाषा

पूर्णांकाः 75

(ख) अंग्रेजी / संस्कृत भाषा

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) आदर्शराजव्यवस्था-समाज-परिवारव्यवस्थाज्ञानम्।(2) संभाषणकलाज्ञानम्।

संस्कृत भाषा

पूर्णांकाः 75

(1) मूलरामायणम्

अंकाः 45

रामायणम्

क.

रामायणम्

रामायणम्

(2) लकार परिवर्तनम्

अंका:15

(3) वाक्य शुद्धिकरणम्

अंका 15

सहायक ग्रन्थाः

(1) प्रारंभिक रचनानुवाद कौमुदी (कपिलदेवद्विवेदीविरचिता)

(2) संस्कृत साहित्य का इतिहास (आचार्य बलदेव उपाध्यायविरचितः)

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) नाटकस्य ज्ञानम्।

(2) गद्यसाहित्यस्य ज्ञानम्।

अनिवार्य विषयः द्वितीयः

प्रथमं प्रश्न-पत्रम्

साहित्यम् इतिहासश्च

पूर्णांकाः 75

(क) साहित्यम्—

(1) अभिज्ञानशाकुन्तलम्— सम्पूर्णम् (महाकविकालिदासविरचितम्)

अंकाः 30

(2) हर्षचरितम्— प्रथमोच्छ्वासः (बाणभट्टविरचितम्)

अंकाः 25

(ख) इतिहासः

(3) संस्कृतसाहित्यस्य इतिहासः— प्राचीन—अर्वाचीनगद्यकथासाहित्य

संक्षिप्तज्ञानमपेक्षितम् (पंचतन्त्रम्, हितोपदेशम्, कादम्बरी, बेतालपंचविंशतिः,

हर्षचरितम्, दशकुमारचरितम्, शिवराजविजयम्, द्वासुपर्णा, कुमुदनीचन्द्रम्,

ओम् शान्तिः

अंका 20

सहायक ग्रन्थाः—

(1) संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय









(2) संस्कृत साहित्य का इतिहास –पं चंद्रशेखर पाण्डेय

(3) संस्कृतसाहित्यविमर्षः –पं द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) धातुरूपज्ञानम् । (2) अनुवादकलादक्षतायाः ज्ञानम् ।

द्वितीयं : प्रश्नपत्रम्

व्याकरणम् अनुवादश्च

पूर्णांकाः 75

(क) मध्यसिद्धान्त कौमुदी भ्वादिगणात् लकारप्रक्रियां यावत्)

चुराद्यन्तः विषेषतोऽध्येयाः धातवः—

अंकाः 45

(1) भ्वादिगणे— भू, अत्, विध्, पच्, अर्च वन्, षण्, ब्रज्, कटे, गुप्, क्षि
कम्, पा धेट्, श्रृ, दृशिर्, गम्लृ, जि, एध्, कमु द्युत्, वृत्, कृप्, त्रपुष्
व्यथ्, भृज्

(2) अदादिगणे— अद्, हन्, रुदिर्, जाग्, शासु, शीड्, ईड्, ब्रूज् ।

(3) जुहोत्यादिगणे— जिभि, ओहाक्, माड्, डुधाञ्

(4) दिवादिगणे— दिव्, नृती, त्रसी, शो, णश, शिल्ष, असु, यस्, जनि ।

(5) स्वादिगणे— षुज्, चिज्, स्तृज्, तृप्, अशु ।

(6) तुदादिगणे— तुद्, भ्रस्ज्, मुच्लृ, शदलृ, कृ, प्रच्छ् ।

(7) रुधादिगणे— रुधिर्, हिसि, अञ्जु, भुज् ।

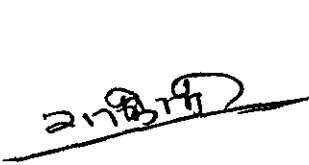
(8) तनादिगणे— तनु, षणु, डुकृञ् ।

(9) कयादिगणे— डुकीञ्, स्तम्भु, ग्रह् ।

(10) चुरादिगणे— चुर्, प्रीञ्, प्रथ्, गण् ।

(ख) निर्देशानुसारं धातुरूपलेखनम्

अंकाः 15









(ग) अनुवादः पाठ्यग्रन्थः— रचनानुवादकौमुदी (पाठाः 21-40)

अंकाः 15

सहायकग्रन्थाः—

- (1) शीघ्रबोध-व्याकरणम्— पुष्पा दीक्षित
- (2) व्याकरणचन्द्रोदय — पं चारुदेवशास्त्री

पाठ्यक्रमपरिणामाः

- (1) विश्वबंधुत्वम् । (2) ब्राह्मणग्रन्थानां परिचयः ।

वैकल्पिक विषयाः

(1) वेदः

प्रथमं : प्रश्न-पत्रम्

पूर्णांकाः 75

- (1) शुक्लयजुर्वेदः महीधरभाष्यम् 1-2 अध्यायौ

अंकाः 30

- (2) शतपथ ब्राह्मणम्—प्रथम काण्डे अध्यायौ 1-2

अंकाः 30

- (3) शुक्लयजुर्वेदतृतीयोऽध्यायः— सस्वरपाठ

अंकाः 15

पाठ्यक्रमपरिणामाः

- (1) विश्वशान्तेरुपायाः । (2) शब्दार्थज्ञानम् ।

वेदः

द्वितीयं : प्रश्नपत्रम्

पूर्णांकाः 75

- (1) शुक्लयजुर्वेदः महीधरभाष्यम् 39-40 अध्यायौ

अंकाः 30

- (2) निरुक्तम्— यास्काचार्यप्रणीतम् तृतीय-चतुर्थाध्यायौ

अंकाः 30

- (3) शुक्लयजुर्वेदचतुर्थोऽध्यायः— सस्वरपाठ

अंकाः 15

पाठ्यक्रमपरिणामाः









(1) पाणिनीयसूत्राणां वार्तिकानांज्ञानम्। (2) पदविधानम्

(2) व्याकरणम्

प्रथमं : प्रश्न-पत्रम्

पूर्णांकाः 75

(1) सिद्धान्तकौमुदी- भट्टाजिदीक्षितप्रणीता। भ्वादिगणमात्रम्

अंका 60

(2) सिद्धान्तकौमुदी- भट्टाजिदीक्षितप्रणीता-

तिङन्तात्मनेपदपस्मैपदप्रकरणम्

अंकाः 15

पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) धातुरुपज्ञानम्।

(2) उपसर्गाणां महत्वम्

व्याकरणम्

द्वितीयं प्रश्न-पत्रम्

पूर्णांकाः 75

(1) सिद्धान्तकौमुदी- भट्टाजिदीक्षितप्रणीता।

अदादि, जुहोत्यादि, दिवादि, स्वादि, तुदादि, रुधादि, तनादि,
कयादि, चुरादि गणाः

अंकाः 60

(2) शीघ्रबोध-व्याकरणम् (पुष्पा दीक्षितप्रणीतम्)

(नवमः पाठःउपसर्गयोगे धात्वर्थ परिवर्तनम्)

अंकाः 15

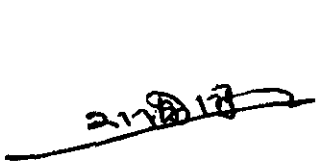
पाठ्यक्रमपरिणामाः

(1) काव्यशास्त्रज्ञानम्। (2) राष्ट्रिय एकतायाः ज्ञानम्।

(3) साहित्यम्

प्रथमं : प्रश्न-पत्रम्

पूर्णांकाः 75









- | | |
|--|----------|
| (1) चन्द्रालोकः— पञ्चमयूखः (जयदेवप्रणीतम्) | अंकाः 35 |
| (2) भारताभिज्ञानशतकम् सम्पूर्णम् (बालकृष्ण शर्मा विरचितम्) | अंकाः 20 |
| (3) प्रेक्षणसप्तकम्— सम्पूर्णम् (राधावल्लभत्रिपाठी विरचितम्) | अंकाः 20 |

पाठ्यक्रमपरिणामाः

- (1) महाकाव्यस्यज्ञानम् (2) राजनैतिकव्यवस्थायां शुचिता ।
 (3) अर्वाचीनसंज्ञकृतकाव्यविधानां ज्ञानम् ।

साहित्यम्

द्वितीय प्रश्नपत्रम्

पूर्णांकाः 75

- | | |
|--|----------|
| (1) किरातार्जुनीयम्— 1-2 सर्गौ (भारविवरचितम्) | अंकाः 30 |
| (2) शिशुपालवधम्— प्रथमसर्गः (माघविरचितम्) | अंकाः 25 |
| (3) अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये प्रयुक्तनूतनकाव्यविधानां परिचयः
(गज्जलिका, कव्वाली, गीतिः, उपन्यासः, लघुकथा, आत्मकथा,
यात्रावृत्तान्तम्, हास्यव्यंग्यम्, ललितनिबन्धम्, जीवनवृत्तम्
रेडियोरूपकम्, पत्रसाहित्यम्, बालसाहित्यम्) | अंकाः 20 |

पाठ्यक्रमपरिणामाः

- (1) भारतीयज्योतिषविषयकं ज्ञानम् । (2) मुहूर्तविषयकं ज्ञानम् ।
 (4) ज्योतिषम्

प्रथमं प्रश्न-पत्रम्

पूर्णांकाः 75

- | | |
|---|----------|
| (1) ग्रहलाघवम् (आदितः सूर्यचन्द्रस्पष्टाधिकारं यावत्) | अंकाः 45 |
| (2) मुहूर्तचिंतामणिः (आदितो गोचपप्रकरणम्) | अंकाः 35 |









Í शुभाशुभ-नक्षत्रप्रकरणद्वयम् ।

ÍÍ संक्रान्ति-गोचरप्रकरणद्वयम् ।

पाठ्यक्रमपरिणामाः

- (1) भारतीयज्योतिषविषयकं ज्ञानम् ।
- (2) समस्यानां ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या समाधानम् ।

ज्योतिषम्

द्वितीयं प्रश्न-पत्रम्

पूर्णांकाः 75

(1) ताजिकनीलकण्ठी (प्रथमं तन्त्रम्)

अंकाः 45

(2) मध्यपाराशरी

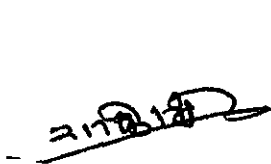
अंकाः 30

Í 1-4 परिच्छेदाः ।

ÍÍ 5-8 परिच्छेदाः ।

वैकल्पिक आधुनिकविषयाः

(1) हिन्दीसाहित्य	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(2) हिन्दीसाहित्य	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(3) अग्रेजीसाहित्य	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(4) अग्रेजीसाहित्य	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(5) अर्थशास्त्र	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः :75
(6) अर्थशास्त्र	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः :75
(7) इतिहास	प्रथमप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75
(8) इतिहास	द्वितीयप्रश्नपत्रम्	पूर्णांकाः 75









(9) राजनीतिशास्त्र

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकाः 75

(10) राजनीतिशास्त्रं

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकाः 75

००

प्रस्तावित पाठ्यक्रमः

बी.ए. क्लासिक्स (प्राच्यसंस्कृतम्)

बी. ए. क्लासिक्स तृतीयवर्षम्

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रमः

राजनीतिशास्त्र







Syllabus for B.A./ B.Sc. Course, 2023-26

Subject: Statistics

Part - II

	Title of the paper	MAX. Marks
B.A./B.Sc. I	Paper-I: प्रायिकता सिद्धांत Probability Theory	50
	Paper-II: वर्णनात्मक सांख्यिकी Descriptive Statistics	50
	Paper III: प्रयोगात्मक (प्रश्नपत्र I तथा II पर आधारित) Practical (Based on papers I and II)	50
	Total	150
B.A./B.Sc. II	Paper-I: सांख्यिकीय पद्धतियाँ Statistical Methods	50
	Paper-II: प्रतिचयन सिद्धांत और प्रयोगों की अभिकल्पना Sampling Theory and Design of Experiments	50
	Paper III: प्रयोगात्मक (प्रश्नपत्र I तथा II पर आधारित) Practical (Based on papers I and II)	50
	Total	150
B.A./B.Sc. III	Paper I: अनुप्रयुक्त सांख्यिकी Applied Statistics	50
	Paper II: सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रण और अभिकलनी तकनीक Statistical Quality Control and Computational Techniques	50
	Paper III: प्रयोगात्मक (प्रश्नपत्र I तथा II पर आधारित) Practical (Based on papers I and II)	50
	Total	150

22/2/2023

*(Chairman)
Central Board of Studies
in Statistics*

PROFESSOR & HEAD
School of Studies in Statistics
*1, Rowanbar Shukla University,
DABER (B. G.)

Paper III
प्रयोगात्मक (प्रश्नपत्र I तथा II पर आधारित)
Practical (Based on papers I and II)

- 1 केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें, फैलाव, विषमता एवं कुकुदता की गणना ।
Calculation of Measures of Central Tendency, dispersion , skewness and kurtosis.
- 2 गुणन आघूर्ण सहसंबंध गुणांक एवं सहसंबंध अनुपात की गणना ।
Calculation of Product Moment Correlation and Correlation Ratio.
- 3 न्यूनतम वर्ग विधि द्वारा वक्रों का आसंजन ।
fitting of curve by least square method.
- 4 दो चरों के लिए समाश्रयण समीकरण का आकलन करना ।
Fitting of Curves by the least square method.
- 5 स्पियरमैन कोटि सहसंबंध की गणना ।
Calculation of Spearman's Rank correlation Coefficient.
- 6 तीन चरों के लिए बहुआयामी समाश्रयण की गणना ।
Calculation of Multiple regression for three variables.
- 7 तीन चरों के लिए बहुआयामी एवं आंशिक सहसंबंध की गणना ।
Calculation of Multiple correlation and partial correlation for three variables.
- 8 गणितीय प्रत्याशाओं की गणना । प्रत्याशा की सहायता से माध्य, प्रसरण विषमता और कुकुदता की गणना करना ।
Calculation of mathematical expectations. Using Expectation find mean, variance, skewness and kurtosis.
- 9 द्विपद, पॉइसॉन और प्रसामान्य बंटनों का आसंजन ।
Fitting of Binomial, Poisson and Normal distribution.

B.A. / B.Sc. II Year
Subject-Statistics

Paper-I
Statistical Methods

उद्देश्य :- यह पाठ्यक्रम आकड़ों के सांशान और विश्लेषण में उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों के साथ छात्रों के लिये उपयोगी है। फोकस सैद्धांतिक और व्यवहारिक दोनों पहलुओं पर होगा। यह अनुसंधान पद्धति और केस स्टडी अत्यधिक उपयोगी है। कोर्स जॉब ओरिएंटेड है।

Outcome: This course is useful for the students conversant with various techniques used in summarization and analysis of data. The focus will be both on theoretical as well as practical

Signature

aspects. This is highly useful in research methodology and case study. The course is job oriented.

Unit I

बंटन से प्रतिचयन :- यादृच्छिक प्रतिदर्श की परिभाषा, मानक बंटनों (द्विपद, प्वासों और प्रसामान्य) का यादृच्छिक प्रतिचयन, यादृच्छिक चरों के फलन के बंटन की अवधारणा, सांख्यिकीय अवधारणा और इसका प्रतिचय बंटन, प्राचल का बिंदु आकलन, अच्छे आकलन की विशेषताएँ, किसी आकलन के पक्षपात एवं मानक त्रुटि की अवधारणा, प्रतिदर्श माध्य तथा प्रतिदर्श अनुपात की मानक त्रुटि, द्विपद घरो, प्वासों घरों तथा प्रसामान्य बंटन के माध्य के योग का प्रतिचयन बंटन, प्रसामान्य बंटन में यादृच्छिक प्रतिचयन के प्रतिचय माध्य तथा प्रसरण की स्वतंत्रता ।

Sampling from a distribution : Definition of a random sample ,simulating random sample from standard distributions(uniform, Normal, Exponential) ,concept of derived distributions of a functions of random variables, concept of a statistic and its sampling distribution. Point estimate of a parameter. Properties of a good estimator, Concept of bias and standard error of an estimate .Standard errors of sample mean, sample proportion. Sampling distribution of sum of Binomial, Poisson and mean of Normal distributions. Independence of sample mean and variance in random sampling from a Normal distribution (without derivation).

Unit II

सांख्यिकीय परीक्षण एवं अंतराल आकलन : शून्य एवं वैकल्पिक परिकल्पना, त्रुटियों के प्रकार, सार्थकता स्तर, पी.मान, एकता एवं द्वि प्छ परीक्षण, परिकल्पना परीक्षण की विधि, कार्ई वर्ग परीक्षण, स्टुडेंट टी परीक्षण एवं एफ परीक्षण का कथन, एकल प्रसामान्य बंटन के एक माध्य तथा प्रसरण का परीक्षण, एकल प्रसामान्य बंटन में प्राप्त द्विमाध्य एवं प्रसरण के समानता का परीक्षण, संबंधित विश्वसनीयता अंतराल, द्विचर प्रसामान्य बंटन से प्राप्त प्रतिदर्श सहसंबंध के सार्थकता की जाँच एवं द्विचर प्रसामान्य बंटन से प्रतिचयित माध्यों एवं प्रसरणों के समानता का परीक्षण ।

Statistical tests and interval estimation: Null and alternative hypothesis. Types of errors, level of significance, p values, one and two tailed tests, Procedure for testing of hypothesis. Statement of chi-squares, Student's t and F statistics. Testing for the single mean and variance of a univariate normal distribution, testing the equality of two means and testing for the equality of two variances of two univariate normal distributions. Related confidence intervals. Testing for the significance of sample correlation in sampling from bi-variate normal distribution and for equality of means and equality of variances in sampling from bivariate normal populations.

Unit III

बृहद प्रतिदर्श परीक्षण : परीक्षण के लिये केन्द्रीय सीमान्त प्रमेय का उपयोग। एकल माध्य एवं एकल अनुपात, दो माध्यों का अन्तर तथा द्विअनुपात की विश्वसनीयता आकलन । फिशर का जेड परिवर्तन एवं उसका उपयोग। गुडनेस आफ फिट तथा मानक बंटनों के एकरूपता के लिए कोई परीक्षण । अनुसंगिकता सारणी में स्वतंत्रता परीक्षण ।

Large sample tests: use of central limit theorem for testing and interval estimation of a single mean and a single proportion and difference of two means and two proportions, Fisher's Z transformation and its uses. Pearson's chi-square test for goodness of fit and for homogeneity for standard distributions. Contingency table and test of independence in a contingency table.

Unit IV

अप्राचलिक परीक्षण : कोटि सांख्यिकी की परिभाषा एवं उनका बंटन, अप्राचलिक परीक्षण, एकल तथा द्वि बंटनों के लिये ज्या परीक्षण, विलकॉक्सन परीक्षण, मैन व्हिटिनी परीक्षण, रण परीक्षण, माध्यिका परीक्षण तथा स्पीयरमैन कोटि सहसंबंध परीक्षण



Nonparametric tests: Definition of order statistics and their distributions, Non-parametric tests, Sign test for univariate and bivariate distributions, Wilcoxon test, Mann-Whitney test, Run test, median test and Spearman's rank correlation test.

Unit V

चार संक्षिप्त टिप्पणी, प्रत्येक इकाई से एक पूछा जाएगा। छात्रों को किन्हीं दो का उत्तर देना है।

Four short notes, one from each unit will be asked. Students have to answer anytwo.

REFERENCES

1. Frund J.E.(2001)Mathematical Statistics, Prentice Hall of India.
- 2.Goon A.M., Gupta M.K., Das Gupta.B. (1991):Fundamentals of Statistics, Vol.I, World Press, Culcutta.
3. Gupta and Kapoor: Fundamentals of Mathematical Statistics S.Chand & Sons.
- 4.Hodges, J.L. and Lehman E.L. (1964): Basic Concepts of Probability and Statistics, Holden Day.
- 5.Mood A.M, Graybill F.A and Boes D.C. (1974): Introduction to the Theory of Statistics, McGraw Hill.

ADDITIONAL REFERENCES

- 1..Bhat B.R., Shrivenktramana T and Rao Madhava K.S. (1997): A Beginner's Text, Vol. II, New age International (P) Ltd.
2. Rohatgi, V.K. (1967): An Introduction to Probability Theory and Mathematical Statistics, John Wiley & Sons.
3. Snedecor, G.W. and Cochran W.G. (1967): Statistical Methods. Iowa State University Press.

Paper-II

प्रतिचयन सिद्धांत और प्रयोगों की अभिकल्पना

Sampling Theory and Design of Experiments

उद्देश्य— छात्र प्राप्त करेंगे

- (अ) पूर्ण गणना और प्रतिदर्श, प्रतिदर्श फ्रेम, प्रतिदर्श बंटन, प्रतिचयन और गैर प्रतिचयन त्रुटियों का बुनियादी ज्ञान, प्रतिदर्श सर्वेक्षण में प्रमुखचरण प्रतिचयन की सीमाएं आदि।
- (ब) विभिन्न सांख्यिकीय प्रतिचयन योजनाओं जैसे सरल, स्तरीकृत और व्यवस्थित प्रतिचयन के पेश किया गया।
- (स) प्रतिदर्श सर्वेक्षण आयोजित करने और उपयुक्त प्रतिदर्श तकनीक का चयन करने का विचार।
- (द) विभिन्न प्रतिचयन तकनीकों की तुलना करने के बारे में ज्ञान।
- (य) विचरण का एक तरफा और दो तरफा विश्लेषण करना।
- (र) प्रयोगों के अभिकल्पना में प्रयुक्त मूल शब्दों को समझे।
- (ल) प्रयोगात्मक आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिये उपयुक्त प्रयोगात्मक अभिकल्पनाओं का उपयोग करें।
- (व) मल्टीपल रेंज टेस्ट, मल्टीपल टी-टेस्ट लागू करें।

Outcome: The students shall get

- (a) basic knowledge of complete enumeration and sample, sampling frame, sampling distribution, sampling and non-sampling errors, principal steps in sample surveys, limitations of sampling etc.,
- (b) introduced to various statistical sampling schemes such as simple, stratified and

- systematic sampling.
- an idea of conducting the sample surveys and selecting appropriate sampling techniques,
 - knowledge about comparing various sampling techniques.
 - carry out one way and two way Analysis of Variance.
 - understand the basic terms used in design of experiments,
 - use appropriate experimental designs to analyze the experimental data,
 - apply Multiple range tests, the multiple t-test.

UNIT-I

प्रतिदर्श सर्वेक्षण का अभिकल्पना, प्राचल और सांख्यिकी प्रतिदर्श सर्वेक्षण में सिद्धांत चरण, प्रतिदर्श सर्वेक्षण का सिद्धांत, प्रतिचयन और गैर प्रतिचयन त्रुटियां, पूर्ण जनगणना पर प्रतिदर्श का लाभ, प्रतिदर्श की सीमाएं। प्रतिचयन के प्रकार : व्यक्तिपरक या निर्णय प्रतिचयन, प्रायिकता प्रतिचयन, मिश्रित प्रतिचयन।

सामान्य यादृच्छिक प्रतिचयन (प्रतिस्थापन के साथ और बिना), सामान्य यादृच्छिक प्रतिचयन के गुण और सीमाएं। साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्श के चयन की विधियां, लॉटरी विधि, यादृच्छिक संख्याओं के आधार पर विधि। निदर्श माध्य/कुल का आकलन और उनकी भिन्नताएं और मानक त्रुटियां, प्रतिदर्श आकार का निर्धारण, विशेषताओं के लिये सामान्य यादृच्छिक प्रतिचयन।

Design of Sample Surveys, parameter and Statistics, principle step in sample survey, inciple of sample survey, sampling and non-sampling errors advantage of sampling over complete ensus, limitations of sampling. Types of Sampling: Subjective or Judgement sampling, Probability sampling, mixed sampling. Simple random sampling (with and without replacement), Merits and limitations of Simple random sampling. Methods of selecting imple random sample, lottery method, method based on random numbers. Estimation of population mean/total and their variances and standard errors, determination of sample size, simple random sampling for attributes.

UNIT-II

स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन: स्तरीकरण के सिद्धांत, संकेतन, निदर्श माध्य और भिन्नता का आकलन, लागत फलन, आवंटन तकनीक, आनुपातिक और इष्टतम आवंटन, सामान्य यादृच्छिक प्रतिचयन के साथ स्तरीकृत प्रतिचयन की तुलना।

Stratified random sampling: principles of stratification, notations, estimation of population mean and variances, cost function, allocation techniques, proportional and optimum allocations, comparison of stratified sampling with simple random sampling.

UNIT-III

विचरण का विश्लेषण (एनोवा) : परिभाषा, एनोवा परीक्षण के लिए अवधारणा, निश्चित प्रभाव मॉडल के लिय गणितीय मॉडल और प्रति प्रकोष्ठ एकल अवलोकन का एक आयामि और द्विआयामि वर्गीकरण में प्रसरण का विश्लेषण। टकी परीक्षण।

प्रयोगों के अभिकल्पना का परिचय: शब्दावली, प्रयोग, निरूपण, प्रयागिक इकाई, ब्लॉक, प्रयागिक त्रुटि, प्रतिरूप, परिशुद्धता एवं यथार्थता। प्रयोगों के अभिकल्पना की आवश्यकता, भूखंडों और ब्लॉकों के आकार और आकार, प्रयोगों के अभिकल्पना के मौलिक सिद्धांत: यादृच्छिककरण, प्रातिकृति और स्थानीय नियंत्रण।

Analysis of variance (ANOVA): Definition, assumption for ANOVA test, Mathematical model and Analysis of variance in one way and two way classifications for fixed effect model with one observation per cell. Tukey test.

Introduction to design of experiments: terminology, experiment, treatment, experimental Units, blocks, experimental error, replication, precision and accuracy, need for design of experiments, size and shape of plots and blocks, fundamental principles of design of experiments: Randomization, Replication and Local control.

[Handwritten signature]

UNIT-IV

पूर्ण यादृच्छिक अभिकल्पना (सीआरडी) यादृच्छिक ब्लॉक अभिकल्पना (आर.बी.डी.), लैटिन वर्ग अभिकल्पना (एल एस डी) और उनका अभिन्यास और विश्लेषण, बहुआयामी सीमा परीक्षण। बहुआयामी टी-परीक्षण।

Completely Randomized Design (CRD), Randomized Block Design (RBD), Latin Square Design (LSD) and their layout and analysis. Multiple range tests, the multiple t- test.

UNIT V

चार संक्षिप्त टिप्पणी, प्रत्येक इकाई से एक पूछा जाएगा। छात्रों को किन्हीं दो का उत्तर देना है।

Four short notes one from each Unit will be asked. Students have to answer any two.

REFERENCES

1. Cochran W.G. (1977): Sampling Techniques, John Wiley and Sons.
2. Des Raj (2000): Sample Survey Theory, Narosa Publishing House.
3. Murthy M.N. (1967): Sampling Theory and Methods, Statistical Publishing Society, Calcutta.
4. Singh, D. and Chaudhary, F.S. (1986): Theory and analysis of Sample Survey Designs. New Age International Publisher.
5. Sukhatme P.V., Sukhatme B.V., Sukhatme S. and Ashok C. (1984), : Sample Survey Methods and Its Applications, Indian Society of Agricultural Statistics, New Delhi.
6. Das M.N. and Giri (1986) : Design and analysis of experiments, Springer Verlag.
7. Goon A.M., Gupta M.K., Das Gupta B. (1986): Fundamentals of Statistics, Vol. II, World Press, Calcutta.
8. Joshi, D.D. (1987): Linear Estimation and Design of Experiments, Wiley Eastern.
9. Kempthorne O. (1965) : The Design and Analysis of Experiments, Wiley Eastern.

Paper III

प्रयोगात्मक (प्रश्नपत्र I तथा II पर आधारित)
Practical (Based on papers I and II)

1. सामान्यीकृत एकल चर असतत एवं सतत बंटन से प्रतिदर्श का चयन जैसे की द्विपद, प्वॉसों, सामान्य, कॉशी और घातीय बंटन।
drawing random samples from standard univariate discrete and continuous distributions such as Binomial, Poisson, Normal, Cauchy and Exponential.
2. स्टूडेंट टी, काईवर्ग, एफ परीक्षण के आधार पर सार्थकता का परीक्षण। प्रतिदर्श सहसंबंध गुणांक के सार्थकता का परीक्षण। जेड रूपांतरण का उपयोग, द्विचर सामान्य बंटन से प्रतिचयन में माध्य और प्रसरण के सममितता का परीक्षण।

Tests of significance based on Student's t, Chi-square, F. Test of significance of sample correlation coefficient. Use of Z Transformation. Testing of equality of means and equality of variance in sampling from bivariate normal.

3. मध्य और समानुपात के लिए वृहद प्रतिदर्श परीक्षण, आकास्मिक तालिका में गुडनेस आफ फिट और चरो की स्वतंत्रता का परीक्षण।

Large sample tests for means and proportions, tests of goodness of fit and independence of attributes in contingency tables.

4. गैर-प्राचलिक परीक्षण: ज्या रन, माध्यिका, विलकॉक्सन, मान-विटन परीक्षण।

Nonparametric tests: Sign, Run, Median, Wilcoxon, Mann-Whitney tests.

5. प्रतिदर्श का चयन और प्रतिदर्श के आकार का निर्धारण। सामान्य यादृच्छिक प्रतिचयन, स्तरीकृत और व्यवस्थित प्रतिचयन स्तरीकृत प्रतिचयन में प्रतिदर्शों के बंटन की समस्या। आकलन के अनुपातीक और समाश्रयण विधियों।

Selection of samples and determination of sample size. Simple random sampling, Stratified and systematic sampling. Allocation problem in stratified sampling. Ratio and regression methods of estimation.

6. एक आयामी और द्वि-आयामी वर्गीकरणों के लिए, प्रसरण का विश्लेषण। पूर्ण यादृच्छिक अभिकल्पना, यादृच्छिक ब्लॉक अभिकल्पना और, लैटिन वर्ग अभिकल्पनाओं का विश्लेषण 2^2 और 2^3 प्रयोगों का विश्लेषण।

Analysis of variance for one way and two way classifications. Analysis of CRD, RBD and LSD. Analysis of 2^2 and 2^3 experiments.

B.A. /B.Sc. III Year
Subject: Statistics

Paper I
अनुप्रयुक्त सांख्यिकी
Applied Statistics

उद्देश्य: छात्र प्राप्त करेंगे

- (अ) विभिन्न विधियों द्वारा सूचकांक संख्या की गणना।
(ब) समय श्रृंखला आंकड़े, अनेक क्षेत्रों में इनके अनुप्रयोग और इनके अवयव
(स) अनेक वृद्धि वक्रों का आसंजन और आरेखन
(द) अनेक विधियों द्वारा रूझान और मौसमी अवयवों का आसंजन।
(य) चरों के अवयव विधि द्वारा यादृच्छिक अवयव के प्रसरण की गणना।
(र) वास्तविक जीवन अवस्था का आय बंटन और इनके आसंजन।

Outcome: the students will know about

- (a) Computation of Index Numbers by various methods.
(b) time series data, its applications to various fields and components of time series,
(c) fitting and plotting of various growth curves.
(d) fitting of trend and seasonal component by various methods.
(e) calculation of variance of random component by variate component method
(f) income distributions and their fitting in real life situations,

Unit I

भारतीय अनुप्रयुक्त सांख्यिकी प्रणाली : भारत में वर्तमान अधिकारिक सांख्यिकीय प्रणाली, अधिकारीक सांख्यिकी के आंकड़ों के संग्रहण की विधियाँ, उनके विश्वासनीयता और सीमायें, और प्रमुख प्रकाशनों और संचार, बैंकिंग और वित्त जैसे विषयों पर ऐसे आंकड़े हैं।



बी. ए. पाठ्यक्रम

उर्दू

पाठ्यक्रम का उद्देश्य—

1. उर्दू का आगाज़ और इर्तेका — उर्दू का हिन्दुस्तान में किस तरह आगमन हुआ तथा तात्कालीन स्थितियों का चित्रण उपलब्ध है। पाठ्यक्रम से छात्रों का भाषा, संस्कृति, गजल व नज़्म में भेद तथा आध्यात्मिकता का संपूर्ण ज्ञान।
2. उर्दू कथा साहित्य — आधुनिक जीवन की विविध छवियों का यथार्थ स्वरूप, जीवन अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों का साक्षात्कार कराता है।
3. उर्दू ड्रामा व मज़मून — इसमें आधुनिक शैली का यथार्थ, विविध परिस्थितियों का साक्षात्कार (सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, आर्थिक) ड्रामा के माध्यम से इतिहास का परिचय।
4. आधुनिक उर्दू साहित्य — आधुनिकता की समस्त विशेषताओं का परिचायक है। आज़ादी पूर्व व पश्चात् भाषा, शैली, वैचारिक यात्रा का बोध कराता है।
5. उर्दू खुतूत निगारी — गालिब से लेकर मेहंदी हसन तक के खुतूत का मजमुआ पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, साथ में उर्दू खुतूत का आगाज़, शैली और लिखने के तरीकों को विस्तार से बताया गया है।
6. छत्तीसगढ़ के शायर — छत्तीसगढ़ के शायर और अदीबों का जिक्र किया गया है।
7. उर्दू के शायरों का परिचय — उर्दू के मशहूर शायर जैसे—गालिब, मीर, मौमिन, निदा फाज़ली, इकबाल तथा हिदायत अली के जीवन और शायरी को विस्तार से बताया गया है।
8. उर्दू लेख और लेखकों का परिचय।
9. मशी प्रेमचन्द, मीटो, इस्मत चुकताई जैसे लेखकों का जीवन परिचय व लेख का परिचय।

10. उर्दू अखबार और उसके महत्त्व – आजादी के समय अखबारों का महत्त्व।
11. उर्दू भाषा और उसके विभिन्न रूप।
12. कौशल विकास के अन्तर्गत उर्दू अनुवाद की समझ रोजगार के अवसर प्रदान करना।
13. मर्सिया निगारी का ज्ञान प्रदान करना।
15. कसीदा निगारी के अर्थ (किसी की तारीफ में लिखा जाने वाला काव्य) को समझाना।
16. मर्सिया निगारी अर्थात् किसी के शोक में कहा गया काव्य की लेखक शैली को समझाना।

27-05-2022

बी.ए. - 2

प्रथम प्रश्न-पत्र

खुतूत निगारी, तन्जुमजह और तन्कीद

पाठ्य विषय - आसान खत लिखने की शुरुआत कैसे हुई इस की जानकारी प्राप्त करना।

पूर्णांक -75

क्रेडिट-05

कालखण्ड -90

- यूनिट-1 : गालिब के खुतूत की खुसूसियात
मौलाना आजाद - मौलाना आजाद के खुतूत की खुसूसियात
मेहंदी अफादी- मेहंदी अफादी के खुतूत की खुसूसियात
- यूनिट-2 : तन्जुमजह - रूम को रवानगी- स्तननाथ सरशार
- यूनिट-3 : गदागर की बीवी-मूल्ला रमूजी
- यूनिट-4 : मेहर ठहराया-तखल्लुस भोपाली
तन्कीद - फने बलागत-शिवली नोमानी
गालीब और हम-मजनू गोरखपुरी
इकबाल की अजमत-आल अहमद सुरूर
चकबस्त बहैसियत पयाम्बरे दौरे जदीद-एहतेशाम हुसैन
- यूनिट-5 : शामिले निसाब खुतूत पर सवालात
शामिले निसाब खुतूत निगारों पर सवालात
शामिले निसाब तन्जुमजह पर सवालात
शामिले निसाब तन्कीद निगारों पर सवालात और इकतेबासात की तशरीह

ASW
21-05-2022

बी.ए. - 2
द्वितीय प्रश्न-पत्र
मन्जूमात और मस्नबियात

पूर्णांक -75
केडिट-05
कालखण्ड -90

पाठ्य विषय - इतने उच्च नज्म। नगरों से छात्रों का परिचय।

यूनिट-1 : मन्जूमात- नजीर अकबरशाबादी

आदमीनामा- बरसात की बहारें-अल्ताफ हुसैन हाली, हुब्बे वतन,
चुप की दाद-अकबर इलाहाबादी, अल्लामा इकबाल, पंडित बृज नारायण
चकबस्त, जोश, फौज, मख्तूम की मन्जूमात पाठ्यक्रम में शामिल है।

यूनिट-2 : मसनवियात- सहरूल बयान-मीर हसन

दास्तान शहजादा बेनजीर की पैदाईश

बाग की ओर, बेनजीर के गमे हिजर की एवं बद्र-ए-मुनीर का अपने वतन
ले जाने और माँ-बाप से मुलाकात कराने की

यूनिट-3 : गुलजारे नसीम-दयाशंकर नसीम

अवारा होना बकावली का ताजुलमुलूक, गुलची की तलाश, ताजुलमुलूक की
अंधे से मुलाकात, मिलना चारों शहजादों का और छिन जाना गलबकावली
का, पहुँचना बकावली का दारुल खिलाफल मुल्क में इमला तहरीर करना
मखरज और तलफ्फुज की अदायगी के साथ पढ़ना, उर्दू काव्य और गजलों
एवं नज्मों का समीक्षात्मक विवेचन।

27-05-2022

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय - संस्कृत

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

स्नातक प्रथम वर्ष, [REDACTED] वर्ष एवं तृतीयवर्ष हेतु संस्कृत विषय के दो-दो प्रश्नपत्र 75 अंकों के होंगे, जिनमें 60 अंकों की लिखित परीक्षा होगी और आन्तरिकमूल्यांकन(सतत व्यापक मूल्यांकन) 15 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र पाँच इकाइयों में विभक्त होगा और प्रत्येक इकाई 12 अंकों की होगी।

Programme Outcome

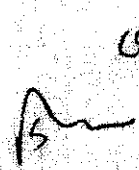
छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा।
भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।
प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारीपूर्वक राष्ट्रगौरव की चेतना विकसित होगी।
भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्वमानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे।
नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे।

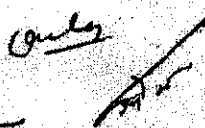
Programme Specific Outcome


विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।
संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।
संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।
संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।
भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।














Course Outcome

प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक-व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा ।

मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात् करने की प्रेरणा मिलेगी ।

विश्वस्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा ।

वर्णमाला की गहन जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा ।

शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी ।

बी.ए. प्रथम वर्ष

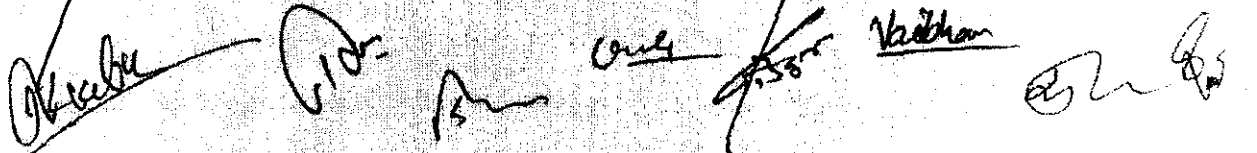
प्रथम प्रश्नपत्र - नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल Paper Code- Y101

पूर्णांक- 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90

6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-मंद्ग्या
1	स्वप्नवासवदत्तम् - प्रथम से चतुर्थ अंक पर्यन्त । (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	स्वप्नवासवदत्तम् - पंचम अंक से समाप्तिपर्यन्त । (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	संस्कृत संभाषण तथा लेखन - (निम्नलिखित अनुसार शिक्षण केन्द्रित होगा ।) सुबन्त (शब्दरूप) - देव, गति, भानु, पितृ, करिन्, भवत्, कर्तृ, आत्मन्, लता, मति, नदी, मातृ, फल, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर् । तिङन्त (धातुरूप) - परस्मैपदी - भू, पठ्, गम्, अस्, पा, स्था, दृश्, दा, कृ, तुद्, चुर्, दिव् । आत्मनेपदी - सेव्, रम्, रुच्, मुद्, लभ्, जन्, वृत्, वृध् । अव्यय - अत्र, यत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, अधुना, इदानीम्, अद्य, श्वः, परस्वः, ह्यः, परह्यः, आम्, न, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, यदा, तदा, कदा, सदा, सर्वदा, किम्, कुतः, कति, किमर्थम्, अतः ।	15



Course Outcome

अभिनय कला के सांगोपांग ज्ञान से सम्बन्धित क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर की संभावना बनेगी।

पाठ्य नाटक से पर-हितार्थ सहयोग तथा त्याग-भावना की प्रवृत्ति उदित होगी।

व्याकरण के अनुशीलन से पदच्छेद, पदों के समास तथा वाक्यों के वाच्य-परिवर्तन की क्षमता निर्मित होगी।

संस्कृत संभाषण-लेखन का कौशल विकसित होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र - नाटक, अभिनयकला तथा व्याकरण Paper Code - Y103

पूर्णांक - 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90

6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	नागानन्दनाटकम् अंक - 1,2,3 पर्यन्त (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	नागानन्दनाटकम् अंक - 4,5 (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	नाट्यविद्या और रंगकर्म - नाट्य-लक्षण, चतुर्विध अभिनय, कथावस्तु- मुख्य-गौण, रस-प्रकार, नायक-नायिका-भेद। नाट्यशास्त्रीय परिभाषाएँ - नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, स्वगत, प्रकाश, जनान्तिक, अपवारित, कंचुकी, विदूषक, भरतवाक्य।	20
4	समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	20
5	वाच्यभेद - कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य	15

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature

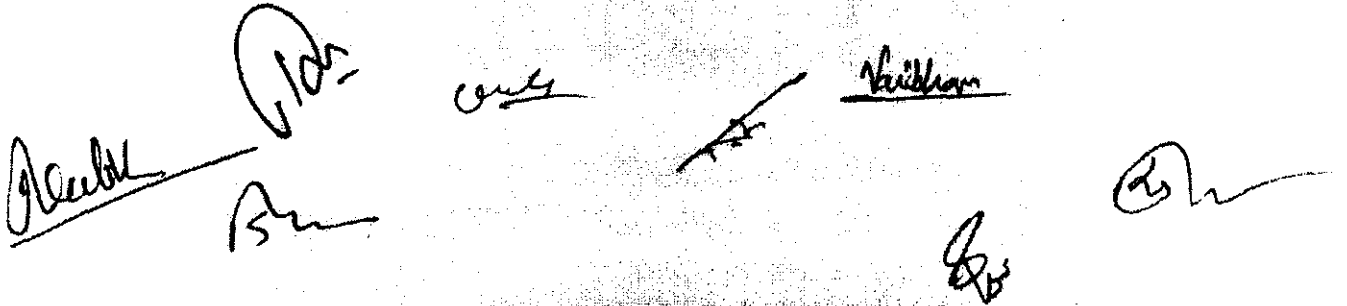
Handwritten signature

Handwritten signature

अनुशंसितग्रन्थ -

1. नागानन्दनाटक - हर्षवर्धन, प्रकाशक - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
2. दशरूपकम् - डा. रमाशंकर त्रिपाठी, प्रकाशक - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी - श्रीमहेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी - डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका - डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक - चौखम्बा ओरियन्टलिया, दिल्ली

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 75)
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 x 12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित-परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेंटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 (नाट्यविद्या और रंगकर्म) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक



Course Outcome

काव्य के दृश्य-श्रव्य आदि भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा ।
 विभिन्न ऐतिहासिक वृत्तों की जानकारी प्राप्त होगी ।
 पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे ।
 नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा ।
 भारतीय मनीषी तत्त्व-चिन्तकों द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व
 अवदान की जानकारी मिलेगी ।

बी.ए. द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्र - काव्य, साहित्येतिहास तथा तत्त्वचिन्तक

Paper Code – Y104

पूर्णांक- 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90

6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)श्लोक 1 से 40 तक (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)श्लोक 41से75 तक (व्याख्या तथासमीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	नीतिशतकम् (भर्तृहरिकृत) दो श्लोकों की व्याख्या	20
4	नाटक - अभिज्ञानशाकुन्तल, उत्तररामचरित, वेणीसंहार, मुद्राराक्षस, मृच्छकटिक । महाकाव्य- रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धचरित, सौन्दरनन्द, किरातार्जुनीय, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, हरविजय, नवसाहसांकचरित, विक्रमांकदेवचरित । गद्यकाव्य -वासवदत्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, शिवराजविजय । खण्डकाव्य (गीतिकाव्य एवं मुक्तक) - शतकत्रय (भर्तृहरि),	20

(Handwritten signatures and marks)

	ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरकशतक, गीतगोविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी । चम्पूकाव्य - नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, कथासाहित्य -पंचतंत्र, हितोपदेश, बेतालपंचविंशति, शुकसप्तति, कथासरित्सागर, बृहत्कथामंजरी । (उल्लिखितकृतियोंकेरचनाकारोंकासामान्यपरिचयअपेक्षितहै।)	
5	भारतीय तत्त्वचिन्तक - महर्षि यास्क, आचार्य शंकर, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, बोधायन, नागार्जुन, भारद्वाज, कौटिल्य, पाणिनि, कणाद, पतंजलि, चरक, सुश्रुत ।	15

अनुशंसितग्रन्थ -

1. रघुवंशमहाकाव्य - कालिदास, प्रकाशक - मोतीलालबनारसीदास
2. नीतिशतकम् - स्वामी प्रखर प्रज्ञानन्द सरस्वती, प्रकाशक - चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास-आचार्यबलदेवउपाध्याय, प्रकाशक -शारदा मन्दिर, काशी
4. संस्कृतसाहित्यकासमीक्षात्मक इतिहास- डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक - रामनारायणलाल विजय कुमार, इलाहाबाद
5. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास - वाचस्पति शैरोला, प्रकाशक -चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 75)
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । 5 x 12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित-परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेंटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 (नीतिशतकम्) से मीखिकी 5 अंक	15 अंक

Course Outcome

विश्वप्रसिद्ध नाटक की काव्यगत विशेषताओं की जानकारी मिलेगी।
अभिनय कला के कलात्मक तथा भावात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।
व्याकरण के प्रत्यय-अनुशीलन से पद-व्युत्पत्ति का बोध-विस्तार होगा।
भाषिक क्षमता की वृद्धि होगी।
छत्तीसगढ़ के तीर्थ-स्थलों के अनुशीलन से प्रदेश के भौगोलिक-धार्मिक वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त होगा।

-बी.ए. तृतीय वर्ष-

प्रथम प्रश्नपत्र - नाटक, व्याकरण तथा छत्तीसगढ़ी तीर्थ-वैभव Paper Code - Y105

पूर्णांक- 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90

6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 4 अंक तक) (अंक 1 तथा 4 से व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5 से 7 अंक तक) (अंक 5 तथा 7 से व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
3	व्याकरण - कृत् प्रत्यय - तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, शत्, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवत्, ण्वुल्, तृच्, ल्युट्, अण्। स्त्रीप्रत्यय - टाप्, डीप्, डीष्, डीन्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य)	20
4	व्याकरण - तद्धितप्रत्यय - अण्, ढक्, ष्यञ्, त्व, तल्, इमनिच्, ठक्, इञ्, मतुप्, इनि, इतच्, ईयसुन्, इष्टन्, तरप्, तमप्, ण्य, यञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य)	15
5	छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थस्थल - सिरपुर, राजिम, डोंगरगढ़, सिहावा, दन्तेवाड़ा, खल्लारी, शिवरीनारायण, चम्पारण्य, तुरतुरिया, लाफांगढ़, रतनपुर, कबीरधाम, दामाखेड़ा, गिरीदपुरी, सामरखर (जशपुर)।	15

(Handwritten signatures and marks)